THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

उज्जैन काली मंदिर में बोनालु जात्रा

विस्तृत खबर पेज 14 पर...

वर्ष-30 अंक : 108 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.4 2082 सोमवार, 14 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

राज्यसभा के लिए 4 सदस्य नॉमिनेट

मशहूर वकील निकम, इतिहासकार मीनाक्षी जैन, पूर्व डिप्लोमैट हर्षवर्धन श्रृंगला और समाजसेवी सदानंदन शामिल

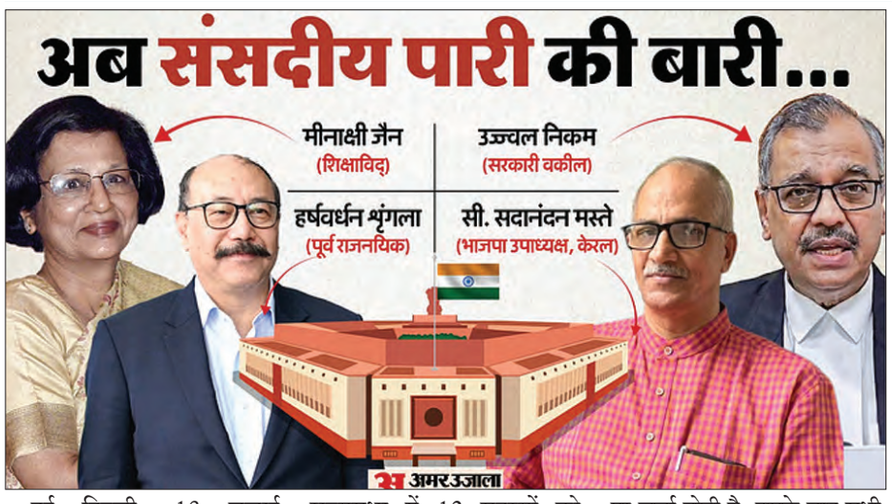

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं।

इनके अलावा, केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी। ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं।

राज्यसभा संसद का उच्च सदन :

भारत की संसद में दो सदन होते हैं- लोकसभा और राज्यसभा। राज्यसभा संसद का उच्च सदन होता है। इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 साल का होता है और हर 2 साल में एक तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं।

संसद को दोनों सदनों का मुख्य काम विधान या कानून बनाना है। इसके लिए पहले विधेयक सदन में पेश किया जाता है। फिर इस पर चर्चा होती है, उसके बाद सभी की सहमति या वोटिंग कराकर इसे पारित कर दिया जाता है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ये कानून बन जाता है।

राज्यसभा के सांसदों का चुनाव कैसे होता है :

राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव सीधे जनता नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष तरीके से होता है। इसका मतलब है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं (विधायकों) के चुने हुए सदस्य इन सदस्यों को चुनते हैं। किसी राज्य में राज्यसभा की जितनी सीटें खाली हैं, उन पर राज्य के विधायकों की संख्या के अनुसार वोट डाले जाते हैं। इस तरह राज्यसभा सदस्य चुने जाते हैं।

राज्यसभा में 12 सदस्य ऐसे होते हैं जिन्हें जनता नहीं चुनती, बल्कि राष्ट्रपति नामित करते हैं। ये नाम सरकार राष्ट्रपति को सुझाती है और फिर राष्ट्रपति उन्हें मनोनीत करते हैं।

इनका मकसद यह होता है कि संसद में हर क्षेत्र के जानकार लोग मौजूद हों ताकि कानून बनाने में उनका अनुभव और राय मदद कर सके।

पीएम मोदी ने नामित चारों हस्तियों को दी बधाई

कहा- इनके योगदान से समृद्ध होगा संसद

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से राज्यसभा के लिए मनोनीत किए गए चारों लोगों को शुभकामनाएं दी। इसमें पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में विशेष लोक अभियोजक उज्जवल निकम, केरल भाजपा नेता सी सदानंदन मस्ते और इतिहासकार मीनाक्षी जैन का शामिल है।

बता दें कि शनिवार रात को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मस्ते, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन का नाम शामिल है। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने भी दी बधाई, कहा- संसद में बढ़ेगी सार्थकता

दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रविवार को राज्यसभा के लिए नामित किए गए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनकी ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता से संसद में राष्ट्रीय विमर्श और समृद्ध होगा।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सम्माननीय राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में नामांकित किए गए प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. मीणाक्षी जैन जी, पूर्व राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला जी, समाजसेवी सी. सदानंदन मस्ते जी और वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम जी को हार्दिक बधाई। उन्होंने आगे कहा कि ये सभी महानुभाव अपने क्षेत्रों के दिग्गज हैं और उनके अनुभव से संसद में राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर और बेहतर चर्चा हो सकेगी।

आज शुरू होगी वापसी की यात्रा

शुभांशु समेत चारों अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से विदाई की तैयारी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरिक्ष में 18 दिनों तक वैज्ञानिक प्रयोग करने के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके तीन अन्य साथी अंतरिक्षयात्रियों के लिए विदाई और भोज का समय आ गया है। एक्सिओम-4 मिशन का यह दल सोमवार को पृथ्वी पर वापसी की तैयारी कर रहा है।

मिशन में कौन-कौन हैं शामिल :

एक्सिओम-4 मिशन में कुल चार अंतरिक्ष यात्री हैं। जिसमें क्रू-कमांडर पेगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के निवासी और मिशन विशेषज्ञ स्लावोस्ज उज़्नांस्की-विस्निवस्की, हंगरी के निवासी और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापु शामिल हैं। ये दल सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे (सुबह 7:05 ईटी) अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रवाना होगा।

पृथ्वी पर वापसी का समय और तैयारी :

भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि एक्सिओम-4 दल 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पर समुद्र में उतरेगा। शुक्रवार और शनिवार को सभी अंतरिक्षयात्रियों ने मिलकर विदाई से पहले एक विशेष भोज का आयोजन किया। अंतरिक्ष में फिलहाल कुल 11 यात्री हैं- 7 एक्सपीडिशन 73 मिशन के और 4 एक्सिओम-4 मिशन के हैं।

अंतरिक्ष में अंतर्राष्ट्रीय भोज :

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जॉनी किम ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने एक्सिओम-4 दल के साथ जो भोजन किया, वह सबसे यादगार शामों में से एक थी। इस भोज में रिहाइड्रेटेड झींगा कॉकटेल और क्रैकर्स स्टार्टर के तौर पर था, वहीं मुख्य व्यंजन में चिकन और बीफ फजिटास, जबकि मिठाई के तौर पर ब्रेड, गाढ़ा दूध और अखरोट से बनी केक दी गई थी। बता दें कि, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ आमरस और गाजर का हलवा ले गए थे, वहीं पोलिश यात्री स्लावोस्ज ने पिएरोगी (मशरूम और पत्तागोभी से भरी डिश) साझा की।

ईरान के राष्ट्रपति इजराइली हमले में घायल हुए थे

तेहरान, 13 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच पिछले महीने 12 दिनों तक जंग हुई थी। इस दौरान 16 जून को इजराइल के हमले में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान घायल हो गए थे। ईरानी न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने 16 जून को तेहरान के पश्चिमी हिस्से में एक इमारत पर 6 मिसाइलों से हमला किया था। उस समय इमारत में देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक चल रही थी।

बैठक में राष्ट्रपति पजशकियान के साथ ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसेनी एजेई और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि ये सभी इमारत की निचली मंजिल में मौजूद थे, इसलिए हमले का उन पर बहुत असर नहीं हुआ।

बिहार की तरह पूरे देश में वोटर लिस्ट जांची जाएंगी

चुनाव आयोग की तैयारी पूरी, सुप्रीम कोर्ट में 28 जुलाई की सुनवाई के बाद फैसला होगा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरूआत हो सकती है।

ईसी ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था। हालांकि कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद एसआईआर पर अंतिम फैसला लेगी क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है। वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली एसआईआर के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

दिल्ली सीईओ वेबसाइट की 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध :

दिल्ली सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध है, जब दिल्ली में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हुआ था। उत्तराखंड में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन 2006 में हुआ था। तब की वोटर लिस्ट राज्य की सीईओ वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कट ऑफ तारीख के तौर पर काम करेगा, क्योंकि बिहार की 2003 की वोटर लिस्ट को चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए यूज कर रहा है। अधिकांश राज्यों में 2002 और 2004 के बीच वोटर लिस्ट में संशोधन किया गया था।

राजस्थानी युवाओं को ट्रेनिंग दे रहे पाकिस्तान में बैठे आतंकी

एटीएस की पूछताछ में युवक के चौंकाने वाले खुलासे वॉट्सऐप चैटिंग में बम बनाने के तरीके

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मैं आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के संपर्क में आया... मुझे भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के वीडियो भेजे जाते थे... मैं इतना प्रभावित हुआ कि जिहाद को तैयार हो गया... अपना नाम बदलकर 'मुजाहिद' रख लिया था।

पाकिस्तानी हैंडलर के चंगुल में फंसे भीलवाड़ा के मोहम्मद सोहेल भिश्ती (23) ने एटीएस (एंटी टेररिस्ट स्क्वाड) की पूछताछ में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पाकिस्तान के आतंकी गुट इसी तरह राजस्थान के युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। स्लीपर सेल के लिए मानसिक तौर पर जिहादी बनने को तैयार कर रहे हैं। यहां तक की बम बनाने भी ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जा रही है।

जेल में बंद मोहम्मद सोहेल भिश्ती को लेकर एटीएस ने 2 जून 2025 को तथ्यात्मक रिपोर्ट कोर्ट में पेश की है। इस केस में 16 जुलाई से नियमित सुनवाई शुरू होगी।

ऑनलाइन वीडियो गेम्स बना हथियार :

जांच में सामने आया कि युवाओं को गुमराह करने के लिए पाकिस्तानी एजेंट इंटरनेट पर सक्रिय रहते हैं। ऑनलाइन गेम्स खेलने वालों पर इनकी नजर रहती है। इनमें खासतौर पर अल्पसंख्यक युवाओं को टारगेट किया जाता है। पहले उनसे दोस्ती की जाती है और फिर उन्हें जिहाद व अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के झूठे वीडियो भेजकर उनका ब्रेनवॉश किया जाता है।

भीलवाड़ा जिले के 23 साल के मोहम्मद सोहेल भिश्ती के साथ भी यही हुआ। उसने एटीएस को बताया कि वह मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेलता था। इस गेम में शुरू में चार लोग जुड़ते हैं। इसके बाद इसमें खेलने वाले अन्य लोग जुड़ते जाते हैं। पीएफआई गिल्ड के नाम से एक ग्रुप में जो कई ग्रुप के लिंक आते थे, वह उन सबसे जुड़ गया।

एमएलसी नवीन के कार्यालय पर पुलिस फायरिंग में एक घायल

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी चिंतापंडु नवीन कुमार उर्फ तीनमार मल्लन्ना के कार्यालय में रविवार को उस समय तनाव व्याप्त हो गया, जब उनके बंदूकधारियों ने उस समय गोलीबारी शुरू कर दी, जब खुद को तेलंगाना जागृति का सदस्य बताने वाले कुछ लोगों ने मल्लन्ना की बीआरएस एमएलसी कविता पर की गई टिप्पणी की निंदा करने के लिए उनके कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

तेलंगाना जागृति के सदस्य होने का दावा करने वाले लोगों का एक समूह रविवार दोपहर तीनमार मल्लन्ना के मेडिपल्ली स्थित कार्यालय में एमएलसी कविता पर उनकी टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन करने गया।

जब वे कार्यालय में दाखिल हुए, तो बंदूकधारियों ने उन्हें कार्यालय से बाहर धकेलने की कोशिश की, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद बंदूकधारियों ने हवा में कुछ राउंड फायरिंग की जिससे प्रदर्शनकारियों को भागने पर मजबूर होना पड़ा।

अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का 83 साल की उम्र में निधन

पीएम मोदी बोले- बहुमुखी प्रतिभा के लिए याद किए जाएंगे : चिरंजीवी समेत कई सेलेब्स ने जताया दुख

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ के जाने माने अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का 83 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन से फिल्मी जगत में शोक की लहर है। उन्हें चिरंजीवी, जूनियर एनटीआर, रवि तेजा, विष्णु मांचू, मोहन बाबू, नंदमुरी कल्याण राम, एसएस राजामौली, राम गोपाल वर्मा और ब्रह्मानंदम जैसे कलाकारों ने श्रद्धांजलि दी है। उनके निधन पर पीएम मोदी ने दुख जतया है।

पीएम मोदी ने कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर जताया दुख:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर शोक जताया है और उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा है, कोटा श्रीनिवास राव के निधन से दुखी हूं। उन्हें उनकी सिनेमाई प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने अपने शानदार अभिनय से कई

पीढ़ियों के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वह समाज सेवा के क्षेत्र में भी आगे रहे और गरीबों तथा दलितों को सशक्त बनाने के लिए काम किया। उनके परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

पेड़ों की जड़ों से बने पुलों को मिले यूनेस्को की मान्यता : सीतारमण

शिलांग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय राज्य के पूर्वी खासी हिल्स जिले में जीवित पेड़ों की जड़ों से बने पुलों (लिविंग रूट ब्रिज) को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के प्रयासों का समर्थन किया। सीतारमण ने गांव के लोगों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से इस पहल को आगे बढ़ाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहचान केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को यह दिखाने के लिए होनी चाहिए कि यह परंपरा पहले यहीं शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि यह परंपराएं अन्य स्थानों पर भी अपनाई जा सकती हैं।

बांग्लादेश सीमा पर ज्यादातर लीविंग रूट ब्रिज :

खासी और जयंतिया जनजातियों के लोग पीढ़ियों से इन लीविंग रूट ब्रिज को बना रहे हैं। ये पुल दिखाते हैं कि इंसान, प्रकृति और नवाचार के अनोखे मेल को दिखाते हैं। ऐसे पुल मेघालय के दक्षिणी इलाकों में बांग्लादेश की सीमा के पास ज्यादा देखने को मिलते हैं।

मेघालय सरकार ने भेजा था यूनेस्को को प्रस्ताव

मेघालय सरकार ने 2018 में इन पुलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। यह प्रस्ताव 'सांस्कृतिक परिदृश्य' श्रेणी में भेजा गया था। इसमें इन पुलों के पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और निर्माण से जुड़े महत्व को समझाया गया था।

लेकिन इस प्रक्रिया में देरी हो गई क्योंकि जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं थे और स्थानीय लोगों की भागीदारी को और बढ़ाने की जरूरत थी।

वित्त मंत्री ने गांव के बुजुर्गों, स्थानीय नेताओं और 'पारिस्थितिकी तंत्र सेवा भुगतान' (पीईएस) योजना का लाभ उठाने वाले लोगों से मुलाकात की। यह योजना विश्व बैंक, क्रेडिटनस्टाल्ट फर विडेराउफबाउ (केएफडब्ल्यू- पुनर्निर्माण के लिए ऋण देने वाली संस्था) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की मदद से चल रही है। इसका मकसद पर्यावरण से जुड़ी पारंपरिक जानकारी को बचाना और उसे नए जमाने के तरीकों से आगे बढ़ाना है।

अंतिम गांव सोहबर का भी किया दौरा :

निर्मला सीतारमण ने पूर्वी खासी हिल्स जिले के सीमावर्ती गांव सोहबर का भी दौरा किया। वह इस गांव की यात्रा करने वाली पहली केंद्रीय मंत्री बनीं हैं। उन्होंने कहा, सीमावर्ती गांव भारत का अंतिम छोर नहीं हैं, बल्कि शुरूआत हैं।

महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने ऑटो ड्राइवर को पीटा

फिर मराठी में माफी मंगवाई, ऑटो वाले ने कहा था- हिंदी-भोजपुरी में बोलूंगा, क्या करोगे

पालघर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने एक ऑटो ड्राइवर की पिटाई कर दी। दरअसल, ऑटो ड्राइवर का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह चिल्लाते हुए कह रहा है कि हिंदी और भोजपुरी में बोलूंगा, क्या करोगे। मैं मराठी नहीं बोलता।

इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने ऑटो ड्राइवर को पकड़ा और कान पकड़कर मराठी में माफी मंगवाई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला। इसमें ड्राइवर हाथ जोड़कर कहता है कि गलती हो गई, अब मराठी में बोलूंगा। इस दौरान उसे कई थप्पड़ मारे जाते हैं। साथ ही क्षत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारे भी लगाए।

सच्ची शिवसेना शैली में जवाब देंगे

शिवसेना (यूबीटी) विरार शहर प्रमुख उदय जाधव ने कहा, जो कोई भी मराठी भाषा, महाराष्ट्र या मराठी मानुष का अपमान करेगा, उसे सच्ची शिवसेना की शैली में जवाब मिलेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ड्राइवर को उसकी हिम्मत के लिए सबक सिखाया गया और उससे लोगों और राज्य से माफी मंगवाई गई।

पुलिस बोली- अब तक कोई शिकायत नहीं मिली :

पुलिस ने रविवार को कहा- हमने मामले का वीडियो देखा है, लेकिन अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। इसलिए अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। वीडियो की जांच कर रहे हैं।

नेपाल सीमा से करोड़ों की एमडीएमए ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार

चंपावत, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चंपावत जिले में पहली बार दो जिलों की पुलिस ने करोड़ों की मिथाइलीन डाइऑक्सी मेथैम्फेटामाइन (एमडीएमए) ड्रग की खेप जब्त की है। चंपावत पुलिस, एसओजी और पिथौरागढ़ एसओजी की टीम ने चेकिंग के दौरान .किग्रा ड्रग के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पति समेत दो आरोपी पहले ही भाग गए जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। मुंबई में पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ में पहाड़ से ड्रग सप्लाई होने की जानकारी मिली थी।

इसी आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। एसपी अजय गणपति ने बताया कि शनिवार तड़के सीओ वंदना वर्मा के नेतृत्व में एसओजी प्रभारी लक्ष्मण सिंह जगवान और बनबसा थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह कोरंगा की टीम ने शारदा नहर क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने एक महिला और पुरुष को संदिग्ध हालात में देखकर रुकने के लिए कहा लेकिन पुरुष मौके से भाग गया। पुलिस ने ईशा (22) निवासी पंपापुर बनबसा को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके बैगसे एमडीएमए बरामद हुआ। ईशा ने बताया कि भागने वाला उसका पति राहुल कुमार है। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना बनबसा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। एसपी ने बताया कि पुलिस महिला के पति राहुल कुमार और कुनाल कोहली निवासी टनकपुर की तलाश कर रही है। महिला से पूछताछ की जा रही है कि इतनी भारी मात्रा में ड्रग कहां और कैसे बनाई है। पुलिस के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 10,23,84,000 रुपये आंकी गई है।

एमडीएमए को मौली, एमडी, म्याऊ-म्याउ, वाइट पाउडर, एम केट, एक्स्टसी के नाम से भी जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक ड्रग है जो मेथाम्फेटामाइन जैसे उत्तेजक पदार्थ के समान है। इसका प्रभाव कोकीन की तरह होता है।

सोनिया गांधी ने कल बुलाई कांग्रेस की बैठक

मानसून सत्र के लिए तय होगी रणनीति

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए 15 जुलाई को एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक उनके आवास 10 जनपथ पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत पार्टी के बड़े नेता शामिल होंगे। बता दें कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करने वाला वाला है।

मानसून सत्र में पेश हो सकते हैं कई अहम बिल

बता दें कि मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। पहले यह सत्र 12 अगस्त को खत्म होने वाला था, लेकिन सरकार ने इसे एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया है। इस दौरान कई अहम बिल पेश होने की उम्मीद है, जिनमें निजी क्षेत्र को परमाणु ऊर्जा में प्रवेश की इजाजत देने वाला कानून भी शामिल है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस सत्र में कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। खास तौर पर, बिहार में चुनाव आयोग के विशेष मतदाता सूची संशोधन के फैसले पर विपक्ष कड़ा एतराज जता सकता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर सत्ता पक्ष को घेरेगा विपक्ष!

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद की कूटनीतिक कोशिशों पर भी विपक्ष द्वारा चर्चा की मांग की जा रही है। विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने भारत-पाकिस्तान तनाव में मध्यस्थता की बात कही थी। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने ट्रंप से फोन पर बातचीत में साफ कर दिया कि भारत न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार करता है और न ही भविष्य में करेगा।

मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद

कांग्रेस की यह बैठक मानसून सत्र में विपक्ष की एकजुट और मजबूत रणनीति बनाने की दिशा में एक बड़ी कोशिश मानी जा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस सत्र में विपक्ष सरकार के हर कदम पर नजर रखेगा और जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को जोर-शोर से उठाएगा। कांग्रेस की तैयारी देख कर लग रहा है कि संसद का मानसून सत्र भी हंगामेदार रहने वाला है।

अमरनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा

कुलगाम में काफिले की तीन बसों की टक्कर; दस से अधिक श्रद्धालु घायल

कुलगाम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के खुडवानी क्षेत्र में श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमरनाथ यात्रा काफिले के दौरान तीन बसों की आपस में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में 10 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा टैचलू क्रॉसिंग के पास उस समय हुआ जब बालटाल की ओर जा रहे यात्रा काफिले की तीन बसें आपस में टकरा गईं। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। क़ैमोह अस्पताल के एक डॉक्टर ने जानकारी दी कि करीब नौ श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार देने के बाद सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अनंतनाग रेफर कर दिया गया है।

डॉक्टर ने बताया सभी घायल श्रद्धालुओं की चोटें मामूली हैं और उनकी हालत स्थिर है। उन्हें बेहतर उपचार और औपचारिकताओं के लिए जीएमसी अनंतनाग भेजा गया है। प्रशासन ने यात्रियों की देखभाल के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं और यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा को मिला कपिल सिब्बल का साथ

केंद्र पर निशाना साधते हुए बोले- 'जज को नहीं सुना गया'

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ की गई अंदरूनी जांच पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में न पारदर्शिता रखी गई, न ही न्यायिक प्रक्रिया का पालन हुआ और न्यायाधीश को बिना सुने ही रिपोर्ट तैयार कर दी गई। दरअसल, मार्च में दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित घर में आग लग गई थी। आग बुझाने के दौरान उनके आउट हाउस से कैश मिलने का मामला सामने आया था।

सरकार पर सिब्बल का निशाना

इस मामले पर कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर सरकार महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करना चाहती है तो उसे संसद के जरिए करना चाहिए, लेकिन यहां तो सीधे हस्तक्षेप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस आउट हाउस से नकदी मिली है वह न्यायाधीश को आवंटित क्षेत्र में था, लेकिन बिना किसी ठोस जांच के सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई की। सिब्बल ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई तीन सदस्यी समिति की आलोचना करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को बयान देने का मौका तक नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, आपने जांच की और रिपोर्ट बनाई, लेकिन जज की बात तक नहीं सुनी। ये न्याय के खिलाफ है।

'सरकार किसी बात से नाराज है'

कपिल सिब्बल ने कहा, या तो सरकार किसी बात से नाराज है या फिर यह समय देखकर एनजेएसी (नेशनल ज्यूडिशियल अप्वाइंटमेंट कमीशन) को फिर से लाने की कोशिश हो रही है, ताकि न्यायपालिका पर दबाव बनाया जा सके। सिब्बल ने एक अन्य मामले का हवाला देते हुए बताया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की जांच 6 महीने से लंबित है। उन्होंने कहा, राज्यसभा सचिवालय कहता है कि मेरी सिग्नेचर नहीं मिल रही है। 6 महीने बीत गए पर वे सत्यापन नहीं कर पाए। क्या ये दोहरा रवैया नहीं है?

जांच समिति में कौन-कौन हैं शामिल?

न्यायमूर्ति शील नागू (मुख्य न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट)

न्यायमूर्ति जी.एस। संधवाला (मुख्य न्यायाधीश, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट)

न्यायमूर्ति अनु शिवरामन (कर्नाटक हाई कोर्ट)

जांच रिपोर्ट पर सिब्बल ने उठाए सवाल

जांच समिति ने पिछले महीने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेजी थी। सिब्बल ने कहा कि रिपोर्ट में यह तक नहीं बताया गया कि कितनी नकदी मिली और कैसे यह मान लिया गया कि वह न्यायाधीश की अनुमति से रखी गई थी।

ड्राइवर का कहर

दिल्ली में फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को रौंदा, एक आठ साल की बच्ची भी घायल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वसंत विहार इलाके में रात नशे में धुत एक तेज रफ्तार ऑडी कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचल दिया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक कार समेत भागने की कोशिश की, लेकिन उसकी कार एक ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस ने कार चालक शेखर (40) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उधर पुलिस ने घायलों लाधी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति साबामी उर्फ चिरमा (45), राम चंदर (45) और उसकी पत्नी नारायणी (35) को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मेडिकल जांच में कार चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ शराब के नशे में लापरवाही से वाहन चलाने से हुआ हादसा का मामला दर्ज कर लिया है।

आरपीएफ के शीर्ष पद पर पहली बार नियुक्त हुईं महिला अधिकारी सोनाली मिश्रा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के इतिहास में पहली बार किसी महिला अधिकारी को सबसे ऊंचे पद की कमान सौंपी गई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा को रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक (डीजी) नियुक्त किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सोनाली मिश्रा अपनी सेवानिवृत्ति 31 अक्टूबर, 2026 तक आरपीएफ के महानिदेशक के पद पर रहेंगी। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सोनाली मिश्रा महानिदेशक मनोज यादव का स्थान लेंगी, जो 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोनाली मिश्रा आरपीएफ का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी होंगी। आरपीएफ को रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा सहित अन्य कर्तव्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वर्तमान में, सोनाली मिश्रा मध्य प्रदेश पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक (चयन) के पद पर तैनात हैं।

आरपीएफ का गठन संसद के एक अधिनियम द्वारा 1957 में रेलवे संपत्ति को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया गया था। बाद में, 1966 में इस बल को रेलवे संपत्ति के अवैध कब्जे में शामिल अपराधियों की जांच करने, गिरफ्तार करने और मुकदमा चलाने का अधिकार दिया गया। 20 सितंबर, 1985 को इसे संघ का एक सशस्त्र बल का दर्जा दिया गया।

टाटा को ही क्यों मिला काम

राहुल पर निशिकांत दुबे का पलटवार कांग्रेस पूंजीपतियों की असली साथी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर करारा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बड़े उद्योगपतियों के बीच की सांठगांठ कोई नई बात नहीं है। दुबे ने एक पुराना मामला उठाते हुए कहा कि 1971 में राहुल गांधी की दादी और उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में केवल एक कंपनी टाटा को केमिकल निर्माण का काम सौंपा गया था। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी से सीधे सवाल किया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी जी, आपकी कांग्रेस और उद्योगपतियों की मिलीभगत खूब चर्चित रही है। 2 जून 1971 को संसद में केवल टाटा को केमिकल बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी। क्या यह आपकी दादी इंदिरा गांधी का निर्णय नहीं था? उन्होंने कांग्रेस पर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर हमला जारी रखते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश में 'लाइसेंस, परमिट और कोटा' का ऐसा तंत्र बनाया था, जिससे चुनिंदा लोगों को ही फायदा पहुंचता था। उन्होंने कहा, "कांग्रेस का मतलब है लाइसेंस, परमिट और कोटे का राज। गांधी परिवार का यह काला सच है। दुबे का यह बयान उस वक्त आया है जब राहुल गांधी बार-बार भाजपा और उद्योगपतियों के संबंधों को निशाना बना रहे हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने ओडिशा की एक जनसभा में भाजपा और बीजेडी सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि ओडिशा की सरकार का एक ही काम है, गरीबों से संपत्ति छीनकर अमीरों को देना। राहुल गांधी ने कहा कि पहले बीजेडी सरकार ने ऐसा किया और अब भाजपा सरकार वही कर रही है।

तिरुवल्लूर में डीजल से भरी मालगाड़ी में भीषण आग कई ट्रेनें रद्द; मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

तिरुवल्लूर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह करीब 5:30 बजे डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी की चार बोगियों में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि आसमान में ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। दमकल और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और न ही आसपास की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि डीजल ज्वलनशील होने के कारण आग बुझाना काफी मुश्किल था।

फायर सर्विस चीफ ने दी जानकारी

वहीं इस मामले में फायर सर्विस चीफ सीमा अग्रवाल ने बताया कि हमारी टीमें मौके पर हैं और आग बुझाने का काम जारी है। चूंकि बोगियों में डीजल है, इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है। अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। बता दें कि डीजल से भरी मालगाड़ी मणाली से तिरुपति की ओर जा रही थी और आग लगने के बाद एहतियातन आसपास के इलाकों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही इस रूट की कई ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही हालात और स्थिति को लेकर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस ए श्रीनिवास पेरुमल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बचाव दलों ने ट्रेन को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया है और अब कोई खतरा नहीं है। वहीं अभी इस मामले में आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चला है और जांच जारी है।

चेन्नई से आने-जाने वाली ट्रेन प्रभावित

मालगाड़ी में लगे भीषण आग के चलते चेन्नई से आने-जाने वाली ट्रेनों पर असर पड़ा है। सदर्न रेलवे ने चेन्नई से चलने वाली आठ ट्रेनों को रद्द कर दिया है और पांच ट्रेनों को दूसरे रास्ते से डायवर्ट किया गया है। हालांकि प्रशासन स्थिति को सामान्य करने में जुटा है।

कब्रिस्तान की घेराबंदी-कई नजरबंद

कश्मीर में आज क्या हो रहा, जिससे उमर अब्दुल्ला परेशान महबूबा मुफ्ती ने बताया कब खत्म होगी दिलों की दूरी

जम्मू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में 13 जुलाई नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) शहीद दिवस के तौर पर मनाना चाहती है। हालांकि प्रशासन की तरफ से इसकी अनुमति नहीं दी गई है। यही कारण है कि घाटी में सियासी पारा हाई है। सीएम उमर ने 1931 की उस घटना को जलियांवाला बाग बताया है। तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासन ने कई नेताओं को गिरफ्तार और नजरबंद किया है। इस पर पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने आत्ततिदर्ज कराई है और केंद्र सरकार पर हमला बोला है। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जिस दिन आप हमारे नायकों को अपना मान लेंगे, ठीक वैसे ही जैसे कश्मीरियों ने महात्मा गांधी से लेकर भगत सिंह को अपनाया है। उस दिन, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार कहा था, "दिलों की दूरी" सचमुच खत्म हो जाएगी।

महबूबा मुफ्ती ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब आप शहीदों के कब्रिस्तान की घेराबंदी करते हैं, लोगों को मज़ार-ए-शहादा जाने से रोकने के लिए उन्हें उनके घरों में बंद कर देते हैं, तो यह बहुत कुछ कहता है। 13 जुलाई हमारे उन शहीदों को याद करता है, जो देश भर के अनगिनत अन्य लोगों की तरह अत्याचार के खिलाफ उठ खड़े हुए। वे हमेशा हमारे नायक रहेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी नीतियों को जारी रखते हुए, हमारी पार्टी के कई नेता जैसे खुर्शीद आलम, ज़ोहैब मीर, हामिद कोहशीन, आरिफ लियागरू, सारा नईमा, तबस्सुम, बशारत नसीम और अन्य जो अपने घरों से चुपके से बाहर निकलने में कामयाब रहे, उन्हें पुलिस थानों में हिरासत में लिया गया है।

तमिलनाडु में नहीं थम रहा पुलिस कस्टडी में अजित कुमार की मौत का मामला

अब सड़क पर उतरे दलपति विजय

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और अब तमिलगा वेत्री कलगम (टीवीके) के प्रमुख विजय आज एक बड़े जन आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। यह प्रदर्शन पुलिस हिरासत में मारे गए मंदिर रक्षक अजीत कुमार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर किया जा रहा है। यह विजय का पहला सार्वजनिक राजनीतिक आंदोलन है, जिसे राजनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। अजीत कुमार मदापुरम मंदिर में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे, पिछले महीने शिवगंगई जिले में पुलिस हिरासत में मारे गए। एक सेशन्स कोर्ट के जज की रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि अजीत को अवैध हिरासत में लिया गया और उसके साथ यातना की गई। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने सीबीआई को इस मामले की अंतिम रिपोर्ट बीस अगस्त तक दाखिल करने का निर्देश दिया।

सीएम स्टालिन ने जताया था दुख

तमिलनाडु सरकार पर जन आक्रोश बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अजीत के परिवार से माफी मांगी और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि जांच पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। वहीं, जिस आभूषण चोरी के मामले में अजीत को उठाया गया था, उसे भी सीबीआई को सौंप दिया गया है।

स्थानीय पुलिस पर कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

राज्य सरकार ने शुरुआती कार्रवाई के तहत पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। संबंधित डीएसपी को सस्पेंड कर दिया गया है और शिवगंगई जिले के एसपी को 'कम्पलसरी वेटिंग' पर भेजा गया है। इन कदमों से सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह हिरासत में मौत जैसे मामलों को गंभीरता से ले रही है।

टीवीके ने उठाई ये मांग

विजय की पार्टी टीवीके ने सिर्फ सीबीआई जांच को ही नहीं, बल्कि एक हाईकोर्ट की निगरानी वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) की मांग भी की है। टीवीके का दावा है कि जब तक जांच पूरी पारदर्शिता के साथ नहीं होती, तब तक अजीत को न्याय नहीं मिलेगा। विजय ने आंदोलन से पहले अन्य हिरासत में मारे गए पीड़ितों के परिवारों से भी मुलाकात की।

दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रियों की राह में बिछाए गए कांच के टुकड़े, मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा इलाके में शिव भक्त कावड़ियों के लिए आरक्षित कावड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े मिलने से हड़कंप मच गया है। चिंतामणि चौक से शाहदरा फ्लाईओवर पर तकरीबन 1 किलोमीटर की दूरी पर कांच के टुकड़े बिखरे हुए मिले। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद मंत्री ने स्थानीय विधायक संजय गोयल को मौके पर भेजा। विधायक के मुताबिक, कांवड़ मार्ग पर छोटे-छोटे कांच के टुकड़े मिले। इसके बाद पीडब्ल्यूडी के सफाई कर्मचारियों को मौके पर बुलाया गया और पूरी मार्ग की सफाई की जा रही है। संजय गोयल का कहना है कि शुक्रवार को भी इस कावड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े मिले थे, जिसकी सफाई कराई गई थी। लेकिन शनिवार को दोबारा कावड़ यात्रियों के लिए आरक्षित मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे हुए मिले, जिससे लगता है कि साजिशन इस तरह के कृत्य किए जा रहे हैं। इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को भी दी गई है और दिल्ली पुलिस पूरे मार्ग पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन परिस्थितियों में कांच के टुकड़े कावड़ मार्ग पर बिखरे हुए मिले हैं।

दिल्ली में 6 दिन बरसेंगे बादल, यूपी-बिहार में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी राज्यों पर कैसा है मौसम?

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में शनिवार को आसमान में काले बादल रहे और कई इलाकों में हल्की बारिश भी देखने को मिली। अब मौसम विभाग की ओर से अगले 6 दिन और बारिश की संभावना दिल्ली के लिए जताई गई है। इस दौरान दिल्ली के तापमान में भी गिरावट आने का अनुमान है।

13 जुलाई यानी आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 18 जुलाई तक इस तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है। देश के अलग-अलग इलाकों में लगातार मानसून की बारिश हो रही है। ऐसे में लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली हुई है। दिल्ली में भी रुक-रुक कर बारिश हो रही है। वहीं 14 से 16 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर और मुजफ्फराबाद में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। 13 से 18 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान में भी बारिश का अलर्ट है।

अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने और बिजली गिरने की संभावना है। मध्य प्रदेश में 13 से 18 जुलाई के दौरान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड और ओडिशा में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र के ज्यादातर इलाकों में गरज और बिजली गिरने की संभावना है। 13 से 15 जुलाई के दौरान, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में कई स्थानों पर गरज और बिजली कड़कने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। 13-18 जुलाई के दौरान असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

18 जुलाई तक केरल और माहे, तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं 15 से 18 जुलाई के दौरान कर्नाटक और तमिलनाडु में भी बारिश की संभावना है। अगले 5 दिन दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज रफ्तार हवाएं चलने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, तेलंगाना में कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश हो सकती है। 13 जुलाई को तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में गर्म और आर्द्र मौसम की भी संभावना है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 14 जुलाई, 2025 3

युविचार

नीयत साफ़ तो ज़िंदगी में सब माफ़

आदिलाबाद जिले के लिए विशेष विकास कार्यक्रम शुरू करने पर विचार : भट्टी

डिप्टी सीएम ने मंचेरियल जिले में जनसभा को संबोधित किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा, हम महिला सशक्तिकरण के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं और आर्थिक रूप से संघर्षरत महिलाओं का समर्थन करेंगे। राज्य सरकार आदिलाबाद जिले के लिए एक विशेष विकास कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है।

मंचेरियल जिले के लक्सेटीपेट में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम बाबासाहेब आंबेडकर प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना शुरू करेंगे। हर विधानसभा क्षेत्र में, हम महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा, हमने महिला स्वयं सहायता समूहों को सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं आवंटित करने पर ध्यान केंद्रित किया है और वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम करती रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए शुरू किए गए ब्याज-मुक्त ऋण को बंद करने के लिए पूर्ववर्ती टीआरएस सरकार की आलोचना की। अब, कांग्रेस सरकार ने इस योजना को पुनर्जीवित किया है। जब हमने घोषणा की कि हम एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाएंगे, तो कुछ लोगों ने इस विचार का मज़ाक उड़ाया था। लेकिन पहले ही साल में, हमने लक्ष्य को पार कर लिया और महिला समूहों को 21,600 करोड़ मूल्य के ब्याज-मुक्त ऋण चेक वितरित किए। उन्होंने आगे बताया कि 12 से 20 जुलाई तक, सरकार पूरे राज्य में ब्याज-मुक्त ऋण वितरित कर रही है, और इसी के तहत रविवार को मंचेरियल में चेक वितरित किए गए।

आम आदमी बीमा योजना के तहत, महिला समूहों को सुरक्षा और ऋण सहायता प्रदान की गई है, और बसें खरीदने में मदद की गई है, जिन्हें बाद में आरटीसी को पट्टे पर दिया गया। अब तक, 150 बसें आरटीसी से जुड़ चुकी हैं, और महिला समूहों को 1 करोड़ की लीज़ राशि प्राप्त हुई है। बाकी 450 बसें भी जल्द ही आरटीसी को लीज़ पर दे दी जाएंगी। महिला समूहों को विभिन्न क्षेत्रों में कैंटीन, पेट्रोल पंप और व्यवसाय स्थापित करने के लिए ज़मीन भी आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं को व्यवसाय में शामिल करने के लिए सूक्ष्म उद्योग स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, चुनाव से पहले हमने जनता से जो भी वादे किए थे, सत्ता में आने के बाद अब हम उन्हें एक-एक करके पूरा कर रहे हैं। "रैतु भरोसा" योजना के तहत, सरकार ने सिर्फ़ 9 दिनों में 70 लाख किसान परिवारों के खातों में 9,000 करोड़ जमा कर दिए हैं।

सत्ता में आने के सिर्फ़ तीन महीनों के भीतर, सरकार ने 21,000 करोड़ की कृषि ऋण माफ़ी लागू की है। 93 लाख परिवारों के लिए राजीव आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ़्त यात्रा, 500 में गैस सिलेंडर और शादी मुबारक जैसी योजनाएँ जारी रखी जा रही हैं।

उन्होंने इंदिरा सौर गिरिजना विकास योजना का ज़िक्र किया, जो उन आदिवासियों के लिए शुरू की गई है जिन्हें पहले वन अधिकारियों से अपनी ज़मीन पर खेती करने में दिक्कत होती थी। इसके तहत, बागवानी विभाग के ज़रिए मुफ़्त सोलर पंप सेट, स्प्रिंकलर, ड्रिप सिस्टम और बांस, एवोकाडो आदि के मुफ़्त पौधे वितरित किए जा रहे हैं।

सरकार महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ खड़ी है : मंत्री सीतक्का

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री सीतक्का ने आज कहा कि उनकी सरकार तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार, जो महिला समूहों को नियमित रूप से ब्याज का भुगतान करती रही है, ने उनके ब्याज के भुगतान के लिए 344 करोड़ रुपये और जारी किए हैं। इसमें से 300 करोड़ रुपये ग्रामीण क्षेत्रों के महिला समूहों और 44 करोड़ रुपये शहरी समूहों को आवंटित किए गए हैं। ब्याज सब्सिडी इस महीने की 18 तारीख तक सभी समूहों के खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी। सीतक्का ने कहा कि इसके तहत, राज्य भर के मंत्री और विधायक लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी के चेक, दुर्घटना बीमा लाभ और ऋण बीमा चेक वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राज्य की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशन में इस योजना का और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा बैंकों से लिए गए ऋणों पर ब्याज सब्सिडी सरकार स्वयं वहन कर रही है।

कविता ने तीनमार मल्लन्ना के खिलाफ की शिकायत

अपमानजनक टिप्पणी के लिए की उनके निलंबन की मांग

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उनके खिलाफ अनुचित और अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए एमएलसी चिंतापंडु नवीन उर्फ तीनमार मल्लन्ना को विधान परिषद से तत्काल निलंबित करने की मांग की। उन्होंने टिप्पणी सामने आने के 24 घंटे बीत जाने के बावजूद कांग्रेस सरकार पर निष्क्रियता का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर सवाल उठाया।

उन्होंने पूछा, तेलंगाना में महिलाओं का बहुत सम्मान किया जाता है। लेकिन तीनमार मल्लन्ना ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है, वह महिलाओं को राजनीति में आने से हतोत्साहित करती है। अगर एक महिला विधायक के खिलाफ ऐसी टिप्पणियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती, तो आम महिलाओं के लिए क्या उम्मीद बची है?

कविता ने तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी से औपचारिक रूप से शिकायत की है और उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले तीनमार मल्लन्ना के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने परिषद के अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वे उचित कार्रवाई के लिए नियम 262-सी, उपनियम 1 के तहत मामले को परिषद की आचार समिति को भेजें।

मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस एमएलसी ने एमएलसी की बयानबाजी की निंदा की और चेतावनी दी कि वह चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने कहा, मैं चुप नहीं बैठने वाली। जब तक मुख्यमंत्री जवाब नहीं देते और कार्रवाई शुरू नहीं करते, तब तक यही माना जाएगा कि इन टिप्पणियों के पीछे वही ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने मल्लन्ना की टिप्पणियों के बाद तेलंगाना जागृति के संदिग्ध सदस्यों द्वारा मल्लन्ना के कार्यालय पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में गोलीबारी की खबरों की भी पूरी जांच की मांग की।

अवैध कैरम क्लब में सट्टा लगाते 42 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर की टास्क फोर्स टीम ने शनिवार रात आसिफनगर स्थित एक घर पर छापा मारा, जहां अवैध कैरम बोर्ड क्लब चलाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 10,000 रुपये नकद जब्त किए।

एक गुप्त सूचना के आधार पर, टीम ने ज़ेबा बाग़ में नज़ीर नाम के व्यक्ति के घर पर छापा मारा और पाया कि 42 लोग कैरम खेल रहे थे और दांव लगा रहे थे। नज़ीर प्रतिभागियों से कमीशन ले रहा था। नकदी और अन्य संपत्ति के साथ 42 व्यक्तियों को आगे की कार्रवाई के लिए आसिफनगर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

मच्छामैलारम में कचरा प्रबंधन कंपनी में भीषण आग लगी

संगारेड्डी, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मच्छामैलारम औद्योगिक क्षेत्र स्थित एनवायरो वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। कर्मचारियों की शिकायत के बाद, जिले के विभिन्न हिस्सों से पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दर्जनों दमकल कर्मचारी आग बुझाने के काम में लगे रहे। हालांकि, सुबह 9 बजे तक यहां रिपोर्ट पहुंचने तक वे अपना काम पूरा नहीं कर पाए थे। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कर्मचारियों को आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। आग से हुए नुकसान का अभी तक पता नहीं चल पाया है। चूंकि अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी दवा कंपनियों के बीच स्थित है, इसलिए अग्निशमन विभाग आग को अन्य उद्योगों तक फैलने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा था।

तेलंगाना में धान का विरोधाभास

रिकॉर्ड उत्पादन, घटता मुनाफा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना धान उत्पादन में एक महाशक्ति के रूप में उभरा है और 2015-16 और 2023-24 के बीच चावल उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राज्य प्रायोजित सहायता योजनाओं और प्रचुर सिंचाई सुविधाओं की बदौलत, धान का उत्पादन 2014-15 के 68.17 लाख टन से बढ़कर 2023-24 में 270.88 लाख टन हो गया। हालांकि, इस विकास की कहानी में किसानों का पक्ष चिंताजनक है। कई किसानों के लिए, खेतों की उपजाऊ शक्ति अब लाभदायक लाभ नहीं दे रही है। फसल निवेश और वार्षिक लाभ के बीच का अंतर कम होता जा रहा है। औसत फसल निवेश 25,000 रुपये प्रति एकड़ तक होता है, जबकि शुद्ध लाभ शायद ही कभी 35,000 रुपये प्रति एकड़ से अधिक होता है।

मानसून की विफलता, कीटों के प्रकोप, या उर्वरक आपूर्ति में देरी, जैसे कि यूरिया की वर्तमान कमी, की स्थिति में किसानों को उच्च लागत, बढ़ते कर्ज और वित्तीय तनाव का सामना करना पड़ता है, जिससे किसान आत्महत्याओं में दुखद वृद्धि होती है। बढ़ते निवेश और घटते मुनाफे के बीच बढ़ता अंतर इस धान-प्रधान क्षेत्र को एक अनिश्चित स्थिति की ओर धकेल रहा है।

सरकारी स्तर पर भी, विपणन संबंधी समस्याओं के कारण किसानों से खरीदा गया स्टॉक बढ़ता जा रहा है। वादा किए गए प्रोत्साहनों के भुगतान में देरी और उत्तम किस्मों के वर्गीकरण की जटिल प्रक्रिया के कारण तेलंगाना भर के किसान अपना हक पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। खेती से जुड़ी लागत, बीज और उर्वरक से लेकर कीटनाशकों और मजदूरी तक, लगातार बढ़ रही है। बाज़ार मूल्यों में अस्थिरता और ख़रीद प्रक्रिया में विसंगतियां किसानों के लिए अनिश्चितता को और बढ़ा रही हैं। हालांकि सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान ख़रीदने का वादा किया है, लेकिन ख़रीद प्रक्रिया में देरी किसानों का विश्वास कम कर रही है। धान की खेती का रकबा (खरीफ़ और रबी दोनों मौसमों में) अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है, जो 2014-15 में लगभग 35 लाख एकड़ से बढ़कर 2023-24 में 157.10 लाख एकड़ हो गया है।

इस साल भी अच्छी-खासी बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालांकि, तेलंगाना में धान का प्रभुत्व, बिना समृद्धि के उत्पादन का विरोधाभास बना हुआ है, कोडाद के पास एनएसपी लेफ्ट कैनाल कमांड क्षेत्र के एक किसान केवीएनएल नरसिम्हा राव कहते हैं, जिनके पास 60 एकड़ पुश्तैनी ज़मीन है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, हमें खेती जारी रखनी होगी, क्योंकि हम ज़मीन को परती नहीं छोड़ सकते।

कृषि यंत्रीकरण बड़े किसानों के लिए निवेश लागत को कुछ हद तक कम कर सकता है, लेकिन छोटे और सीमांत किसानों को एक अलग ही सच्चाई का सामना करना पड़ता है। खेतिहर मजदूरों की कमी है, स्थानीय मजदूर 600 से 700 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से काम लेते हैं। बड़े किसान अक्सर ओडिशा, बिहार और झारखंड से 350 से 450 रुपये प्रतिदिन पर मजदूर मंगवाते हैं।

करीमनगर में सरकारी कर्मचारी ने की आत्महत्या

करीमनगर, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सप्ताह पहले कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले कादरी श्रवण कुमार (35) की रविवार को करीमनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। करीमनगर में राजस्व विभाग में रिकार्ड सहायक श्रवण कुमार ने पुलिस, ससुराल वालों और कुछ अन्य लोगों द्वारा की जा रही यातना को सहन न कर पाने के कारण यह अतिवादी कदम उठा लिया। कीटनाशक पीने से पहले मृतक द्वारा बनाए गए सेल्फी वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए महिला थाना सीआई, उसकी पत्नी, सास, नवीन, प्रवीण और प्रसन्ना को जिम्मेदार ठहराया है।

मृतक की बहन वनजा के अनुसार, पुलिस ने पारिवारिक विवादों के सिलसिले में फर्जी मुकदमे दर्ज करके श्रवण कुमार को परेशान किया। पुलिस और ससुराल वालों की मानसिक प्रताड़ना बर्दाश्त न कर पाने के कारण उसने यह कदम उठाया। चोप्पाडांडी निवासी श्रवण कुमार की शादी जून 2021 में करीमनगर कस्बे के सवारन गली निवासी बत्तुला नीलिमा से हुई थी। दंपति की एक बेटी है। पति-पत्नी के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था। जैसे ही नीलिमा ने पुलिस से संपर्क किया, श्रवण कुमार को परामर्श के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया गया और धमकी दी गई।

अपने सेल्फी वीडियो में श्रवण कुमार ने आरोप लगाया कि हालांकि उन्होंने अदालती नोटिस में स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें तलाक लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन पुलिस ने अदालती नोटिस की अनदेखी करके उनके खिलाफ फर्जी मामला दर्ज कर लिया। वह चाहता था कि पुलिस उसकी पत्नी, सास, नवीन, प्रवीण और प्रसन्ना के खिलाफ मामला दर्ज करे। उसने पुलिस आयुक्त से उसकी मौत के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी अपील की। वनजा ने पुलिस से अपने भाई की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की।

केटीआर ने की केसीआर के दृष्टिकोण की सराहना

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने रविवार को दो प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, सीताराम लिफ्ट सिंचाई और यदाद्री अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर प्लांट के सफल संचालन का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की दीर्घकालिक दृष्टि को दिया। एक्स से बात करते हुए, रामा राव ने कहा कि विज़न सिर्फ़ नींव रखना नहीं है, विकास उद्घाटन या दिखावे तक सीमित नहीं है, जबकि प्रगति राजनीतिक दिखावा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि एक सच्चा नेता सिर्फ़ एक पीढ़ी या एक चुनाव के बारे में नहीं सोचता। उन्होंने कहा, एक सुविचारित और सावधानीपूर्वक लागू की गई योजना उनके एजेंडे का मूल होगी। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना ने चंद्रशेखर राव के विज़न के दो अद्भुत परिणाम हासिल किए हैं।

सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शुभारंभ का जश्न मनाते हुए, रामाराव ने इसे खम्मम जिले के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, अब मोटरें चालू हो जाने से, यह परियोजना खम्मम के हर एकड़ खेत की सिंचाई करेगी। यह परियोजना चंद्रशेखर राव के प्रयासों का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने दामरचेरला स्थित यदाद्री ताप विद्युत संयंत्र की भी प्रशंसा की, जहां इकाई एक ने 72 घंटे का वाणिज्यिक संचालन घोषणापत्र (सीओडी) पूरा कर लिया है। इसे चंद्रशेखर राव की दूरदर्शिता से संभव हुआ एक और चमत्कार बताते हुए, उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर गर्व व्यक्त किया। केटीआर ने सीताराम सिंचाई और यदाद्री थर्मल परियोजनाओं के पीछे केसीआर के दृष्टिकोण की सराहना की। बीआरएस नेता केटी रामाराव ने सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना और यदाद्री पावर प्लांट के चालू होने का श्रेय के. चंद्रशेखर राव की दूरदर्शिता को दिया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि ये अल्पकालिक राजनीति से परे दीर्घकालिक योजना और नेतृत्व का परिणाम हैं।

तीसरी पीढ़ी के ड्रमर ने फलकनुमा में बोनालू परंपरा को जीवित रखा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लुप्त होती पारंपरिक प्रथाओं के बीच, पुराने शहर में बोनालु त्योहार की तारीखों की घोषणा करने के लिए 'दप्पू' बजाने की परंपरा अभी भी कायम है। राजेश, जो तीसरी पीढ़ी के ढोल वादक हैं और जिनकी उम्र 20 के आसपास है, फलकनुमा के विभिन्न इलाकों में घूमते हैं, दप्पू बजाते हैं और चिल्लाते हैं, 'वचे आदिवरम जंगममेत बोनालु' (अगले रविवार, जंगममेत में बोनालु)। हर दिन, वह कम से कम चार कॉलोनियों में रुककर परिवारों को त्योहार की याद दिलाते हैं।

राजेश ने बताया, आज सिकंदराबाद में उज्जैनी बोनालू मनाया जा रहा है। अगले हफ़्ते पुराने शहर में लाल दरवाज़ा है। मैं लोगों को इसकी जानकारी देता हूं ताकि वे तैयारी कर सकें। उनके दादा, पुल्ली नरसैया ने स्थानीय मंदिर समिति के मार्गदर्शन में यह प्रथा शुरू की थी। उनकी मृत्यु के बाद, राजेश के पिता, बलराम ने इस परंपरा को जारी रखा, जिसे अब राजेश आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें आयोजकों से प्रति कॉलोनी 200 रुपये और जनता से कुछ अतिरिक्त धन मिलता है।

कई बच्चों के लिए, टेलीविजन और सोशल मीडिया के प्रभुत्व वाले इस युग में, एक आदमी द्वारा दप्पू को पीटकर बोनालू की घोषणा करना अपरिचित बात है। स्थानीय समुदाय के नेता पर्वतल राजेंद्र ने बताया कि जब यह प्रथा व्यापक थी, तब मंदिर समिति ने राजेश के दादा को चुना था। उन्होंने कहा, हर हिंदू बहुल इलाके में कोई न कोई ऐसा होता था जो दप्पू को पीटता था और निवासियों को बोनालू के बारे में बताता था। अब यह लगभग विलुप्त हो चुकी है। हालांकि, यह परंपरा ग्रामीण तेलंगाना के कुछ हिस्सों में जारी है जहां डप्पू-ढोल बजाने वाला समुदाय सक्रिय है।

राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण मंचेरियल के अधिकारी काम करने को तैयार नहीं

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल नगर निगम के आयुक्त पद पर तैनात अधिकारीनगर निगम के साथ काम करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा अभूतपूर्व दबाव डाला जा रहा है। मंचेरियल नगर पालिका को हाल ही में एक निगम के रूप में उन्नत किया गया है। बेहतर सड़क, रेल संपर्क और रहने की स्थिति के कारण, यह ज़िले और तेलंगाना के कई हिस्सों के अधिकारियों के लिए सबसे पसंदीदा कार्यस्थलों में से एक है। एक समय अधिकारी इस नगर पालिका में पद पाने के लिए होड़ में रहते थे, और निर्वाचित प्रतिनिधियों की सिफ़ारिशों का इस्तेमाल करके नगर निकाय में स्थानांतरित हो जाते थे।

हालांकि, अधिकारी हाल ही में निगम में काम करने से कतराने लगे हैं। बताया जा रहा है कि जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस नेताओं के दबाव के चलते वे नगर निगम के साथ काम करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। अगर वे जनप्रतिनिधियों और नेताओं के आदेश नहीं मानते हैं, तो उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया जाता है।

संयोग से, निगम के तीन आयुक्तों का तबादला कर दिया गया क्योंकि वे प्रतिनिधियों के दबाव में नहीं आ रहे थे। जनवरी में आयुक्त पद पर तैनात टी शिवाजी ने हाल ही में निजी समस्याओं का हवाला देते हुए दो सप्ताह की छुट्टी ले ली। उनके पूर्ववर्ती मारुति प्रसाद का लगभग एक साल तक काम करने के बाद तबादला कर दिया गया। लक्सेटीपेट नगरपालिका के आयुक्त संपत को प्रभारी आयुक्त नियुक्त किया गया है।

एक अधिकारी ने अफ़सोस जताते हुए कहा, प्रतिनिधि और नेता रियल एस्टेट सेक्टर पर नज़र गड़ाए हुए हैं ताकि जल्दी से जल्दी पैसा कमा सकें। वे निगम अधिकारियों के काम में दखलंदाज़ी कर रहे हैं। वे अधिकारियों से घर की अनुमति और अन्य सेवाएं जारी करने का दबाव बना रहे हैं। जो अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहते हैं, उन्हें निगम छोड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

इसी तरह, नेता भी अधिकारियों पर आरोप लगा रहे हैं कि अगर वे उनके आदेश नहीं मानते हैं। एक नेता ने नासपुर नगर पालिका की आम सभा में आयुक्त को चेतावनी दी कि उनके आदेश मानने वाले अधिकारियों को ही नगर पालिका में काम करने दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस चेतावनी के बाद आयुक्त को चोट लग गई।

इस बीच, पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी भी निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के दबाव और उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं।

चाडा वेंकट रेड्डी ने अधिवेशन के प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा तेलंगाना राज्य के चौथे अधिवेशन के प्रतीक चिन्ह का अनावरण आज यहां भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने किया। इस अधिवेशन की आमंत्रण समिति की बैठक हिमायत नगर स्थित राज बहादुर हॉल में हुई, जिसमें भाकपा राष्ट्रीय समिति के सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी, भाकपा राज्य सचिवालय के सदस्य ई.टी. नरसिम्हा, कलावेनी शंकर, श्रमिक महिला मंच की राष्ट्रीय नेता प्रेम पावनी, राज्य कांग्रेस आमंत्रण समिति के अध्यक्ष एम.डी. यूसुफ, महासचिव ई. उमा महेश, भाकपा राष्ट्र समिति के सदस्य जी. दामोदर रेड्डी, लक्ष्मी, एआईवाईएफ के राज्य सचिव कल्लूरु धर्मेंद्र, डीएचपीएस के राज्य सचिव मरुपका अनिल कुमार, येसूरतनाम के अध्यक्ष एटक के वरिष्ठ नेता रत्नाकर राव, एआईवाईएफ मेडचल जिला सचिव टी. सत्य प्रसाद और अन्य।

इस अवसर पर बोलते हुए, वेंकट रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाकपा के राज्य सम्मेलनों के अवसर पर घर-घर जाकर पार्टी के उद्देश्यों को समझाने, उनसे चंदा एकत्र करने और सम्मेलनों की सफलता के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का मेडचल जिले में कई बस्तियां बनाने और हज़ारों लोगों को घर और ज़मीन वितरित करने का इतिहास रहा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 771374M, Sub Maj, Prathap S, R/o, Kolar Dist, Karnataka, changed my Mother's name from S Susila to Sushilamma vide Affidavit dt 11.07.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

'माता सीता पार लगाएंगी बिहार चुनाव में हमारी नैया'

दिलीप जायसवाल पहले बोले फिर विकास पर आए

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में दो तिहाई बहुमत से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने माता सीता और भगवान श्रीराम का भी जिक्र किया। कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सीतामढ़ी के पुरौराधाम में माता सीता का भव्य मंदिर बनाने जा रही है। इसलिए भगवान राम और माता सीता एनडीए और भाजपा का नैय्या पार लगाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने दावा कि कि आगामी चुनाव में दो तिहाई बहुमत से एनडीए सरकार बन रही है जनता विकास को देखती है। जनता जात-पात और छोटे-छोटे बातों को न देखकर विकास को देखती है। हमलोगों ने वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा, दिव्यांग भाई, विधवा बहनों के लिए पेंशन की राशि 400 से 1100 कर दिया। यह सब बिहार की जनता देख रही है।

मिलावटखोरी पर प्रहार

जांच टीम और निरीक्षक की मिलीभगत रोकेगा कोड

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरी रोकने की नई रणनीति अपनाई गई है। अब सैंपल जांच में लगी एफएसडीए (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) लैब की टीम और सैंपल भेजने वाली टीम की मिलीभगत खत्म हो जाएगी। इसके लिए सभी सैंपलों पर क्यूआर कोड की व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था से विभाग में हलचल मची है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से खाद्य पदार्थों एवं दवाओं के सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे जाते हैं। एफएसडीए को शिकायत मिल रही थी कि कई बार कंपनियों की ओर से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों अथवा जांच में लगी अन्य टीम पर दबाव बनाया जाता है।

कई बार सैंपल जांच में लगी और सैंपल भेजने वाली टीम के बीच मिलीभगत की शिकायतें भी मिलीं। इसे देखते हुए अब लैब में क्यूआर कोड तैयार करने वाली मशीन लगाई गई है। सैंपल को लैब में भेजने से पहले उस पर क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं। इससे जांच करने वाली टीम को पता नहीं चलता है कि उसे किस जिले का सैंपल दिया गया है। एफएसडीए की लखनऊ स्थित लैब में इसकी शुरूआत हो गई है।

पटना में बीजेपी नेता की हत्या

खेत में पटवन के दौरान मारी गोली

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में अपराधी एक के बाद एक लगातार आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। एक बार फिर से अपराधियों ने पटना जिला के पिपरा थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में देर रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक खेत में पटवन कर रहे 50 वर्षीय बीजेपी नेता सुरेंद्र केवट की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद सुरेंद्र वहीं गिर गए। आनन-फानन में लोग सुरेन्द्र को गंभीर हालत में पटना एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मसौढ़ी एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने बताया, शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुरेंद्र केवट खेत में पटवन कर रहे थे, तभी किसी ने गोली मार दी। आस-पास के लोगों ने गोली चलने की आवाज तो सुनी, लेकिन किसी को भागते नहीं देखा। मृतक खेती के साथ ग्रामीण चिकित्सक के रूप में भी काम करते थे। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

नाबालिग छात्रा से दरिंदगी

युवक ने किया शारीरिक शोषण बहन ने किया ऐसा काम

फिरोजाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में आरोपी ने नाबालिग छात्रा को बेहोश कर अश्लील वीडियो बनाया। वीडियो वायरल की धमकी देकर शारीरिक शोषण करता था। उसकी इस करतूत में पीड़िता की बहन ने भी सहयोग किया। पुलिस ने आरोपी बहन और युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना दक्षिण क्षेत्र की रहने वाली छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि मौसी की सहेली का भाई संजय पचौरी वर्ष 2021 में लॉकडाउन के समय घर पर रुका था। आरोपी संजय ने तीन वर्ष तक घर में रहने के बाद पास में ही किराए पर कमरा ले लिया। इसके बाद पीड़िता और उसकी बहन को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। 15 सितंबर 2024 स्कूल से नाम कटवाने और वीडियो लीक करने के नाम पर ब्लैकमेल किया।

सरकार दलित विरोधी

आम आदमी सुरक्षित नहीं, सांसद रामजीलाल सुमन ने पुलिस पर उठाए सवाल

मथुरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन शनिवार को मथुरा आए। यहां गांव डहरूआ व भरतिया गांव के पीड़ित स्वजन से मिले। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार को दलित विरोधी बताया। कहा, इस सरकार में आम आदमी तक सुरक्षित नहीं है। राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन जैंत थाना क्षेत्र के गांव भरतिया पहुंचे। यहां क्षतिग्रस्त की गई आंबेडकर प्रतिमा को देखा। अनुसूचित समाज के लोगों की पीड़ा को सुना। पुलिस से प्रतिमा लगाने का समय पूछा। उन्होंने ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद वह जमुनापार थाना क्षेत्र के गांव डहरूआ पहुंचे। यहां बीते दिनों अनुसूचित जाति के दूल्हों की निकासी के दौरान तेज आवाज में साउंड बजाने पर ठाकुर समाज के लोगों ने मारपीट कर दी थी। सपा नेता पीड़ित स्वजन से मिले।

स्वजन ने उन्हें बताया, पुलिस ने मामला दर्ज किया, कुछ आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल में पेश किया, लेकिन वे शाम को जमानत पर घर आ गए। आरोप लगाया कि पुलिस ने धाराओं में मुकदमा कमजोर किया। राज्यसभा सदस्य ने कहा आंबेडकर प्रतिमा टूट रही हैं, लेकिन पुलिस प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही। डहरूआ मामले में पुलिस ने कार्रवाई की, लेकिन प्रभावी नहीं की। अज्ञात आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने एवं चार्जशीट लगाने की मांग की। उनके साथ जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव आदि सपाई मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री स्वाति सिंह का छलका दर्द

बलिया से चुनाव लड़ने और दयाशंकर सिंह से जुड़े सवाल का दिया जवाब

बलिया, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सवा साल बाद अपने गृह जनपद बलिया पहुंची पूर्व मंत्री स्वाति सिंह का दर्द छलक गया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि लखनऊ में मल्टी कौसिन रेस्टॉरेंट का उद्घाटन किया था। मगर उसको जबरजस्ती बियर बार बताया गया। अगर वह बियर बार था तो वह चल क्यों रहा है? यूपी में किसी भी बार को लाइसेंस नहीं मिलता है। मुख्यमंत्री योगी को जो उचित लगा उन्होंने किया। अगर मैंने कोई गलत काम किया होता तो मैं मंत्रिमंडल में पांच साल काम नहीं कर पाती। मैंने बहुत अच्छे से काम किया। स्वाति सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कभी सवाल नहीं किया। मेरे संगठन ने कभी मुझसे सवाल नहीं किया कि आपने क्या गलत किया, क्या सही किया। जो जांच करानी थी मुख्यमंत्री जी ने जरूर कराया होगा। उन्होंने मुझे सही पाया होगा तभी मैंने 5 साल मंत्री बनकर काम किया।

स्वाति सिंह से मीडिया ने सवाल किया कि उनके पूर्व पति और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह इस समय भाजपा में कद्दावर मंत्री हैं और मजबूत स्थिति में है। क्या वो भाजपा में मजबूत हुए इसलिये आप कमजोर हुई? इस सवाल का जवाब उन्होंने हंसकर टाल दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारा चेहरा कमल का फूल है। हमारा चेहरा मोदी जी हैं, जेपी नड्डा जी हैं, अमित शाह जी हैं, योगी जी हैं, हमारा चेहरा प्रदेश अध्यक्ष हैं। मुझे नहीं लगता है कि 2017 में स्वाति सिंह चुनाव लड़ी तो अपने चेहरे पर जीती हैं। मैं यह चुनाव मोदी जी के चेहरे पर जीती थी। कमल के चेहरे पर जीती थी और लोगों के सहयोग से जीती थी।

एक तेंदुए की और मौत, अधिकारी चिंतित

बहराइच, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में आपसी संघर्ष में एक मादा तेंदुए की मौत हो गई है। इस वर्ष जनवरी से अब तक यह चौथे तेंदुए की मौत है। ताजे मरे तेंदुए का परीक्षण किया जा रहा है। अधिकारी मामले में आगे के कार्रवाई में जुटे हैं। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज के ग्राम पंचायत मटेही के नवीन पुरवा गांव से सटे जंगल के किनारे एक मादा तेंदुए का शव वन विभाग ने बरामद किया है। नवीन पुरवा गांव के लोगों ने गांव निवासी अचल राणा के खेत के समीप जंगल में तेंदुए को मृत अवस्था में देखा जिसकी सूचना वन विभाग को दी।

जिसके बाद मौके पर पहुची वन विभाग की टीम ने तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यलय निशानगाड़ा ले गए। डीएफओ, एसडीओ से लेकर स्टेनो तक वन विभाग के किसी भी अधिकारी कर्मचारी से इस मौत पर बात नहीं हो पा रही है। डब्लूडब्लूएफ के परियोजना निदेशक दबीर हसन ने इतना जरूर बताया कि प्रथम दृष्टया यह मौत आपसी संघर्ष की लग रही है और जो तेन्दुआ मरा है उसकी उम्र 2 वर्ष होगी। वर्ष 2025 की शुरूआत में 10 जनवरी को कतर्नियाघाट के सुजौली वन रेंज के कठौतिया गांव के पास खेत में तेंदुए के शावक का मरा हुआ शरीर मिला था। उसके बाद 3 फरवरी 2025 को ककरहा वन रेंज के भीऊरावीर घाट गांव में तेंदुए की मौत हो गई थी और 25 मई 2025 को धर्मापुर रेंज के हरखापुर गांव के समीप नहर के किनारे शिकार की तलाश में तेंदुआ जा रहा था, तभी नहर पर किसी बाइक सवार की ठोकर से वह घायल हो गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिसिया धमकी पर हाईकोर्ट की सख्ती के बाद एसओ व दो कांस्टेबल पर केस

प्रयागराज, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाकर्ता और उसके अधिवक्ता को डराने धमकाने की पुलिसिया कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट के आदेश पर एसपी जौनपुर ने भी मामले की जांच में थाना प्रभारी मुंगरा बादशाहपुर और सिपाहियों को प्रथमदृष्टया दोषी पाया था। इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर निलंबन की कार्रवाई की। कोर्ट में सुनवाई के दौरान एसपी की ओर से कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। दूसरी ओर मामले में अब वकील ने स्वयं को खतरा बताते हुए हलफनामा दाखिल कर सुरक्षा मांगी है। बुजुर्ग (90 वर्षीय) याची गौरी शंकर सरोज की याचिका पर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने सुनवाई की। याचिका में बड़ागांव में हो रहे पुलिस और लेखपाल के अत्याचार को उजागर किया गया था। इसके जवाब में पुलिस ने न केवल उन्हें धमकाया, बल्कि उनके पोते को अवैध रूप से हिरासत में लेकर दो हजार रुपये की रिश्वत लेकर छोड़ा। अदालत के आदेश पर एसपी जौनपुर ने जांच की और माना कि पुलिसकर्मियों का आचरण अवैध था। उन्होंने बताया कि मामले में आरोपी कांस्टेबल पंकज मौर्य, नितेश गौड़ और थाना प्रभारी मुंगरा बादशाहपुर को निलंबित कर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और एससी/एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, याची के अधिवक्ता विष्णुकांत तिवारी ने कोर्ट को बताया कि नौ जुलाई की रात पुलिस उनके घर पहुंची, उनके पिता से पूछताछ की गई और रात में गिरफ्तारी जैसा माहौल बनाया गया। टूकालर पर एसएचओ मुंगरा के नाम से कॉल करने वाले अधिकारी ने उन्हें थाने बुलाने की कोशिश की। वकील ने इस संबंध में कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई। वकील की शिकायत पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अब न वकील से संपर्क करेगी, न उन्हें गिरफ्तार करेगी, न उनके घर आएगी। अगर उनसे बातचीत करनी है तो इस न्यायालय से पूर्व अनुमति जरूरी होगी।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ पुलिस का मामला नहीं है, बल्कि राज्य सरकार की जवाबदेही भी है। इसलिए अपर मुख्य सचिव (गृह) को याचिका में प्रतिवादी बनाया जाएगा। उन्हें और एसपी जौनपुर को 15 जुलाई तक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

कन्नौज में सिपाही की ट्रेनिंग ले रही थी रानू जादौन एटा के देवेश यादव ने ऐसा क्या किया उसके साथ कि सबकुछ हुआ तबाह?

एटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एटा के जलेसर की रहने वाली 24 साल की रानू जादौन का सपना पुलिस में भर्ती होने का था। उसका नाम यूपी पुलिस सिपाही भर्ती में आ भी गया था और वह कन्नौज में सिपाही की ट्रेनिंग ले रही थी। कुछ ही दिनों पहले परिजनों ने गर्व के साथ बेटी को ट्रेनिंग के लिए कन्नौज भेजा था। मगर वहां युवती ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने उसके पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

बता दें कि शुक्रवार के दिन रानू का शव उसके कमरे में मिला। बाथरूम में युवती का शव लटका हुआ मिला। सहकर्मियों और पुलिस अफसरों द्वारा उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। मगर वहां डॉक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि युवती ने खुद ही अपनी जान दी है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

महिला ने ब्लेड से लगाए कट, इंस्टा पर किया पोस्ट

मीटा अलर्ट और गाजीपुर पुलिस की फुर्ती से 8 मिनट में बची जान

गाजीपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के थाना रामपुर मांझा क्षेत्र में एक 30 वर्षीय गृहणी ने आत्महत्या का प्रयास किया। युवती ने अपने गले पर ब्लेड से कट लगाए और अधिक मात्रा में दवा का सेवन किया। इसके बाद उसने रक्तस्राव की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। मेटा कंपनी ने इस पोस्ट को देखते हुए तुरंत उत्तर प्रदेश पुलिस के इंटरनेट मीडिया सेंटर को ई-मेल के माध्यम से अलर्ट भेजा।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के निर्देश पर रामपुर मांझा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। युवती के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी लोकेशन का पता लगाया गया। मात्र आठ मिनट में उपनिरीक्षक और महिला आरक्षी युवती के घर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि युवती बिस्तर पर बेचैनी की हालत में थी और उसके गले से खून निकल रहा था। पुलिस ने उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर हुई और उसे घर लाया गया।

'योगी राज में धर्मांतरण गैंग की खैर नहीं'

यूपी बीजेपी चीफ ने कांवड़ यात्रा पर सपा को घेरा

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने चर्चित छांगुर बाबा प्रकरण पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार समाज विरोधी कृत्यों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। इसमें किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। भूपेन्द्र चौधरी ने यह बयान शनिवार को मुरादाबाद में दिया। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व चोरी-छिपे धर्मांतरण जैसे घृणित कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं, जो समाज की एकता और सौहार्द को नष्ट करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने ऐसी गतिविधियों के खिलाफ पहले से ही कठोर नीतियां अपनाई हैं।

छांगुर बाबा प्रकरण में प्राथमिक जांच शुरू हो चुकी है, और जांच के परिणामों के आधार पर सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि योगी सरकार सामाजिक समरसता को बनाए रखने और इस तरह की आपराधिक गतिविधियों को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा शासन में कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई जाती थी और श्रद्धालुओं को परेशान किया जाता था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार में कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा रहा है। योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के लिए सुरक्षा और शांति की पुख्ता व्यवस्था की है, जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो रही।

इसके साथ ही सावन मास में मांस की दुकानों को बंद करने और शराब की बिक्री जारी रखने के सवाल पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि सावन का महीना आस्था का महीना है। अधिकांश लोग इस दौरान मांस का सेवन नहीं करते। कांवड़ यात्रा एक आध्यात्मिक पर्व है, और योगी सरकार इसकी गरिमा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का ध्यान कांवड़ यात्रा को सुचारु और सुरक्षित बनाने पर है।

एक करोड़ युवाओं को जॉब देने का लक्ष्य

सीएम नीतीश कुमार बोले- कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की होगी स्थापना

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने की दिशा में ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार की शुरू से ही यह सोच रही है कि अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री के मुताबिक, साल 2005 से 2020 के बीच राज्य के 8 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। वहीं, 2020 में सात निश्चय-2 के तहत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख सरकारी नौकरी और 38 लाख रोजगार कर दिया गया। कुल 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। 50 लाख का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अगले पांच सालों (2025-2030) के लिए यह लक्ष्य दोगुना कर एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का तय किया गया है। इसके लिए निजी और औद्योगिक क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सात निश्चय के तहत कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पति का जेठानी से अफेयर पत्नी ने किया विरोध तो दहेज में मांगे पांच लाख रुपये और क्रेटा कार, मुकदमा

शामली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अपने पति को भाभी के साथ विवाहिता ने जब आपत्तिजनक स्थिति में देखा तो उसने विरोध किया। इससे भाभी गुस्सा हो गई और चुन्नी से गला दबाकर हत्या का प्रयास किया, लेकिन शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों को देख जान बच गई। इसके बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज में क्रेटा गाड़ी और पांच लाख रुपये की मांग कर दी। दोनों पक्षों के बीच काफी समझौते का प्रयास हुआ, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग पर अड़े रहे। अब महिला ने पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपितों ने जनवरी 2025 में उसको घर से बाहर निकाल दिया और दहेज में पांच लाख रुपये, एक क्रेटा गाड़ी की मांग की। हालांकि पारिवारिक समझौते के बाद वह फिर से ससुराल चली गई। 25 मई को उसके पति, जेठ, जेठानी, सास और ससुर ने उसकी पिटाई की और दहेज में गाड़ी और पांच लाख रुपये लाने को कहा।

प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर केजीएमयू के डॉ

एके सचान बर्खास्त:रिटायरमेंट से 3 दिन पहले कार्रवाई, बोले- यह मेरे खिलाफ साजिश

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में प्राइवेट प्रैक्टिस करने पर केजीएमयू के डॉ. आमोद कुमार सचान को बर्खास्त कर दिया गया। 15 जुलाई को उनका रिटायरमेंट था। रिटायरमेंट के महज 3 दिन पहले यह कार्रवाई की गई है। एके सचान के लखनऊ के पहले ऐसे डॉक्टर हैं, जिन्हें निजी प्रैक्टिस के आरोप में बर्खास्त किया गया है।

उनके खिलाफ करीब डेढ़ साल से प्राइवेट प्रैक्टिस, निजी संस्था से लाभ कमाने और कई संस्थाओं के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर का हिस्सा होने को लेकर जांच ही चल रही थी। डॉ। सचान की पत्नी ने भी उनके खिलाफ नकली दवाओं का धंधा करने का मामला दर्ज करवाया था। केजीएमयू कार्यपरिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद बर्खास्तगी की मुहर लगाई गई। डॉ। सचान ने कहा है- यह दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई है।

कुलपति डॉ। सोनिया नित्यानंद की अध्यक्षता में हुई कार्यपरिषद बैठक में बर्खास्तगी पर सहमति बनी। बैठक में रजिस्ट्रार अर्चना गहरवार के स्थान पर डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ। संदीप भट्टाचार्या बैठक में शामिल हुए। बैठक में डॉ। एके सचान का मामला रखा गया। प्राइवेट प्रैक्टिस समेत दूसरे आरोपों को रखा गया। डॉ। सचान के जवाब से कार्यपरिषद संतुष्ट नहीं हुई।

इससे पहले, चार जुलाई को इमरजेंसी कार्यपरिषद की बैठक हुई थी। इसमें उन्हें 180 पेज की नोटिस देने पर फैसला हुआ था। 6 दिन में नोटिस का जवाब देना था। उन्होंने जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। इस बीच 10 जुलाई को फिर इमरजेंसी कार्यपरिषद की बैठक हुई। कार्यपरिषद ने अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया था। केजीएमयू के इतिहास में पहली बार किसी डॉक्टर पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोपों में कार्रवाई हुई है।

'मुसलमान सड़क पर पैर रखें तो पुलिस पहुंच जाती है'

चंद्रशेखर बोले- सरकार को कांवड़ से नहीं, मुसलमानों से दिक्कत

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने कहा- इस देश में अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव हो रहा है। धार्मिक आधार पर अधिकार छीने जा रहे हैं। एक महीना कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। सड़कों पर कांवड़ यात्रा लेकर चलने वाले लोग रहते हैं, तो किसी को कोई समस्या नहीं होती। मगर ईद की नमाज में अगर मुसलमान एक पैर सड़क पर रख दें तो पीछे से पुलिस पहुंच जाती है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर ने कहा- क्यों बार-बार ठगे जा रहे हैं।

मेरे साथ आओ। आज वक्फ के नाम पर मुस्लिम समाज का नंबर आया है। अब जैन, क्रिश्चियन और अन्य समाज की धार्मिक स्वतंत्रता छीनी जा रही है। चौक स्थित कन्वेंशन सेंटर में मुस्लिम संवाद कार्यक्रम में चंद्रशेखर ने ये बातें कही। चंद्रशेखर ने कहा कि ये सिर्फ संवाद नहीं, ये आंदोलन की शुरुआत का दिन है। यहां से नया इतिहास लिखा जाएगा। कहा जाता है कि मुस्कुराइए आप लखनऊ में है। मगर यहां मुस्कराने के हालात नहीं हैं।

स्थिति ऐसी है कि रो भी नहीं सकते हैं। भारत का संविधान सभी को बराबरी का दर्जा देता है। अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी को छीना जा रहा है।

आजाद समाज पार्टी के चुनाव मेनिफेस्टो में वक्फ का मुद्दा होगा। मुसलमानों ने आज जितनी समस्याएं रखी हैं। इन सभी मुद्दों को मेनिफेस्टो में शामिल किया जाएगा। उत्तरप्रदेश के स्कूल और यूनिवर्सिटी में एजुकेशन कैसे मिलेगी, इस पर चर्चा होगी। जिसकी जितनी संख्या भारी उसको उतनी हिस्सेदारी मिलेगी। टिकट बंटवारे में हमने संख्या के हिसाब से टिकट दिए। पंचायत चुनाव में भी इसी आधार पर टिकट बांटेंगे। मुस्लिम के बाद दलित और पिछड़ों का भी सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन के बाद घर-घर जाएंगे और लोगों को जागरूक करेंगे।

मूसलाधार बारिश से तबाही बुंदेलखंड और पूर्वांचल में 13 लोगों की मौत

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बुंदेलखंड समेत प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में शनिवार को अच्छी बारिश हुई। इससे तापमान में भी एक से दो डिग्री की गिरावट महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अभी एक हफ्ते तक बारिश का दौर जारी रहेगा। इस दौरान कहीं कम तो कहीं मध्यम व तेज बारिश होती रहेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि शनिवार को सबसे ज्यादा बारिश बुंदेलखंड क्षेत्र में दर्ज की गई। चित्रकूट में शनिवार शाम तक सबसे अधिक 216 मिमी। बारिश दर्ज की गई। वहीं कानपुर में 126 मिमी। और बांदा में 115 मिमी। बारिश दर्ज की गई। कानपुर समेत आसपास और पूर्वांचल के जिलों में शुक्रवार रात से झमाझम बारिश हुई। कई जगहों पर बारिश का पानी घरों में घुस गया। बिजली-बारिश से चित्रकूट में तीन, बांदा में दो, कानपुर देहात, उन्नाव और हमीरपुर में एक-एक की मौत हो गई।

अमेरिका बना भारत विरोधी गैंगस्टर्स का अड्डा

एफबीआई ने भारतीय मूल के 8 अपराधियों को पकड़ा

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा के बाद अब अमेरिका भारत विरोधी गैंगस्टर्स का नया अड्डा बन चुका है। यहां भारी संख्या में खालिस्तानी अपना नया ठिकाना बना रहे हैं और वह भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने ऐसे ही 8 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी गैंगस्टर्स भारत की राष्ट्रीय खुफिया जांच एजेंसी (एनआईए) की हिट लिस्ट में थे।

एफबीआई ने इन गैंगस्टर्स को तब पकड़ा है, जब एनआईए ने अमेरिकी जांच एजेंसी को वांटेड अपराधियों की लिस्ट देकर उनकी गिरफ्तारी का अनुरोध किया था। एनआईए के अनुरोध पर एफबीआई ने भारतीय मूल के 8 अपराधियों को पकड़ा है। जो अमेरिका में बैठकर भारत में बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे थे। यह गैंग अमेरिका में रह कर किडनैपिंग और वसूली का काम भी कर रहा था।

एफबीआई ने जिन भारतीय मूल के जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वह सभी खालिस्तानी हैं और एनआईए की हिट लिस्ट में थे।

पकड़े गए अपराधियों में पवित्र सिंह बटाला एनआईए का मोस्ट वांटेड है। अब भारतीय एजेंसियां पवित्र सिंह बटाला के प्रत्यर्पण के लिए एफबीआई से संपर्क कर सकती है। पवित्र सिंह बटाला बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तानी आतंकी लांडा का भी करीबी है। बता दें कि खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह लांडा भी एनआईए का मोस्ट वांटेड है। पवित्र सिंह बटाला पंजाब के बटाला का रहने वाला है। अपराधियों के पास से 5 ऑटोमैटिक गन, 1 असॉल्ट राइफल और मैगज़ीन बरामद किया गया है। इसके अलावा कई तरह के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं, जिसे एफबीआई ने अपने कब्जे में लिया है।

ट्रंप प्रशासन के साथ मामला सेटल

यहूदी छात्रों को 200 मिलियन डॉलर का मुआवजा देगी कोलंबिया यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की प्रतिष्ठित कोलंबिया यूनिवर्सिटी ट्रंप प्रशासन के साथ एक बड़ा समझौता करने जा रही है। यूनिवर्सिटी पर यह आरोप है कि उसने यहूदी छात्रों को कैंपस में हो रहे उत्पीड़न से पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी। अब इस विवाद को सुलझाने के लिए वह 200 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने की तैयारी की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अधिकारी अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिल सकते हैं ताकि इस समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। ट्रंप प्रशासन ने पहले 400 मिलियन डॉलर की फेडरल रिसर्च फंडिंग रोक दी थी। अब यह समझौता उसी फंडिंग को आंशिक रूप से बहाल कराने के लिए किया जा रहा है। इस मझौते के तहत नागरिक अधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को निपटाने के लिए यूनिवर्सिटी मुआवजा देगी। यूनिवर्सिटी को अपनी एडमिशन प्रक्रिया और विदेशी फंडिंग को लेकर ज्यादा पारदर्शिता लानी होगी। हालांकि, यह डील 'कंसेंट डिक्री' का हिस्सा नहीं होगी, यानी सरकार को यूनिवर्सिटी के संचालन पर दीर्घकालिक नियंत्रण नहीं मिलेगा।

इस समझौते पर बातचीत व्हाइट हाउस से सीधे निगरानी में हो रही है, जिसकी अगुवाई ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन मिलर कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने पिछले रविवार को इस डील के शर्तों पर चर्चा की।

यूनिवर्सिटी की प्रवक्ता वर्जीनिया लैम एब्राम्स ने कहा, "यूनिवर्सिटी, संघीय सरकार के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।"

इसी साल मार्च में ट्रंप प्रशासन द्वारा 400 मिलियन डॉलर की फेडरल रिसर्च फंडिंग रोक देने के बाद से कोलंबिया यूनिवर्सिटी लगातार ट्रंप प्रशासन की चिंताओं को दूर करने की कोशिश कर रही है। इसके तहत यूनिवर्सिटी ने कई सख्त कदम उठाए। जैसे- कैंपस पुलिस को प्रदर्शनकारी छात्रों को गिरफ्तार करने के अधिकार दिए। विरोध प्रदर्शन में मास्क पहनने पर रोक लगाई और मीडिल ईस्ट अध्ययन विभाग पर भी नियंत्रण बढ़ाया गया।

अमेरिकी न्याय विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

ट्रंप के खिलाफ मुकदमे में शामिल अभियोजकों और कर्मियों को किया सस्पेंड

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत दी है। यूएस जस्टिस डिपार्टमेंट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रंप के खिलाफ चल रहे मुकदमे में शामिल अभियोजकों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि न्याय विभाग ने इस मामले से जुड़े लगभग सभी अभियोजकों और कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की है। हालांकि अभी जिन लोगों को निलंबित किया गया है, उनकी संख्या की जानकारी नहीं दी गई है।

ट्रंप के खिलाफ क्या था मामला?

बता दें कि दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से पहले डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामलों और चुनाव में हस्तक्षेप को लेकर एक मुकदमा चलाया जा रहा था। इसमें ट्रंप को दोषी ठहराया गया था। यह कार्रवाई ट्रंप के खिलाफ विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा शुरू की गई थी। इन दोनों ही मामलों से जुड़े अभियोजकों और कर्मचारियों पर न्याय विभाग ने यह कार्रवाई की है। कार्रवाई का यह ब्यौरा सूत्रों के अनुसार सामने आया है। बर्खास्तगी की अभी सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है।

हमास के साथ संघर्ष विराम विफल होने से गाजा पर गुस्साया इजरायल, भीषण हवाई हमले में ली 110 लोगों की जान

राफा (गाज़ा), 13 जुलाई (एजेंसियां)। हमास आतंकियों के साथ गाजा युद्ध विराम वार्ता विफल होने से इजरायल बौखला गया है। इजरायली सेना ने गाजा पर महाविनाशकारी हमला किया है। अलजजीरा ने गाजा के चिकित्सा सूत्रों के अनुसार बताया कि शनिवार को गाज़ा में इज़रायली हमलों में कम से कम 110 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें से दक्षिणी राफा में 34 लोगों की जान गई। यह सभी गाज़ा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के एक सहायता केंद्र के बाहर भोजन सहायता का इंतज़ार कर रहे थे। चश्मदीदों ने बताया कि इज़रायली सेना ने बिना किसी चेतावनी के लोगों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

अमेरिका, कतर और मिस्र की मध्यस्थता में इजरायल और हमास के बीच चल रही संघर्ष विराम की कोशिशें विफल हो गई हैं। ऐसे में इजरायली सेना पहले से अधिक आक्रामक होकर हमले कर रही है। इज़रायल की योजना है कि गाज़ा की पूरी जनसंख्या को कहीं और विस्थापित किया जाए। हमास और फिलिस्तीनी इसे जबरन विस्थापित करने की कोशिश बताकर इजरायल की व्यापक आलोचना कर रहे हैं। राफा के अल-शाकूश इलाके में बचे हुए लोग और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इज़रायली बलों ने गाजा सहायता केंद्र के सामने सीधे भीड़ पर गोलीबारी की। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने इन केंद्रों को "नरसंहार स्थल" और "मौत का जाल" करार दिया है। हमले में जीवित बचे समीर शात ने बताया, "वहां खून की नदियां बह रही थीं। जिन थैलों में खाना भरने की उम्मीद थी, अब उन्हें शवों को ढकने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अल्लाह की कसम, यह सिर्फ एक मौत का जाल है।"

एक अन्य जीवित बचे हुए व्यक्ति मोहम्मद बारबाक और उसके पिता ने कहा कि इज़रायली स्नाइपर्स ने सीधे लक्ष्य बना कर गोली मारी। "वे हमें धोखा देते हैं। कहते हैं आओ मदद लो, बैग उठाओ और फिर हम पर ऐसे गोली चलाते हैं जैसे हम शिकार हों।"

श्रावणी मेले को लेकर प्रशासन सख्त

बासुकीनाथ मंदिर के पास की आठ शराब दुकानें बंद

दुमका, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सावन मास हो और कांवरिया शराब के सेवन से वंचित रह जाए, ऐसा कभी संभव नहीं हुआ है। कांवरिया झारखंड की सीमा में प्रवेश करने के बाद पहले भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं और इसके बाद मदिरा पान का सेवन जरूर करते हैं। बिहार में शराब बंदी है, इसलिए मदिरा के सेवन में बिहार के कांवरियों की संख्या सबसे अधिक रहती है। यही शराब दुर्घटना का कारण बन जाती है।

एक महीने तक बंद रहेंगी दुकानें

इस बार विभाग ने मदिरा पान पर रोक लगाने के लिए बासुकीनाथ मेला क्षेत्र के आसपास की आठ शराब दुकानों को एक माह के लिए बंद कर दिया है। दरअसल, बिहार में शराब बंदी होने की वजह से शराब के शौकीन जैसे ही झारखंड की सीमा में कदम रखते हैं तो पहले भोलेनाथ की पूजा करते हैं। देवघर और बासुकीनाथ में पूजा करने के बाद सीधे मदिरा पान की जुगाड़ में लग जाते हैं।

शराब का सेवन करने के बाद उनका अगला पड़ाव पश्चिम बंगाल का तारापीठ होता है। तारापीठ जाने और आने के क्रम में दिल खोलकर शराब पीते हैं। इसी शराब की वजह से हर सावन में करीब आधा दर्जन बिहार के कांवरियों की जान तक चली जाती है। वहीं, कई लोग हादसे का शिकार होकर अस्पताल पहुंच जाते हैं। हादसों पर विराम लगाने के लिए विभाग ने इस बार आठ दुकानों को एक माह के लिए बंद कर दिया है।

इन जगहों पर नहीं मिलेगी शराब

विभाग की मानें तो बासुकीनाथ की तीन, हंसडीहा की चार और नोनीहाट की एक शराब दुकान को बंद करा दिया गया है। अब इन दुकानों में एक माह तक शराब की बिक्री बंद रहेगी। इन दुकानों पर शराब के लिए लोगों के साथ कांवरियों की भारी भीड़ जुटती है। इसके अलावा कहीं और रोक नहीं है।

ब्राजील ने भारत को दिया झटका, अब नहीं खरीदेगा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम

ब्रासीलिया, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्वदेशी रक्षा क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका सामने आया है। दरअसल, ब्राजील ने भारत की 'आकाश' सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को खरीदने की बातचीत रोक दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील ने इस कदम के पीछे 'आकाश' मिसाइल के कुछ अहम ऑपरेशनल पैरामीटर्स में प्रदर्शन को कमजोर बताया है। अब ब्राजील का रुख यूरोप की रक्षा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एमबीडीए की ओर हो गया है, जो उन्नत मॉड्यूलर वायु रक्षा समाधान (ईएमएडीएस) प्रदान करती है। यह प्रणाली नाटो देशों में पहले से इस्तेमाल की जा रही है और विश्वसनीय मानी जाती है।

ब्राजीलियन रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील की सेना और एमबीडीए के बीच बातचीत करीब 1 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 4.7 अरब रिंगिट) की डील के इर्द-गिर्द घूम रही है। यह लैटिन अमेरिका में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी वायु रक्षा डील मानी जा रही है। ब्राजीलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्राजील ने 'आकाश' को हाई-स्पीड और लो-एल्टीट्यूड टारगेट्स के लिए कम उपयुक्त माना। आज के युद्ध में जब हाइब्रिड वॉरफेयर, ड्रोन हमले और स्मार्ट बम तेजी से इस्तेमाल हो रहे हैं,

ऐसे में ब्राजील को लगता है कि आकाश इन खतरों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह फैसला भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक गंभीर चुनौती है। भारत ने 'आकाश' को अपने सबसे सफल घरेलू सिस्टम्स में से एक बताया है और इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रमोट कर रहा है, लेकिन ब्राजील की नाराजगी यह दिखाती है कि विदेशी सेनाएं नाटो-मानकों वाली तकनीक को ज्यादा भरोसेमंद मानती हैं, जबकि भारत की सिस्टम्स को अभी उस स्तर तक पहुंचने के लिए और काम करना होगा।

इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकियों ने फिर ढाया कहर महिलाओं समेत 66 लोगों को मौत के घाट उतारा

किनशासा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकियों ने 66 लोगों की जान ले ली। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस्लामिक स्टेट से जुड़े अलायड डेमोक्रेटिक फोर्सेस ने इस भयावह हमले को अंजाम दिया। यह हमला इरुमु इलाके में हुआ, जो युगांडा की सीमा से सटा है। हमलावरों ने बड़े चाकू से लोगों को मौत के घाट उतारा। स्थानीय सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष मार्सेल पालुकु ने बताया कि हमलावरों ने औरतों को भी नहीं छोड़ा। इसके अलावा कितने लोगों को अगवा किया गया है, इसकी सटीक जानकारी अभी नहीं मिली है।

संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रवक्ता जीन टोबी ओकाला ने इस हमले को 'खून का सैलाब' लाने वाला करार दिया। उन्होंने बताया, 'गुरुवार और शुक्रवार को वाल्से वोनकुतु चीफडम में करीब 30 लोग मारे गए थे, लेकिन अब सिविल सोसाइटी से मिली जानकारी के आधार पर मरने वालों की संख्या 66 हो गई है।' माना जा रहा है कि यह हमला कांगो और युगांडा की सेनाओं द्वारा रविवार से शुरू की गई बमबारी का जवाब हो सकता है। एडीएफ एक युगांडाई इस्लामी गुट है, जो 2019 से इस्लामिक स्टेट से जुड़ा हुआ है और दोनों देशों के बॉर्डर पर सक्रिय है। इस गुट के आतंकी लगातार हिंसा में शामिल रहे हैं और तमाम लोगों की जान ले चुके हैं।

पूर्वी कांगो में पहले से ही वांडा का समर्थन प्राप्त एक अन्य बागी गुट एम23 के साथ युद्ध चल रहा है। हालांकि, इस युद्ध के खत्म होने की उम्मीद है, लेकिन एडीएफ के हमलों ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। हाल के वर्षों में एडीएफ ने युगांडा सीमा के पास और गोमा व इटूरी प्रांत की ओर अपने हमले तेज किए हैं। मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस गुट ने सैकड़ों लोगों की हत्या की है

और कई लोगों, खासकर बच्चों, को अगवा किया है। बीते दिसंबर में भी एडीएफ ने नॉर्थ किवु के एक गांव में 10 लोगों को मार डाला था और कई को अगवा किया था। कांगो की आबादी में करीब 10 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें से ज्यादातर पूर्वी हिस्से में रहते हैं।

फेम अब्दु रोजिक दुबई में गिरफ्तार, चोरी का लगा आरोप; भारत में ईडी ने भी की थी पूछताछ

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिग बॉस फेम और ताजिकिस्तानी सिंगर और सोशल मीडिया स्टार अब्दु रोजिक को दुबई इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अब्दु को तब गिरफ्तार किया गया जब वह मोंटेनेग्रो से दुबई पहुंचे थे। हालांकि, किस कारण से अब्दु को गिरफ्तार किया गया है इसके बारे में जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दुबई की अथॉरिटीज ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

लेकिन, अब्दु रोजिक की मैनेजमेंट कंपनी ने पुष्टि की है कि उन्हें चोरी के आरोप में हिरासत में लिया गया है। कंपनी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। अब्दु रोजिक एक मशहूर ताजिकिस्तानी सिंगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उनकी लोकप्रियता उनके गानों, वायरल वीडियो और रियलिटी शोज की वजह से बढ़ी। भारत में वे बिग बॉस 16 से काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए। 2024 में भारत में अब्दु रोजिक से ईडी ने भी पूछताछ की थी।

लाहौर से लिया कराची का टिकट लेकिन पहुंच गए सऊदी पाकिस्तान की इस एयरलाइन को मिला लीगल नोटिस

कराची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लाहौर के एक युवक शाहजैन ने कराची जाने के लिए फ्लाइट पकड़ी थी, लेकिन वह गलती से सऊदी अरब के जेद्दा पहुंच गया। शाहजैन ने एक प्राइवेट एयरलाइन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उसने कहा कि टिकट चेक करवाने के बावजूद एयर होस्टेस ने उसे गलत फ्लाइट में बैठने से नहीं रोका। शाहजैन ने बताया कि घरेलू टर्मिनल के गेट पर दो फ्लाइट खड़ी थीं। वह बिना किसी जानकारी के जेद्दा जाने वाली अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में चढ़ गया। लगभग दो घंटे बाद, जब विमान कराची नहीं पहुंचा, तब जाकर उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने बताया कि उस वक्त क्रू पैनिक में आ गया और उल्टा उसी को दोष देने लगे।

शाहजैन का कहना है कि उसके पास न पासपोर्ट था और न ही सऊदी अरब के लिए वीजा। इसके बावजूद वह जेद्दा पहुंच गया। एयरलाइन की इस लापरवाही की वजह से उसे विदेश में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहां एफआईए के अधिकारियों ने पूछताछ की और दो से तीन दिन तक उसे कराची लाने की प्रक्रिया में समय लगा।

कानूनी नोटिस भेजा, मुआवजे की मांग

इस पूरे मामले को लेकर शाहजैन ने अब एयरलाइन को कानूनी नोटिस भेजा है। उसने कहा है कि एयरलाइन की गलती की वजह से उसे भारी मानसिक और आर्थिक नुकसान हुआ है। वह मुआवज़े की मांग कर रहा है, जिसमें अतिरिक्त यात्रा खर्च और असुविधा शामिल है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने माना एयरलाइन दोषी

लाहौर एयरपोर्ट मैनेजमेंट और पाकिस्तान की एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एयरलाइन की ओर से चेकिंग और बोर्डिंग प्रक्रिया में लापरवाही बरती गई। यह घटना सुरक्षा मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

यह घटना न सिर्फ एक व्यक्ति की परेशानी की कहानी है, बल्कि पाकिस्तान के हवाई सफर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाती है। बिना पासपोर्ट और वीजा के किसी यात्री का विदेश पहुंच जाना अंतरराष्ट्रीय नियमों का सीधा उल्लंघन है। अब देखना है कि एयरलाइन इस मामले में कैसे जवाब देती है और क्या कार्रवाई होती है।

विधायक गुरु खुशवंत पर हमला, कार के शीशे टूटे

बेमेतरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अज्ञात उपद्रवियों ने बीजेपी विधायक गुरु खुशवंत के वाहन पर हमला कर दिया। नवागढ़ के पास आरंग विधायक एक सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेकर लौट रहे थे। हमले के दौरान हुई पत्थरबाजी में उनकी गाड़ी का शीशा टूट गया और उन्हें हाथ में मामूली चोट आई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वह सतनामी समाज के सामाजिक कार्यक्रम के विस्तार को लेकर आयोजित एक बैठक में भाग लेने नवागढ़ गए थे। यह बैठक सतनाम सेना द्वारा आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा, हम नवागढ़ से लौट रहे थे, तभी गांव के पास हमारी गाड़ी पर कुछ आकर लगा। वह शायद पत्थर जैसा कुछ था, लेकिन मैं स्पष्ट रूप से नहीं कह सकता कि वह क्या था। विधायक ने आगे बताया कि हमला होते ही उनकी गाड़ी लगभग 50 से 100 मीटर आगे जाकर रुकी। उन्होंने महसूस किया कि खिड़की के कांच में दरारें आ चुकी थीं और कपड़े में कांच के बारीक टुकड़े फंसे हुए थे। उन्होंने कहा, "जब मैंने उसे छुआ तो खून निकल आया और मेरा पूरा हाथ खून से भर गया। काफी दर्द भी हुआ।

गुरु खुशवंत ने बताया कि गाड़ी की गति उस समय लगभग 60-70 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इस कारण शीशा पूरी तरह नहीं टूटा लेकिन उस पर गहरी दरारें आ गईं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर गाड़ी की रफ्तार और अधिक होती या झटका और तेज होती, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और हमले की जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जेएमएम का आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट हुआ हैक हैकर का पहला पोस्ट हैरान करने वाला

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने को बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का आधिकारिक 'एक्स' हैंडल हैक कर लिया गया है। उन्होंने इसके लिए असामाजिक तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। बता दें कि जेएमएम के 'एक्स' पर 2 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वर्तमान में हेमंत सोरेन अपने पिता एवं पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन के इलाज के सिलसिले में दिल्ली में हैं। इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट कर इस गंभीर घटना की जानकारी दी।

हेमंत सोरेन ने दी ये जानकारी

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा, "झामुमो का आधिकारिक एक्स हैंडल @जेएमएमझारखंड असामाजिक तत्वों द्वारा हैक किया गया है। झारखंड पुलिस संज्ञान लेकर इस मामले की जांच कर शीघ्र कार्रवाई करे। @एक्सकॉर्पइंडिया कृपया इस मामले में संज्ञान लें"। उन्होंने झारखंड पुलिस को इस हैकिंग मामले पर तत्काल जांच शुरू करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है।

हैकर्स ने किया अपना पहला पोस्ट

हैकिंग के बाद झामुमो के आधिकारिक 'एक्स' खाते से जो पहला पोस्ट किया गया, उसमें एक क्रिप्टो भुगतान पते के साथ एक गिलहरी जैसी छवि साझा की गई, और लिखा था बोनक पर लाइव। इससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि खाते को क्रिप्टो से जुड़े हैकरों ने निशाना बनाया है,

जो गलत तरीके से पब्लिसिटी और आर्थिक लाभ की मंशा से ऐसे प्लेटफॉर्म्स को हैक करते हैं। गौरतलब है कि 'एक्स' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, जिसे अब दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क संचालित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एक्सकॉर्पोरेशन को भी टैग करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप और तकनीकी कार्रवाई की मांग की है। झारखंड की राजनीति में यह साइबर हमला एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

दोगुने लाभ के लालच में गए ड़ेढ़ करोड़

किसी ने लोन तो किसी ने जमीन बेचकर किया निवेश, पूरे परिवार संग हुआ फ्रॉड

रायगढ़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में शेयर मार्केट और अन्य निवेश स्कीमों में दोगुना लाभ का लालच देकर एक महिला और उसके परिवार से करीब 1.44 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी राम नारायण साहू के खिलाफ धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि उनकी मुलाकात 15 साल पहले सरायपाली, महासमुंद निवासी लक्ष्मी पटेल (45) से हुई थी। 2022 में लक्ष्मी ने अपने रिश्तेदार के जीजा राम नारायण साहू को उनके घर लाकर मिलवाया। राम नारायण ने दावा किया कि वह 2017-18 से शेयर मार्केट में काम कर रहा है और निवेश पर दोगुना लाभ दिला सकता है। लक्ष्मी ने भी दावा किया कि वह शेयर मार्केट में सक्रिय है। विश्वास जीतने के लिए राम नारायण ने पीड़िता के शुरुआती 6 लाख रुपये के निवेश पर 21 महीनों में 10 लाख रुपये लौटाए।

पीड़िता ने इस स्कीम की जानकारी अपने पति, बेटे, दो बेटियों, दामाद और भाभी को दी, जिन्होंने भी निवेश किया। पति ने 14.5 लाख रुपये राम नारायण के भाई तुलेश्वर साहू के खाते में जमा किए। बेटे ने 13 लाख रुपये का पर्सनल लोन लेकर हेमंत साहू और देवनारायण साहू के खातों में 11 लाख रुपये जमा किए। बेटी ने अपनी सैलरी से 8.3 लाख रुपये जानकी देवी साहू के खाते में जमा किए।

भाई ने जमीन बेचकर 27.36 लाख रुपये राम नारायण, हेमंत, देवनारायण, राजकुमार साहू, तुलेश्वर एलएस डिजिटल, और अनिल शंकर साहू के खातों में ट्रांसफर किए। दामाद ने 2.5 लाख रुपये का लोन लेकर राम नारायण के खाते में जमा किया। भाभी ने तीन लाख रुपये जमा किए। इसके अतिरिक्त, 70 लाख रुपये नकद में अलग-अलग तारीखों पर राम नारायण को दिए गए। कुल मिलाकर 1 करोड़ 44 लाख 46 हजार रुपये की ठगी की गई।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 14 जुलाई - 2025

जेल भेजने के हजार बहाने

अब तक तो जो लोग यह समझ रहे थे कि केवल अपहरण, दंगा, या संगठित अपराध के लिए मुकदमा चला कर जेल भेजा जा सकता है तो वे अपनी गलतफहमी निकाल दें। क्योंकि पालतू कुत्ते को पर्याप्त रूप से न घुमाने, चिड़ियाघर में कचरा फेंकने, या देर से टैक्स भरने के लिए भी मुकदमा चला कर जेल भेजा जा सकता है। वे भी सजा के अपराधी हो सकते हैं। यहां तक कि सड़क पर जानवरों को बांधने, बिना लाइसेंस के प्लंबिंग करने, या लाइसेंस को ठीक से न दिखाने को भी अपराध माना गया है। सच तो यह है कि हत्या, बलात्कार या चोरी जैसे स्पष्ट अपराधों के अलावा भी हजारों अपराध ऐसे हैं, जिनमें सजा का प्रावधान रखा गया है। भारत में 7,305 ऐसे अपराध हैं जिनके लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। इनमें से 5,333 अपराधों में जेल तक हो सकती है। भारत में अपराध और सजा को लेकर विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी की हाल ही में आई रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में कितने तरह के अपराध हैं और उनके लिए क्या सजा है। कुछ कानून तो ऐसे भी हैं जो उन लोगों को सजा देते हैं जो मां को दूध पिलाने में असमर्थ होने पर बच्चों को फीडिंग बोतल देते हैं या भिखारियों को भीख देते हैं। बता दें कि अब कानून का डर दिखाकर लोगों से नियम मनवाना और गलती करने वालों को अपराधी बताना एक आम बात हो गई है। विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी की एसओएस डेटाबेस रिपोर्ट बताती है कि भारत में अपराधीकरण की जडें कितने गहरे तक फैली हुई है। सिर्फ पांच केंद्रीय कानूनों में ही 200 से ज्यादा अपराध हैं। ये कानून मिलकर 1,800 से ज्यादा अलग-अलग कामों को अपराध मानते हैं। इनमें से एक कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) है, जो सामान्य आपराधिक कानून है। लेकिन बाकी चार कानूनों का आपराधिक न्याय से कोई सीधा संबंध नहीं है। इनमें कंपनी अधिनियम, 2013 और नई दिल्ली नगर परिषद अधिनियम, 1994 जैसे कानून शामिल हैं। इतना ही नहीं, इन 7,305 अपराधों में से तीन-चौथाई कानून आपराधिक न्याय से बाहर के 44 विषयों से जुड़े हैं। इनमें से कई शिक्षा, पर्यावरण या कपड़ा से जुड़े हैं। इससे पता चलता है कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल अब सिर्फ गंभीर अपराधों के लिए ही नहीं होता है, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को नियंत्रित करने और सरकारी कामकाज में मदद करने के लिए भी होता है। लगभग 252 कानून ऐसे हैं जिनमें 10 या उससे कम अपराध हैं। भले ही उनका मुख्य उद्देश्य आपराधिक न्याय से जुड़ा न हो, फिर भी वे कुछ खास नतीजों को हासिल करने और लागू करने के लिए अपराधों का इस्तेमाल करते हैं। मामूली गलतियों को भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है। मसलन समय पर कागजात जमा न करना, रिकॉर्ड न रखना, या किसी सरकारी अधिकारी की मदद करने में गलती करना। ये अक्सर प्रशासनिक गलतियां होती हैं, जिनमें गलत इरादा नहीं होता है। लेकिन इनके जेल तक जाने की सजा है। कंपनी अधिनियम की धारा 338(1) के तहत, अगर कोई व्यक्ति कंपनी को बंद करने से ठीक पहले के दो सालों तक खाते की सही किताबें नहीं रखता है, तो उसे एक से तीन साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है।

पीछे नहीं, बराबरी में बैठने की व्यवस्था एक क्रांतिकारी कदम

प्रियंका सौरभ

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है - आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहाँ आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अक्सर में धावी माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जँड से चुनौती देता है।

अब वहां बैक बेंचर्स नाम की कोई चीज़ नहीं है। केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में या यू-शेप में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है - यह इस सोच को तोज़ता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है। इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट हैः बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आँख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है।

बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह तारे ज़मीन पर ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को ज़मीन पर उतारा -और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नयी रोशनी बन सकता है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह कमतर है, गैर ज़रूरी है। लेकिन जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नयी ऊर्जा जन्म लेती है। नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह एक तरफा शिक्षा को दो तरफा संवाद में बदलता है। यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरुआत है। जहाँ सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है।

भारत में शिक्षा को लेकर अक्सर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी।

शिक्षा के समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अक्सर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था। अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी।

केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निर्माताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है।

भाषा नीति को लेकर सरकार ईमानदार नहीं

रघु ठाकुर

केंद्र की भाजपा सरकार ने स्वरू कस्तूरीरंजन कमेटी की सिफारिश के आधार पर नई शिक्षा नीति को देश में लागू किया। चूँकि यह रपट भारत सरकार के द्वारा बनाई गई कमेटी की थी, अतरू स्वाभाविक था कि देश के सत्ता संस्थानों में सत्ता पोषित शिक्षण संस्थाओं में इस पर चर्चा हो और कुछ केंद्र के निर्देश पर और कुछ स्वमेव शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठन, विभिन्न मंचों पर इसकी चर्चा काफी हुई और इसके गुण भी काफी गाये गये। हालांकि इस समिति की रपट और नई शिक्षा नीति में कुछ ऐसे प्रावधान थे जो निजी शिक्षण संस्थानों के लिये लाभदायक थे और अव्यवहारिक भी। जिनकी ओर मैं कई बार देश का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करता रहा हूँ। परंतु कमजोर शक्ति की आवाज श्नक्कारखाने में तूती की आवाज्य जैसी ही होती है और सरकार के प्रचार तंत्र के समक्ष हमारी बात बहुत दूर तक नहीं पहुंच सकी। परंतु इसका दूसरा पक्ष यह है कि स्वतरू सरकार भी जिसने केंद्रीय केबिनेट में इस रपट को स्वीकार किया वह भी इसके प्रति ईमानदार नहीं है । भाषा के संबंध में इस रपट में वही लगभग त्रिभाषा फार्मूला था जो एक समय में डॉ लोहिया कहते रहे हैं और जिसकी कोठारी कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश भी की थी और जिसके आधार पर भारत सरकार ने त्रिभाषा फार्मूला की घोषणा की थी । स्वरू कस्तूरीरंजन की रपट में मुख्य तीन बिंदु थे-

1. बच्चों की प्राथमिक शिक्षा उनकी मातृभाषा में हो और उच्च शिक्षा में भी भाषा का चयन व्यक्ति का अधिकार हो।
2. अंग्रेजी स्वैच्छिक हो अनिवार्य नहीं हो, याने जो उसे पढ़ना चाहे वह पढ़े जो नहीं पढ़ना चाहे उन पर बाध्यकारी न हो।
3. हर व्यक्ति अपनी मातृभाषा के अलावा अपनी पसंद से कोई एक अन्य राष्ट्रीय भाषा भी पढ़े।

मुझे उम्मीद थी कि शायद भारत सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस त्रिभाषा फार्मूला को दृढ़ता से लागू करेंगे व अतीत की गलतियों को दूर करेंगे। परंतु श्प्रथम ग्रास मच्छिकाप्य याने पहले ही कोर में मक्खी की कहावत चितार्थ हुई एक तो भारत सरकार ने इस भाषा नीति के आधार पर केंद्रीय लोक सेवा आयोग की चयन प्रक्रिया में कोई सुधार नहीं किया और अंग्रेजी का एक पेपर अनिवार्य करने वाले सीसैट को समाप्त नहीं किया जिसका परिणाम यह हुआ कि चयन में अंग्रेजी भाषा वाले को अघोषित वरीयता मिल गई तथा पुनरू उनका चयन, योग्य भारतीय भाषाओं के प्रत्याशियों की तुलना में अधिक हो गया। वैसे तो यह सीसैट पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार के जमाने में शुरू हुआ था और राजनीतिक आधार पर देश को उम्मीद थी कि भाजपा सरकार कांग्रेस के इस आपराधिक कार्य को समाप्त करेगी परंतु भाजपा सरकार ने यह नहीं किया। दूसरी घटना हुई थी कि तमिलनाडु सरकार ने यह गलत प्रचार तमिलनाडु में किया कि भारत सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोपना चाहती है। जबकि नई शिक्षा नीति में कोई एक भारतीय भाषा पढ़ने की अनिवार्यता थी न कि हिंदी की। मुख्यमंत्री श्री स्टालिन ने हिंदी के साम्राज्यवाद के झूठ को उछाल कर अपना राजनैतिक अभियान चलाया। भारत सरकार ने इस आधार पर कि तमिलनाडु ने नई शिक्षा नीति को लागू नहीं किया है इसलिये केंद्र के द्वारा दिए जाने वाले अनुदान को रोक दिया। परंतु अब तीसरी घटना हुई है कि महाराष्ट्र में स्वतरू भाजपा की सरकार के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फणनवीस ने भी विपक्षियों के दबाव में हिंदी की स्वैच्छिक अध्ययन सुविधा को भी वापिस ले लिया। नरेन्द्र जादव की सदस्यता में एक कमेटी बनाई जो सुझाव देगी याने जिस प्रकार तमिलनाडु की राजनीति हिंदी विरोध पर थी अब उसी प्रकार महाराष्ट्र की राजनीति भी हिंदी विरोध पर टिक गई है। आजादी के बाद लगभग 78 वर्षों में अभी तक महाराष्ट्र में कभी भी हिंदी का विरोध नहीं हुआ। महाराष्ट्र के गाँव-गाँव में लोग हिंदी बोलते व समझते हैं तथा महाराष्ट्र के बाहर के आये हुये लगभग करोड़ों से अधिक लोग बेहतर मराठी बोलते हैं। दरअसल शिवसेना के दोनों गुटों बाल ठाकरे के सुपुत्र उद्धव ठाकरे और मनसा के श्री राज ठाकरे दोनों ने मिलकर अपनी सत्ता में वापिसी में आने के लिये फिर से मराठी भाषा को अपना राजनैतिक मुद्दा बनाया है। 5 जुलाई को वे मिलकर मुंबई में रैली निकालने वाले थे और उनकी इस प्रस्तावित रैली से या तो भयभीत होकर या उसका बहाना बनाकर श्री देवेन्द्र फणनवीस ने प्राथमिक शिक्षण संस्थाओं में हिंदी की पढ़ाई के प्रस्ताव को रोक दिया।

इसके बाद भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के एक कार्यक्रम में कहा कि श्वह दिन दूर नहीं जब देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शमिर्ंदगी होगी।य जो लोग भारतीय भाषायें नहीं बोलते हैं वह भारतीय नहीं रह जाते और भारत को विदेशी भाषाओं से नहीं समझा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि श्हमारे देश की भाषायें हमारे देश की संस्द्धति की आभूषण हैं, हमारे देश का इतिहास, संस्द्धति, धर्म को अगर समझना है तो वह किसी विदेशी भाषा में संभव नहीं है।य श्री अमित शाह के इस भाषण के बाद श्री राहुल गांधी ने 20 जून को कहा कि श्अंग्रेजी शर्म नहीं बल्कि शक्ति है।य उन्होंने आरोप लगाये कि भाजपा और आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे क्योंकि वह नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें। अंग्रेजी जंजीर नहीं, जंजीर तोड़ने का औजार है। उन्होंने कहा कि श्आज की दुनिया में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है कि जितनी मातृभाषा क्योंकि यह आपको रोजगार दिलायेगी और आत्मविश्वास बढ़ायेगी।य श्री राहुल गांधी का यह बयान बहुत ही अपरिपक्व और न समझी से भरा हुआ है। उनका यह बयान जनसत्ता में प्रकाशित हुआ था हालांकि यह भी कहा गया कि उन्होंने बाद में अपने इस बयान को सोशल मीडिया से हटा लिया है। सोशल मीडिया से बयान को हटाने का मतलब जरूरी नहीं है कि उनके विचारों का बदलाव हो बल्कि एक रणनीतिक कदम भी हो सकता है। चूँकि उनका एकमात्र उददेश्य सत्ता हासिल करना है, इसलिये उन्होंने पहले बयान दिया था और बाद में संभावित नुकसान को महसूस कर उसे हटा दिया । परंतु हटा लेने का मतलब अपने कथन को वापिस लेना नहीं होता। इसका यही अर्थ माना जाना चाहिये कि उन्होंने फिलहाल विवाद से बचने के लिए या बिहार विधानसभा चुनाव के नुकसान से बचने के लिए और जरूरत पड़ने पर दक्षिण भारत के चुनाव में इसका इस्तेमाल करने के लिए यह तरीका निकाला है।

कुल मिलाकर भाजपा व कांग्रेस दोनों की मानसिकता अंग्रेजी समर्थक और अंग्रेजी की दासता वाली है। श्री अमित शाह यह बतायें कि उनकी ही सरकार ने महाराष्ट्र में अंग्रेजी को नहीं रोका बल्कि जिस भाषा को राष्ट्रभाषा होना चाहिये उस हिंदी को रोका है। भाषा के मामले में श्री देवेन्द्र फणनवीस, श्री स्टालिन और श्री राहुल गांधी में क्या फर्कहै ?

हालांकि श्री राहुल गाँधी का बयान और भी अधिक त्रुटिपूर्ण है। उनकी यह धारणा कि अंग्रेजी रोजगार देती है पूर्णतरू निराधार है। उन्हें पता नहीं कि आज ब्रिटेन व लंदन में ब्रिटिश नागरिक अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषायें पढ़ रहे हैं क्योंकि उन्हें रोजगार अन्य भाषाओं में अधिक हैं। अंग्रेजी वैश्विक या अंतरराष्ट्रीय भाषा नहीं है बल्कि यह दुनिया के एक छोटे से हिस्से की भाषा बची है। आज यूरोप के अधिकांश देश जर्मनी, फ्रांस और यहाँ तक कि उनकी माताजी के जन्म स्थल इटली में अपनी-अपनी मातृभाषा में भी लोग फ्रांसीसी, जर्मनी और इटालियन पढ़ व बोल रहे हैं।

चीन के 150 करोड़ की भाषा मंदारिन है। जब वे अंग्रेजी को आत्मसम्मान व जंजीर तोड़ने वाली भाषा बोलते हैं तो वे देश के राष्ट्रीय आंदोलन का और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा अंग्रेजी नहीं थी बल्कि व्यापक तौर पर हिंदी थी या देशज भाषायें में थी। अंग्रेजी तो साम्राज्यवाद की भाषा है।

उदयपुर फाइल्स फिल्म से कौन होगा प्रभावित ?

अशोक भाटिया

28 जून 2022 को, राजस्थान के उदयपुर में दो मुस्लिम पुरुषों ने एक भारतीय दर्जी, कन्हैया लाल तेली का सिर कलम कर दिया । हमलावरों ने इस हमले को कैमरे में लाइव कैद किया और वीडियो ऑनलाइन प्रसारित कर दिया था । बताया जाता है कि लाल की हत्या कथित तौर पर भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा करने के लिए की गई थी , जिनकी टिप्पणियों के कारण 2022 मुहम्मद टिप्पणी विवाद हुआ था । हमलावरों ने लाल की हत्या करने से पहले ग्राहक बनकर उनके स्टोर में प्रवेश किया। [हत्या के वीडियो इंटरनेट पर पोस्ट किए गए थे, जिसमें दो कथित हमलावर कसाई के चाकू पकड़े हुए थे और हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए खुद की पहचान मुहम्मद रियाज अत्तारी और मुहम्मद गौस के रूप में कर रहे थे।

11 जून को लाल के पड़ोसी नाज़िम ने नुपुर शर्मा के समर्थन में एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसके कारण लाल की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद लाल को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। 15 जून को लाल ने जान से मारने की धमकी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस में सुरक्षा की गुहार लगाई थी। [2] धान मंडी पुलिस स्टेशन में नाज़िम और पांच अन्य के खिलाफ अपनी शिकायत में लाल ने कहा कि उन्हें नाज़िम और अन्य से धमकियां मिल रही हैं और आरोप लगाया कि समूह ने उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपने समुदाय के भीतर एक संदेश के साथ प्रसारित की है कि अगर लाल कहीं भी दिखाई दिए या उन्होंने अपनी दुकान खोली तो उन्हें मार दिया जाना चाहिए। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मध्यस्थता की और नाज़िम और लाल के बीच मामले को सुलझा लिया। कन्हैया ने तब पुलिस को बयान दिया कि वह मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहता है। लाल ने कहा कि विवादास्पद पोस्ट उनके बेटे द्वारा अनजाने में अपने फोन पर गेम खेलते समय साझा की। दो आरोपियों में से एक, मुहम्मद रियाज़ अत्तारी ने 17 जून को हमले से कुछ दिन पहले एक वीडियो बनाया था जिसमें उसने पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के लिए हत्या करने का इरादा जताया था, एक वायरल वीडियो बनाने और आगे के परिणामों के लिए अपनी उपेक्षा की थी ।

बताया गया था कि 28 जून को दो हमलावर ग्राहक बनकर लाल की दर्जी की दुकान में घुसे। जब लाल ने उनमें से एक के लिए नाप लेना शुरू किया तो दोपहर 2 ।45 बजे उन पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमलावरों ने पूरे हमले का वीडियो बना लिया। लाल को काबू में करने के बाद दोनों आरोपी उसे दुकान से बाहर खींचकर ले गए और अपनी वेल्डिंग वर्कशॉप में बने एक अस्थायी खंजर से उसका गला रेत दिया। लाल के शरीर के कई हिस्सों पर चाकू से वार किया गया। लाल के एक दुकान सहायक को भी उसे बचाने की कोशिश में सिर में गंभीर चोटें आईं। अन्य दुकानदारों ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। हमलावर पैदल भाग गए और फिर मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग गए। ऐसा प्रतीत होता है कि दूसरे वीडियो (हमले के बाद लिया गया) में, उन्होंने इस्लाम के अपमान का बदला लेने के लिए हत्या का दावा किया [16] और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी धमकियाँ दीं । जब कि जांच में आया कि वह पोस्ट उनके 8 वर्षीय बच्चे ने गलती से फॉरवर्ड कर दिया था। सिर्फ इतनी सी बात पर कुछ जाहिल युवकों ने उनकी बेहद निर्ममता से हत्या की थी अब दर्जी कन्हैयालाल की हत्या पर आधारित बनी फिल्म 'उदयपुर फाइल्सः की रिलीज पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। ये फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। फिल्म को रोक लगाने में जमीयत उलेमा ए हिंद के मुखिया अरशद मदनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इनके वकील हैं वही कपिल सिब्बल जो मोदी सरकार के हर कार्यों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में नजर आते हैं। ये वही कपिल सिब्बल हैं जो मनमोहन सिंह सरकार में एक खास मंत्री हुआ करते थे। फिलहाल अभी कांग्रेस से दूर होकर समाजवादी पार्टी की सहायता से राज्यसभा में हैं। यह देश का दुर्भाग्य है कि जिन लोगों ने 3 साल पहले विडियो बनाकर दुर्दांत तरीके से एक शख्स की हत्या की वो अभी हत्या के दोषी साबित नहीं किए जा सके हैं। जबकि राज्य और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। सारी जांच एजेंसियों पर इनका ही नियंत्रण है। कन्हैया लाल तेली के बेटे कहते हैं कि मेरे पिता के हत्यारों को 3 साल में न्याय नहीं मिल सका पर उनके जीवन पर बनी फिल्म को 3 दिन में बैन कर दिया गया। जाहिर है रोष तो होगा ही।कन्हैया लाल के जीवन पर बनी फिल्म से जाहिर है कि वही डर रहा होगा जो नहीं चाहता कि उनकी कहानी समाज के सामने आए। सोचने वाली बात है कि किसे डर लग रहा है कि कन्हैया लाल तेली की कहानी को फिल्म के माध्यम से सामने लाने से दंगे भड़क सकते हैं। जाहिर है जो यह बात कह रहा है वह स्पष्ट रूप से भारत सरकार और कोर्ट को धमकी दे रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दिल्ली, गुजरात, और महाराष्ट्र हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कीं थी। उनकी आपत्ति थी कि फिल्म का ट्रेलर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकता है। यह सीधे सीधे धमकी ही है कि सांप्रदायिक तनाव भड़क जाएगा। इसका मतलब देश के अधिकतर लोग समझते हैं। याचिका में दावा किया गया कि ट्रेलर देखकर ऐसा लग रहा है कि हत्या को धार्मिक नेताओं और संस्थानों की साजिश के रूप में दर्शाया गया। हत्याकांड में शामिल एक आरोपी, मोहम्मद जावेद, ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें दावा किया गया कि फिल्म उनके निष्पक्ष मुकदमे के अधिकार को प्रभावित करेगी। जावेद को 2024 में राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिली थी। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि फिल्म कन्हैया लाल हत्याकांड को फिर से सुर्खियों में ला सकती है। जिसमें आरोपियों के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ सकता है। इतना ही नहीं गुस्सा तो डबल इंजन की सरकार पर भी लोगों का बढ़ेगा। आखिर केंद्र और राज्य दोनों ही जगहों पर बीजेपी की सरकार है। जब भी किसी फिल्म को बैन करने की मांग उठती है तो देश में कुछ लोग विचारों की स्वतंत्रता का रोना लेकर बैठ जाते हैं। पर शायद उदयपुर फाइल्स से ऐसे लोग को ठेस नहीं लग रही है।

आखिर हिंदी से परहेज क्यों?

अमरसिंह राजपुरोहित

देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुम्बई को कुछ स्थानीय नेताओं की नजर लग गई है। ऐसे दकियानूसी विचारों के ये नेता आए दिन भाषा के नाम पर जहर उगलते रहते हैं। मराठी और हिंदी की देवनागरी भाषा लगभग एक जैसी होने के बाद भी एमएनएस नेताओं को पता नहीं कियों अचानक हिंदी से परहेज होने लगा है। जाहिर है अभी वे जो जगह बो रहे हैं उसकी फसल भी उनको वैसी ही काटने को मिलेगी। मुंबई महानगर में मराठी भाषियों की बहुलता होना स्वाभाविक है। लेकिन देश भर के हिंदी बोलने वालों की संख्या भी वहां कम नहीं है। इसके बावजूद जिस तरह से स्थानीय भाषावादी जिस तरह से हिन्दी के प्रति अघोषित घृणा दिखा रहे हैं, उसकी सजा तो उन्हें आगामी महानगर निगम चुनाव में मिलकर ही रहेगी। मराठी भाषा को सम्मान देने में किसी ने कभी भी कोई आपत्ति नहीं जताई है। टूटी-फूटी ही सही जिसे नहीं आती वह भी मराठी बोलने का प्रयास करता है। इसके बाद भी मुंबई में कुटिल चाल के चलते हिन्दी भाषियों को हाशिए पर धकेला जा रहा है। देश भर के हिन्दी भाषियों को 'बाहरी' तक कह जाने लगा है। यही नहीं कुछ तथाकथित मराठी प्रेमी मारपीट पर भी उतारू हो रहे हैं। यह एक राजनीतिक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। हिन्दी के प्रति संकीर्णता किसी भी सूरत में ठीक नहीं कही जा सकती। मराठी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सभ्यता, इतिहास और गौरव है। छत्रपति शिवाजी महाराज, संत तुकाराम, लोकमान्य तिलक और बाल गंगाधर तिलक आदि महापुरुषों ने मराठी को जनचेतना और क्रांति का माध्यम बनाया, तो कैद में रहते हुए भी राष्ट्रीय एकता के लिए वीर विनायक सावरकर ने हिन्दी कविताएं रचीं एवं हिन्दी सिखाई। आज भी महाराष्ट्र में मराठी साहित्य, नाटक, संगीत और संस्कृति की धारा बह रही है। मराठी बोलने वालों ने मराठी विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर बाकी नहीं रखा है। लेकिन जब यह हिंदी भाषा के प्रति घृणा में बदल जाता है, तो यह स्वाभिमान नहीं, दकियानूसी विचार बन जाता है। हिन्दी भारत की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है, जो उत्तर भारत से लेकर भारत के कोने-कोने तक संवाद का सशक्त माध्यम है। मुम्बई जैसे महानगर में हिन्दी केवल उत्तर भारतीयों की नहीं, बल्कि लाखों मराठी, गुजराती, बिहारी, तमिल, मलयाली और बंगालियों के भी दैनिक संवाद की भाषा बन चुकी है। यहां तक कि मुंबईया हिंदी फिल्मों का वालीवुड मुंबई में ही है। जिसने हिंदी के प्रचार-प्रसार में कोई कसर बाकी नहीं रखी है।यही नहीं, लाखों मेहनतकश मजदूर, वाहन चालक, नौकर, घरेलू कामगार, उद्घोषक, पत्रकार और कलाकार भी हिन्दी के माध्यम से ही रोज़ी-रोटी व पहचान प्राप्त कर रहे हैं, तो बड़ा सवाल है कि इस हिन्दी से इतनी घृणा क्यों, मारपीट क्यों अमादा हैं कुछ मुट्ठीभर लोग? राजनीतिक कारणों से 'मराठी बनाम हिन्दी' की जो कृत्रिम खाई बनाई गई है, उसका पाटना जरूरी है। अन्यथा कभी भी इस तरह के मसले पर विवाद हो सकता है। हिन्दी बोलने वाला अपना काम कर रहा है, तो मराठी एवं अन्य भाषा बोलने वाला अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, आखिर इसमें झगडा कहा हैं। मुम्बई की आत्मा में तो हिन्दी हमेशा रही है। जब बम्बई राज्य बना था, तब भी हिन्दीभाषी इसके विकास में कदम से कदम मिला कर आगे बढ़े हैं।

हिन्दी को 'बाहरी भाषा' कहने वाले यह भूल जाते हैं कि संविधान में यह राजभाषा घोषित है और इसे पूरे भारत में समान सम्मान प्राप्त है। देखा जाए तो असल डर हिन्दी से नहीं, बल्कि उस जनसांख्यिकी दबाव से है, जो उत्तर भारत से आए श्रमिकों और युवाओं के कारण मुम्बई में दिख रहा है। बेरोज़गारी, शिक्षा में गिरावट और स्थानीय युवाओं को नौकरियों नहीं मिलने का दोष भी हिन्दी भाषियों पर ही मढ़ा जा रहा है। लेकिन वहां के हिंदी विरोधी नेता इसका समाधान खोजने की बजाय गुंडीगर्दी के बाल पर हिन्दी और हिंदी भाषियों को रोकना चाहते हैं। सवाल है कि क्या हिन्दी नहीं बोलने से सिर्फ मराठी की जिद लगाने वालों की मंशा पूरी हो जाएगी। राजनीति के चक्कर में यह भूलना घातक है कि हिन्दी को अपमानित करना आसान है। वास्तव में यह संविधान का अपमान है, क्योंकि संविधान की धारा 343 हिन्दी को राजभाषा घोषित करती है। अनुच्छेद 19 हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, तो कोई भी राज्य, नगर या संस्था किसी भाषा विशेष को किसी को बोलने से कैसे रोक सकता है। मुम्बई में हिन्दी बोलने वाले पर तंज कसना, दुकानों के बोर्ड बदलवाना या हिन्दी में सेवा देने से इनकार करना सीधे तौर पर संविधान का सीधा उल्लंघन है जो राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है।

मुम्बई में हिन्दी का विरोध करने वालों एवं भाषा के बँटवारे पर मौन रहने वालों को भाषाई सौहार्द के उदाहरण दक्षिण भारत से सीख लेनी चाहिए। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों ने अपनी भाषाओं को मज़बूत किया, लेकिन कभी हिन्दी को दुश्मन नहीं बनाया। बेंगलुरु जैसे शहर में भी कन्नड़ प्रमुख है, लेकिन हिन्दी स्वीकार्य है। वहाँ के लोग हिन्दी सीखते हैं, सिखाते हैं और साथ रहते हैं।

मुम्बई, जो देश का सबसे बड़ा समावेशी शहर कहलाता है, वहाँ से हिन्दी फ़िल्म और टी.वी. उद्योग निकाल दिया जाए, तो कल्पना करें कि क्या बचेगा ? अगर हिन्दी बोलने वाला अपने ही देश में पराया महसूस करे, तो भला इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है।

डिजिटल स्वर्ग, आँसुओं का नरक

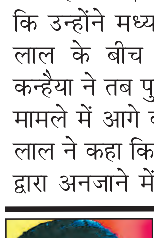

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अजबपुर, एक ऐसा कस्बा जहाँ की सड़कें कम, गड्ढे ज़्यादा थे, और जहाँ की हवा में धूल कम, उम्मीद ज़्यादा थी। यहाँ के लोग, सीधे-सादे, भोले-भाले, पर जब बात 'बदलाव' की आती, तो ऐसे लपकते थे, जैसे भूखा आदमी गरम-गरम पकौड़े पर। पुरानी सरकारें आती-जाती रहीं, वादे करती रहीं, और फिर उन्हीं वादों के नीचे दबकर दम तोड़ती रहीं। जनता भी थक चुकी थी, हर चुनाव में 'नया सवेरा' ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उनकी आँखें पथरा गई थीं। तभी एक दिन, अचानक, एक नया नारा गूँजा – डिजिटल स्वर्ग! हाँ, आपने ठीक सुना, 'स्वर्ग'! और वो भी 'डिजिटल'! जैसे कोई कहता, 'गरमा-गरम बर्फ़ी' या 'उड़ता हुआ पत्थर'। ये नारा लेकर आए थे 'तकनीक-प्रेमी' दल के नेता, श्रीमान 'क्लिकानंद'। उनके भाषण ऐसे होते थे, जैसे कोई जादूगर अपनी टोपी से खरगोश नहीं, बल्कि भविष्य निकाल रहा हो। अब कोई लाइन नहीं! कोई कागज़ नहीं! बस एक क्लिक, और आपकी सारी समस्याएँ स्वाहा! उन्होंने घोषणा की। अजबपुर की जनता, जो अब तक बैंक की लाइन में खड़े-खड़े अपनी आधी उम्र गुज़ार चुकी थी, और सरकारी दफ़्तरों में 'हाँ जी, बैठिए' सुनते-सुनते पीठ में कूबड़ निकाल चुकी थी, उनकी आँखें चमक उठीं। क्या सच में ऐसा हो सकता है? एक बूढ़ी अम्मा ने अपने पोते से पूछा, जो स्मार्टफ़ोन पर कैंडी क्रश खेल रहा था। पोता बोला, हाँ अम्मा, अब सब कुछ 'ऐप' पर होगा! अम्मा ने सुना तो उनका दिल बाग-बाग हो गया, सोचा, अब तो स्वर्ग यहीं धरती पर उतर आएगा, और वो भी 'डिजिटल' अवतार में! उन्हें क्या पता था, ये 'स्वर्ग' नहीं, 'स्वर्गवास' का डिजिटल संस्करण था। क्लिकानंद जी ने 'डिजिटल स्वर्ग' परियोजना का शुभारंभ ऐसे किया, जैसे कोई राजा अपने नए साम्राज्य की नींव रख रहा हो, पर ईंट-पत्थर की जगह चमकती हुई स्क्रीनें और जटिल कोड थे। उन्होंने कहा, अब हमारा अजबपुर 'स्मार्ट' बनेगा, इतना स्मार्ट कि इसकी बुद्धिमत्ता देख कर बड़े-बड़े शहर भी शरमा जाएँगे! हर घर में एक 'डिजिटल सहायक' की बात हुई, हर गली में 'स्मार्ट सेंसर' लगने की, और हर नागरिक के लिए एक 'यूनिवर्सल डिजिटल पहचान' की। पहले तो कुछ लोगों ने नाक-भौं सिकोड़ी, ये क्या बला है? हमारा तो अंगूठा ही हमारी पहचान है! लेकिन क्लिकानंद जी की टीम ने ऐसे-ऐसे वीडियो दिखाए, जिनमें लोग बिना किसी झंझट के अपने सारे काम मोबाइल पर कर रहे थे, कि विरोध की आवाज़ें धीरे-धीरे शांत हो गईं। क्या आप अभी भी पुराने ज़माने के बैलगाड़ी पर चलना चाहते हैं, जब दुनिया रॉकेट पर उड़ रही है? उनके प्रवक्ताओं ने टीवी पर दहाड़ा। अजबपुर के लोग, जो अपनी बैलगाड़ी को ही सबसे तेज़ सवारी मानते थे, अब खुद को पिछड़ा हुआ महसूस करने लगे। बच्चों ने अपने दादा-दादी को सिखाना शुरू किया कि कैसे 'टच' करना है, कैसे 'स्वाइप' करना है। गाँव के चाय वाले ने भी सोचा, चलो, अब 'यूपीआई' से पेमेंट लेंगे, क्या पता ग्राहक बढ़ जाएँ। सबने उम्मीद की एक नई किरण देखी, एक ऐसी किरण जो सीधे उनके मोबाइल स्क्रीन से निकल रही थी। उन्हें लगा, अब तो जीवन में सुख ही सुख होगा, क्योंकि 'डिजिटल' होने का मतलब ही था 'आसान' होना। पर उन्हें क्या पता था, ये 'आसानी' नहीं, 'आसमान से गिरा और खजूर पर अटका' वाली कहानी का नया संस्करण था। शुरुआत में तो सब ठीक लगा, या यूँ कहें कि 'ठीक लगने का भ्रम' था। सरकारी दफ़्तरों के बाहर की लंबी कतारें सचमुच ग़ायब हो गईं, पर उनकी जगह लोगों के चेहरों पर चिंता की लकीरें उभर आईं।

केदारनाथ से रामेश्वरम तक एक ही सीध में बने हैं शिव जी के 7 मंदिर

केदारनाथ धाम (उत्तराखंड)

भारत में धार्मिकता और रहस्यों का गहरा संबंध है। इन्हीं रहस्यों में से एक है 'शिव शक्ति रेखा' एक ऐसी अद्भुत सीधी रेखा जो उत्तराखंड के केदारनाथ से शुरू होकर तमिलनाडु के रामेश्वरम तक जाती है। यह रेखा लगभग 2,382 किलोमीटर लंबी है और विशेष बात यह है कि इस सीध में भारत के सात प्रमुख शिव मंदिर स्थित हैं। ये सभी मंदिर लगभग 79 डिग्री देशांतर पर स्थित हैं, जो इस संयोग को और भी रहस्यमय बना देता है।

इन सात मंदिरों में न केवल केदारनाथ और रामेश्वरम जैसे दो ज्योतिर्लिंग शामिल हैं, बल्कि पंचतत्वों (जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी और आकाश) को दर्शाने वाले पांच प्रमुख शिव मंदिर भी आते हैं। यह संयोजन आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

1. केदारनाथ धाम (उत्तराखंड)

हिमालय की गोद में 79.0669° देशांतर पर स्थित केदारनाथ मंदिर रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसे अर्द्धज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है और यह मंदिर शिव शक्ति रेखा की शुरुआत मानी जाती है।

2. श्रीकालाहस्ती मंदिर (आंध्र प्रदेश)

चित्तूर जिले में स्थित यह मंदिर वायु तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यहां स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू और जीवित लिंग माना जाता है। यह मंदिर तिरुपति से कुछ ही दूरी पर स्थित है और भक्तों के लिए बेहद पूज्य स्थल है।

श्रीकालाहस्ती मंदिर (आंध्र प्रदेश)

3. एकाम्बेश्वरनाथ मंदिर (कांचीपुरम, तमिलनाडु)

यह मंदिर पृथ्वी तत्व का प्रतीक है और कांचीपुरम के प्रमुख शिव मंदिरों में गिना जाता है। माना जाता है कि माता पार्वती ने यहां मिट्टी का शिवलिंग बनाकर तप किया था।

एकाम्बेश्वरनाथ मंदिर (कांचीपुरम, तमिलनाडु)

4. अरुणाचलेश्वर मंदिर (तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु)

4. अरुणाचलेश्वर मंदिर (तिरुवन्नामलाई, तमिलनाडु)

अग्नि तत्व का प्रतीक यह मंदिर अरुणाचल पर्वत के तल पर स्थित है। इसे अग्नि लिंग के रूप में पूजा जाता है। यह स्थान दीपम पर्व और कार्तिगई दीपोत्सव के लिए प्रसिद्ध है।

5. जम्बुकेश्वर मंदिर (तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु)

यह जल तत्व से जुड़ा हुआ मंदिर लगभग 1,800 वर्ष पुराना माना जाता है। यहां शिवजी की पूजा एक जल-स्रोत के समीप की जाती है, जो साल भर जल से भरा रहता है।

6. थिल्लई नटराज मंदिर (चिदंबरम, तमिलनाडु)

यह मंदिर आकाश तत्व का प्रतीक है और भगवान शिव को नटराज रूप में समर्पित है। यहां भगवान की नृत्य मुद्राओं को 108 भंगिमाओं में दर्शाया गया है।

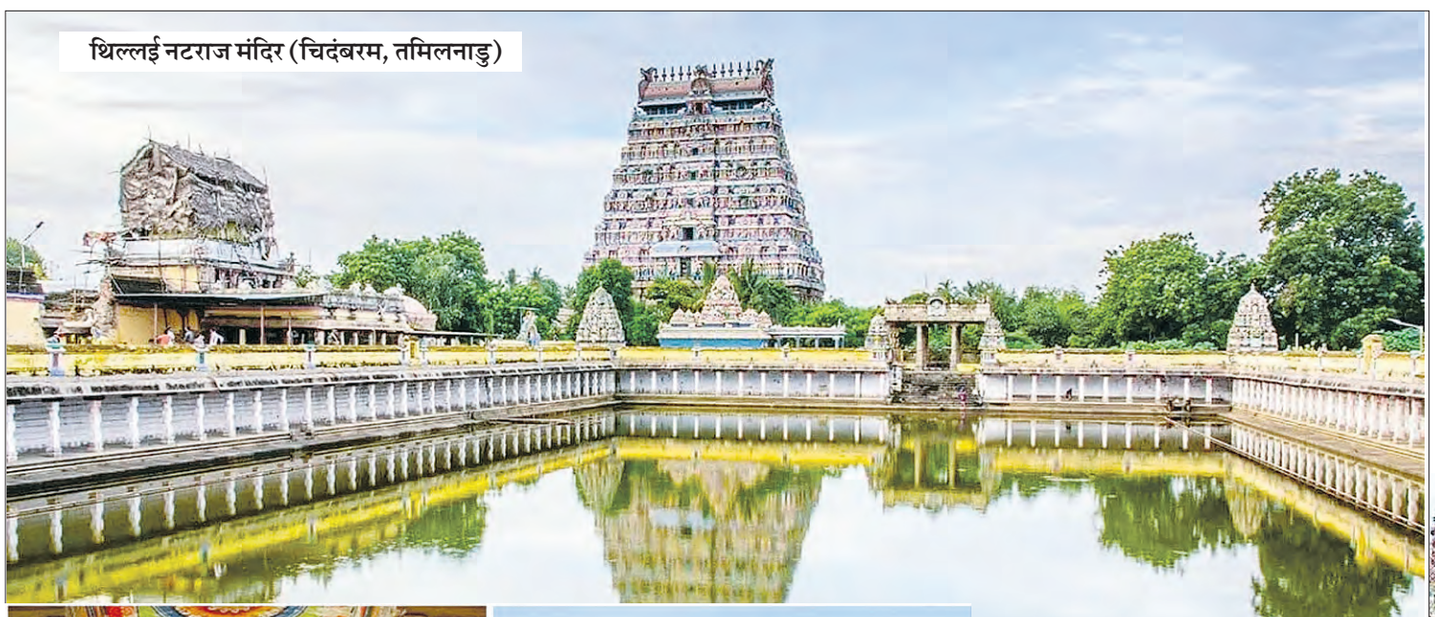
थिल्लई नटराज मंदिर (चिदंबरम, तमिलनाडु)

7. रामेश्वरम मंदिर (तमिलनाडु)

रामेश्वरम, भगवान राम से जुड़ा एक पवित्र स्थल है और 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल है। इसे रामलिंगेश्वर भी कहा जाता है और यह शिव शक्ति रेखा का अंतिम मंदिर है। इन सात मंदिरों का एक सीधी रेखा में स्थित होना न केवल भारत की सांस्कृतिक गहराई को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि भारत में आध्यात्मिक ऊर्जा और भूगोल के बीच गहरा संबंध है। यह रेखा एक अदृश्य धागे की तरह भगवान शिव की चेतना को उत्तर से दक्षिण तक जोड़ती है।

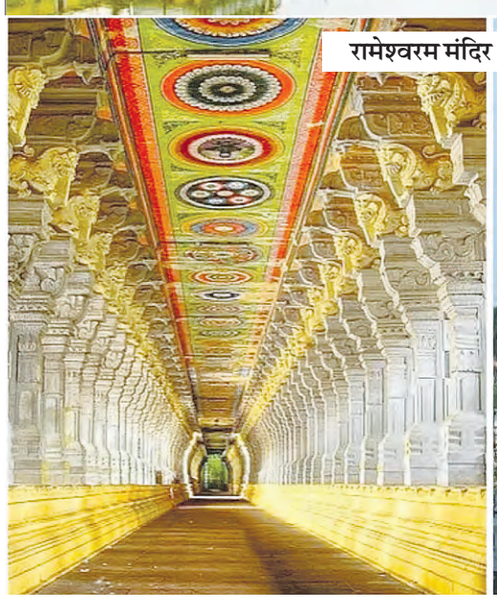
रामेश्वरम मंदिर (तमिलनाडु)

जम्बुकेश्वर मंदिर (तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु)

सावन में क्या खाएं और क्या न खाएं? भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए जरूरी

श्रावण माह में लोग शिव जी की भक्ती करते हैं। इस पूरे महीने में लोग पूजा-पाठ और व्रत रखते हैं। साथ ही अपने जीवन के हर पहलू में संयम और श्रद्धा बनाए रखने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि इस समय खाने-पीने में भी विशेष ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है। श्रावण को चातुर्मास भी कहा जाता है, जो चार महीने तक चलने वाला एक पवित्र धार्मिक समय है। इस दौरान लोग अपनी दिनचर्या को साधारण, सात्विक और शुद्ध बनाए रखने की कोशिश करते हैं। खासकर सोमवार को, जब विशेष रूप से व्रत रखे जाते हैं, तो यह अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या खाया जाए और क्या नहीं।

व्रत के दौरान खा सकते हैं ये चीजें

श्रावण में व्रत रखने के दौरान ऐसा आहार ग्रहण करना चाहिए, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करे लेकिन भारी न हो।

इस दौरान आप फलों का सलाद खा सकते हैं। ताजे फल शरीर को ठंडक देते हैं और ऊर्जा बनाए रखते हैं।

व्रत में आप राजगिरा पराठा भी खा सकते हैं। यह हल्का और स्वादिष्ट होता है, जिसे दही या चटनी के साथ खाया जा सकता है।

साबूदाना, मखाना, अरारोट, कुट्टू जैसे खाद्य पदार्थ उपवास के दौरान खाए जाते हैं, जिनसे पराठा, खिचड़ी या हलवा भी तैयार किया जा सकता है।

दूध से बनी चीजें जैसे दूध, दही, छाछ, पनीर, घी शरीर को ताकत देती हैं और व्रत में पोषण की कमी नहीं होने देतीं।

व्रत के लिए मेवे, जैसे बादाम, काजू, किशमिश, खजूर भी अच्छे विकल्प हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं। आप नारियल पानी भी पी सकते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए

अत्यंत लाभकारी है।

कुछ खास सब्जियां जैसे शकरकंद, लौकी, आलू और अरबी आसानी से पच जाती हैं। इसका सेवन भी उपवास में किया जा सकता है। साथ ही सेंधा नमक, काली मिर्च और हरा धनिया व्रत के भोजन में स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोगी होती हैं।

व्रत के दौरान न खाएं ये चीजें

व्रत के दौरान कुछ खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये नियमों के अनुसार उपयुक्त नहीं होते या शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इनमें अनाज, चावल, गेहूं और दालें शामिल हैं, जो व्रत में वर्जित माने जाते हैं। सब्जियों में प्याज, लहसुन और मूली नहीं खाई जातीं। मसालों में हल्दी, हींग और लाल मिर्च का उपयोग नहीं वर्जित माना जाता। इसके साथ ही व्रत में केवल सेंधा नमक ही प्रयोग करें।

विजय सेतुपति की फिल्म में विलेन की भूमिका निभाएंगी तब्बू?

तब्बू की गिनती बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। वो एक रोमांटिक रोल से लेकर फिल्मों में ग्रे और निगेटिव कैरेक्टर्स में भी नजर आई हैं। अब तब्बू के अगले रोल को लेकर भी एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एक बार फिर तब्बू पर्दे पर एक अलग अंदाज में नजर आ सकती हैं।

एक बार फिर विलेन बनेंगी तब्बू !

कुछ दिनों पहले मेकर्स ने ये जानकारी साझा की थी कि तब्बू पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। अब ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि तब्बू इस फिल्म में एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू पुरी जगन्नाथ की इस फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए अभी ये सिर्फ रिपोर्ट्स के हवाले से ही खबरें हैं।

पहले भी कई फिल्मों में निगेटिव रोल निभा चुकी हैं तब्बू

वैसे तब्बू इससे पहले भी कई बार पर्दे पर विलेन की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। तब्बू इससे पहले 'मकबूल' 'फितूर', 'हैदर' और 'अंधाधुंध' जैसी फिल्मों में निगेटिव किरदार में नजर आ चुकी हैं। इन सभी फिल्मों में तब्बू के किरदार को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में अब अगर एक बार फिर तब्बू बड़े पर्दे पर विलेन के रूप में आती हैं, तो उन्हें देखना खास होगा।

पैन इंडिया फिल्म होगी

पुरी जगन्नाथ की ये अनटाइटल्ड फिल्म एक पैन इंडिया फिल्म होगी। इसमें विजय सेतुपति और तब्बू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के बारे में अभी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है।

'भूत बंगला' में नजर आएंगी तब्बू

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' की तैयारी कर रही हैं, जिसमें अक्षय कुमार, जिशु सेनगुप्ता और वामिका गब्बी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म के अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है।

कौन थे कोटा श्रीनिवास राव? 750 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके

दक्षिण भारतीय सिनेमा के चमकते सितारों में से एक नाम था कोटा श्रीनिवास राव, जिनका फिल्मी और राजनीतिक सफर किसी प्रेरणास्रोत से कम नहीं। एक ऐसे कलाकार जिन्होंने सिर्फ पर्दे पर नहीं, बल्कि थिएटर, राजनीति और निजी जीवन में भी संघर्षों को गले लगाते हुए एक मिसाल कायम की। बीते दिनों जब फिल्म प्रोड्यूसर बंदला गणेश ने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की थी तो उसमें कोटा श्रीनिवास काफी कमजोर लग रहे थे। कोटा की सेहत देखकर उनके फैंस काफी चिंतित हो गए थे। लंबे समय से बीमार चल रहे कोटा श्रीनिवास राव ने रविवार सुबह अंतिम सांस ली।

डॉक्टर बनना चाहते थे कोटा श्रीनिवास राव

कोटा श्रीनिवास राव का जन्म 10 जुलाई 1942 को आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव कांकीपाडु में हुआ था। एक मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बढ़े कोटा के पिता एक डॉक्टर थे और घर का माहौल शिक्षा-सेवा पर आधारित था। बचपन में कोटा का सपना भी डॉक्टर बनने का था, लेकिन किस्मत उन्हें एक अलग दिशा में ले गई। कॉलेज के दिनों में ही उन्हें नाटकों में अभिनय का चस्का लगा और यहीं से उनके सफर की शुरुआत हुई।

कब हुई करियर की शुरुआत?

कोटा श्रीनिवास राव ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की और फिर धीरे-धीरे फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। 1978 में आई तेलुगु फिल्म 'प्रणम खरीदू' से उन्होंने बड़े पर्दे पर एंट्री की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और 750 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। उनका अभिनय सिर्फ संख्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर किरदार में उन्होंने अपने अभिनय की गहराई से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई।

हर रोल में छा गए कोटा श्रीनिवास राव

चाहे खलनायक का रोल हो या एक संवेदनशील पिता का, कोटा हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते थे। 'अतरिंटिकी डेरेडी', 'छत्रपति', 'बोम्मारिलु', 'शिवा' और 'गायम' जैसी फिल्मों में उनकी अदाकारी को आज भी सराहा जाता है। उनकी भूमिका ने हमेशा यह साबित किया कि साइड रोल करने वाले अभिनेता भी मुख्यधारा की चमक को मात दे सकते हैं। अपने लंबे करियर में श्रीनिवास राव ने साउथ के कई बड़े एक्टर्स के साथ काम किया था। महेश बाबू, जूनियर एनटीआर, प्रभाव और अल्लू अर्जुन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ कोटा श्रीनिवास काम कर चुके हैं।

हिंदी फिल्मों में भी किया काम

कोटा श्रीनिवास राव ने कई हिंदी फिल्मों में काम किया था। उनकी प्रमुख हिंदी फिल्मों में 'सरकार', 'डार्लिंग', 'बागी' और 'लक' जैसी फिल्में शामिल हैं।

कोटा श्रीनिवास राव के अवॉर्ड्स

कोटा राव को उनके अभिनय के लिए नौ बार राज्य नंदी पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। 2012 में उन्हें फिल्म 'कृष्णम वंदे जगद्गुरुम' के लिए SIIMA पुरस्कार भी मिला। तमिल सिनेमा में भी उन्होंने 2003 में 'सैमी' फिल्म के जरिए खास पहचान बनाई। इसके अलावा उन्हें राष्ट्रपति द्वारा साल 2015 में पद्म श्री अवॉर्ड भी मिल चुका है।

किन फिल्मों के लिए मिला अवॉर्ड?

अभिनय की दुनिया में महारत रखने वाले कोटा श्रीनिवास राव को नंदी अवॉर्ड्स के तहत 'प्रतिघातना' (1985) के लिए स्पेशल जूरी अवॉर्ड, 'गायम' (1993), 'तीरपू' (1994), 'गणेश' (1998), 'चिन्ना' (2001) जैसी फिल्मों में विलेन की भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ खलनायक का पुरस्कार और 'लिटिल सोल्जर्स' (1996), 'आ नालुगुरु' (2004), 'पेलैना कोथालो' (2006) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में सम्मान मिला।

विधायक के तौर पर भी काम किया

फिल्मों के साथ-साथ कोटा श्रीनिवास राव ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने 1999 से 2004 तक आंध्र प्रदेश विधानसभा में विजयवाड़ा ईस्ट से विधायक के रूप में जनसेवा की। एक अभिनेता और जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने समाज के अलग-अलग पहलुओं को समझा और उन्हें अपनी कला के जरिए इसे पेश भी किया।

कोटा श्रीनिवास की निजी जिंदगी के बारे में

निजी जीवन की बात करें, तो कोटा राव की जिंदगी में भी कई उतार-चढ़ाव आए। उनकी पत्नी रुक्मिणी और तीन बच्चों का परिवार था, लेकिन 2010 में एक सड़क दुर्घटना में उनके बेटे वेंकट अंजनेया प्रसाद का निधन हो गया।

प्रसाद खुद भी एक होनहार अभिनेता थे और उन्होंने अपने पिता के साथ 'गायम 2' जैसी फिल्मों में अभिनय किया था। कोटा के छोटे भाई कोटा शंकर राव भी अभिनय के क्षेत्र में हैं और धारावाहिकों में कार्य करते हैं।

'कुली' के 'मोनिका' गाने में पूजा हेगड़े का दिखा जबरदस्त अंदाज

थलाइवा रजनीकांत की आगामी फिल्म 'कुली' का दूसरा सिंगल सॉन्ग मोनिका आज रिलीज हो चुका है। इस गाने में पूजा ने अपने जबरदस्त डांस से फैंस का दिल जीत लिया है। इस गाने में पूजा रेट्रो अवतार में नजर आईं।

कुली से दूसरा सिंगल सॉन्ग मोनिका हुआ रिलीज

निर्माताओं ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म कुली से पूजा हेगड़े का दूसरा सिंगल सॉन्ग मोनिका शेयर किया। इस लुक में पूजा रेड थाई स्लिट ड्रेस में बेहद ही खूबसूरत दिख रही हैं। पूजा का स्टाइल और डांस दोनों ही फैंस को पसंद आ रहा है। निर्माताओं ने पूजा के इस गाने का वीडियो शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'मोनिका, मेरी प्यारी मोनिका! कुली 14 अगस्त से दुनिया भर में रिलीज होगी।

फिल्म कुली

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित 'कुली' में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रजनीकांत के अलावा फिल्म में कई स्टार कलाकार और आमिर खान का कैमियो है। यह फिल्म 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कलानिधि मारन की सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन, उपेन्द्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, श्रुति हासन, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर, मोनिशा ब्लेसी और काली वेंकट शामिल हैं।

फैंस के कमेंट्स

पूजा का धमाकेदार डांस और लुक देखने के बाद फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'वाह क्या लग रहा है गाना', एक और फैन ने लिखा, 'चार्टबस्टर', एक और फैन ने लिखा, 'सबसे प्यारा', एक और फैन ने लिखा, 'हमारे रॉकस्टार का एक और धमाकेदार गीत', एक और फैन ने लिखा, 'अगला ट्रेंडिंग गाना', एक और फैन ने लिखा, 'पूजा बेहद खूबसूरत हैं',एक और फैन ने लिखा, 'लाजवाब।'

अमिताभ से लेकर टाइगर तक के साथ किया काम इन बॉलीवुड फिल्मों में नजर आए थे श्रीनिवास राव

कोटा श्रीनिवास राव सिनेमाई दुनिया के उन दिग्गज अभिनेताओं में शुमार थे, जिन्हें साउथ से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाना जाता था। अभिनेता के निधन से पूरे मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई है। बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों के साथ भी दिवंगत अभिनेता ने काम किया था, जिसमें अमिताभ बच्चन से लेकर टाइगर श्रॉफ तक के नाम शामिल हैं। चलिए जानते हैं कोटा श्रीनिवास राव की बॉलीवुड फिल्मों के बारे में

प्रतिघात

साल 1987 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रतिघात' का निर्देशन एन.चंद्रा ने किया था। कोटा श्रीनिवास के बॉलीवुड करियर की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में सुजाता मेहता नजर आई थीं।

सरकार

अमिताभ बच्चन अभिनीत 'सरकार' फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कोटा श्रीनिवास नजर आए थे और उन्होंने इसमें सेल्वर मनी की भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन राम गोपाल वर्मा ने किया था, जो एक एक्शन-थ्रिलर मूवी थी। इसमें कोटा श्रीनिवास के अलावा कई दिग्गज एक्टर्स शामिल रहे, जिनमें अभिषेक बच्चन, केके मेनन, कैटरीना कैफ जैसे नाम थे।

दरवाजा बंद रखो

साल 2006 में एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'दरवाजा बंद रखो' रिलीज हुई। इसमें कोटा श्रीनिवास राव ने एक जानवर के डॉक्टर का किरदार निभाया था, जिनका नाम डॉक्टर उमापति था। जेडी चक्रवर्ती के निर्देशन में इस फिल्म का निर्माण किया गया था। फिल्म की कहानी चार बदमाशों के इर्द-गिर्द घूमती है।

डार्लिंग

राम गोपाल वर्मा के निर्देशन में ही साल 2007 में 'डार्लिंग' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कोटा श्रीनिवास राव ने सायकैट्रिस्ट की भूमिका निभाई थी। फिल्म में फरदीन खान, ईशा देओल आदि कलाकार भी मौजूद थे।

लक

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त की फिल्म 'लक' 2009 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म दर्शकों द्वारा काफी पसंद की गई थी। फिल्म में कोटा श्रीनिवास राव ने स्वामी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में दिवंगत अभिनेता के अलावा इमरान खान, मिथुन चक्रवर्ती, श्रुति हासन जैसे कलाकार नजर आए थे।

रक्त चरित्र

विवेक ओबरॉय और सूर्या अभिनीत 'रक्त चरित्र' 2010 में रिलीज हुई थी, जिसमें दिवंगत अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव ने राजिदी नागमणि रेड्डी की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा अभिनेता 'रक्त चरित्र 2' में भी नजर आए थे।

बागी

टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर अभिनीत 'बागी' में भी कोटा श्रीनिवास राव ने भूमिका अदा की थी। उन्होंने फिल्म में दसन्ना का किरदार निभाया था। यह फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी, जो दिवंगत एक्टर की आखिरी बॉलीवुड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन सब्बीर खान ने किया था।

काश! मैं बुरे लड़कों को बुरी तरह पीट सकती : संयमी खेर

कुछ वक्त में संयमी खेर ने अपनी फिल्मों और वैब सबको चकित किया है चाहे वह क्रिकेट पर बनी फिल्म 'घूमर' हो या सनी देओल वाली फिल्म 'जाट',जिसमें वह एक पुलिस अफसर के रोल में नजर आई थी, संयमी हर बार दमदार अंदाज में एक्शन करती दिखी। इसके अलावा वह वैब सीरीज 'स्पैशल ऑप्स' के पहले सीजन में भी थी। पहले सीजन में उसने एक एक्शन-भरा किरदार निभाया था और अब सीजन 2 में भी उसकी मौजूदगी दर्शकों को फिर से रोमांचित करेगी।

'स्पैशल ऑप्स 2' के ट्रेलर लॉन्च पर संयमी ने एक ऐसी बात कह दी जिसे कहने से ज्यादातर अभिनेत्रियां झिझकती हैं, लेकिन उसने बिना हिचक के अपनी बात रखी। उसने जिस अंदाज में औरतों के अंदर के गुस्से और भावना को जाहिर किया, उस पर इवेंट में जमकर तालियां भी बजीं।

संयमी ने कहा, नीरज सर का धन्यवाद, क्योंकि एक एक्टर के तौर पर आप हर तरह के रोल करना चाहते हो, चाहे वह ग्रे हो, ब्लैक हो, व्हाइट हो, ऑरेंज हो, क्योंकि आप बस काम करते रहना चाहते हो लेकिन औरतों के लिए कुछ खास तरह के रोल होते हैं जो लोग लिखते ही नहीं हैं, और आप हमेशा सोचते रहते हो कि ऐसा क्यों है लेकिन 'स्पैशल ऑप्स' से भी पहले, मुझे लगता है कि नीरज सर ने फिल्म 'बेबी' में तापसी के साथ जो किया, वह सच में बहुत अलग था। एक दर्शक के तौर पर मैंने वह देखा और मैंने कहा, वाह ! मैंने इससे पहले इंडियन सिनेमा में ऐसा कुछ कभी नहीं देखा ।

उसने आगे कहा, "तो वह हमेशा से ऐसा क र ते आए हैं और हुक्की हूं कि मुझे 'जूही' का किरदार मिला क्योंकि पहले सीजन में मुझे एक्शन करना बहुत पसंद आया, मुझे लड़कों की पिटाई करना बहुत अच्छा लगा और मुझे याद हैं कि एक किरदार था जिसे मैंने डंडे से मारा था। काश मैं लड़कों को पीट सकती। मैं अपने हाथ नहीं रोक पाती क्योंकि यही असली भावना होती है जो औरतों के अंदर से आती है ।

'जब आप देखते हो कि सड़क पर इतने लोग हैं जो फब्तियां कस रहे हैं या बदतमीजी कर रहे हैं तो अंदर से औरतों को ऐसा लगता है कि 'मुझे एक डंडा दे दो या मुझे एक बंदूक दे दो, मैं तुम्हें दिखाती हूं कैसे करते हैं।' और उन्होंने (नीरज सर ने) मुझे यह मौका दिया, तो मैं वाकई में बहुत खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी बुरे लोगों की पिटाई करती रहूं।

गौरतलब है कि संयमी ने 'ब्रीद' और 'फाडू' जैसी वैब सीरीज में भी अहम किरदार निभाए हैं। वैसे सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, संयमी खेलों में भी माहिर है। उसने प्रोफैशनली बैडमिंटन खेला है, वह स्विमिंग करती है, उसे पर्वतारोहण में दिलचस्पी है और क्रिकेट की भी अच्छी समझ रखती है।

किया है कास्टिंग काऊच का सामना

संयमी के करियर को 10 साल हो चुके हैं। एक तेलुगु फिल्म 'रे' से उसने करियर की शुरुआत की। इसके बाद साल 2016 में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्जिया' से बॉलीवुड में कदम रखा। अब तक वह कई फिल्में और कुछ वैब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उसने बताया कि जब करियर की शुरूआत में स्ट्रगल कर रही थी तो उसे भी कास्टिंग काऊच का सामना करना पड़ा। संयमी ने याद किया कि जब वह सिर्फ 19 साल की थी, तब ऐसा उसके साथ हुआ था । उसने खुलासा करते हुए कहा, मुझे अब तक मिले सभी ऑफर्स के मामले में मैं बहुत लक्की रही हूं। फिल्म इंडस्ट्री में, एक एजैंट ने मुझे 19 या 20 साल की उम्र में एक तेलुगु फिल्म के लिए बुलाया था । उस ने क हा , 'आपको कॉम्प्रोमाइज तो करना होगा।' मैं उसे समझने और परखने की कोशिश कर रही थी, क्योंकि वह खुद भी एक महिला थी, जो मेरे से यह बात कर रही थी । यह सुनकर मैं शॉक्ड थी ।

संयमी ने आगे बताया, "मैंने उससे कहा, 'मैम, मैं समझ नहीं पा रही हूं कि आप क्या कह रही हैं।' मैंने यह बार-बार दोहराया और फिर आखिरकार उसने कहा, 'देखो, तुम्हें समझना होगा।' तो मैंने कहा कि मुझे दुख है कि आपको लगता है कि मुझे इस रास्ते पर जाना चाहिए। मेरी कुछ लिमिट्स हैं, जिन्हें मैंने कभी पार नहीं किया है और अपनी जिंदगी में कभी पार नहीं करूंगी।

फिल्मी परिवार से है नाता

1950 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ऊषा किरण संयमी खेर की दादी हैं। संयमी के पिता मॉडल रह चुके हैं। साथ ही संयमी की बुआ तन्वी आजमी भी नामी एक्ट्रैस हैं। संयमी की बड़ी बहन संस्कृति भी मराठी फिल्मों में एक्टिंग करती हैं । इस तरह संयमी का लगभग पूरा परिवार ही फिल्मों से जुड़ा है। कॉस्मैटिक सर्जरी पर बोली संयमी ने कॉस्मैटिक सर्जरी के बारे में भी बात की। जब एक इंटरव्यू में उससे पू छा गया कि क्या एक्टर्स पर कॉस्मैटिक प्रक्रियाओं से गुजरने का दबाव होता है, तो संयमी ने जवाब दिया, " सिर्फ एक्ट्रैस पर ? नहीं, मुझे लगता है कि यह एक्टर और एक्ट्रैस सभी पर होता है । मेरे विचार से अगर कोई अपनी लुक से खुश नहीं है और वह कुछ करने के लिए तैयार है, तो उसे ऐसा करना चाहिए अगर इससे वह बेहतर और खुश महसूस करता है लेकिन आप दुनिया की सोच से इतने प्रभावित नहीं हो सकते। यह मेरी राय है। कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि मुझे लिप जॉब और नाक की सर्जरी करानी चाहिए लेकिन मैं ठीक हूं। मुझे अपने होंठ वैसे ही पसंद हैं, जैसे वे हैं। मुझे उनसे कोई समस्या नहीं है।

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में एक साथ काम कर रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं।

जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं।

कार्तिक आर्यन ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है 'लाइट, कैमरा और द ओजी 'हीरो'। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी'।'

मेकर्स ने शेयर किया पहला लुक

इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

फिल्म के बारे में

फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म, कार्तिक आर्यन और समीर विद्वांस की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'सत्यप्रेम की कथा' में काम किया था।

कार्तिक और जैकी का काम

आने वाले महीनों में, कार्तिक 'फुकरे' फेम निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित 'नागजिला' में भी नजर आएंगे। 'नागजिला' 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दूसरी ओर, जैकी श्रॉफ जल्द ही अनुपम खेर द्वारा निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऐसे बनिए एक अच्छे मैनेजर

किसी भी बिजनैस में सफलता के लिए जरूरी है कि आप एक अच्छे मैनेजर साबित हों। अच्छा मैनेजर वही कहलाएगा जो अपने तहत काम करने वाले कर्मचारियों को खुश रखने के साथ ही उनसे बेहतरीन ढंग से काम ले सकता हो।

अच्छे मैनेजरों के तहत काम करने वाले कर्मचारियों की रुचियां कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप होती हैं। यदि आपके साथ ऐसा नहीं है तो यहां दिए 3 तरीकों को आजमाएं, जिनसे यह तालमेल बैठाना सुनिश्चित हो जाएगा कि आपकी कम्पनी कर्मचारियों से जो करवाना चाहती है, वे उसी

तरह से काम करें।

अपने कर्मचारियों की सभी प्राथमिकताएं जानें

समीक्षा के समय का इंतजार न करें बल्कि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों से पूछते रहें कि वे व्यक्तिगत रूप से किस चीज की सबसे ज्यादा परवाह करते हैं। मैनेजर के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि कौन- सी चीज उन्हें प्रेरित करती है।

कम्पनी की प्राथमिकताएं व्यक्त करें

अपने कर्मचारियों को बता दें कि कम्पनी को अगले सप्ताह महीने और वर्ष में क्या हासिल करने की जरूरत है। प्राथमिकताओं में हेर-फेर न करें। उन्हें यह बात स्पष्टता से और बार-बार बताएं।

रूचियों को जिम्मेदारियों के तालमेल में लाएं: जब दोनों चीजें स्पष्ट हो जाएं तो कर्मचारियों की रुचि को कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाने की अधिकतम कोशिश करें।

'इंश्योरेंस सैक्टर' में रोजगार के अवसर

इंश्योरेंस सैक्टर उन फील्ड्स में एक है जो पिछले कुछ वर्षों से तेजी से विस्तार कर रहा है। इसमें रोजगार के कई अवसर हैं। अगर आप भी इस सैक्टर में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो यह अच्छा समय है। खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हैल्थ सैक्टर में काफी बूस्ट आया है। हालांकि, आज लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कम्पनियों के पास पॉलिसी हैं।

जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सरकारी कम्पनियों जैसे जीवन बीमा निगम, राष्ट्रीय बीमा कम्पनी के अलावा कितनी ही निजी इंश्योरेंस कम्पनियां भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं।

ग्रैजुएशन के बाद छात्र इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस सैक्टर में 12वीं के बाद भी प्रवेश कर सकते हैं। आजकल कई कम्पनियां ग्रैजुएट छात्रों को पार्ट-टाईम जॉब का ऑफर भी देती हैं। फिर भी विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए कॉलेज के बाद इंश्योरेंस मैनेजमैंट में मास्टर्स डिग्री लेना श्रेयस्कर रहेगा।

यदि आपमें सेलिंग स्किल, पीपल स्किल हैं तथा आप लोगों की परेशानियों को समझते व उन्हें वित्तीय मदद भी देने को सदैव तैयार रहते हैं तो इंश्योरेंस सैक्टर आपके लिए बेहतर होगा। वास्तविक दुनिया में इंश्योरेंस का महत्व शुरूआत में ही समझा जाना चाहिए।

इस तरह करें शुरूआत

आप किसी लोकप्रिय इंश्योरेंस कम्पनी के इंश्योरेंस एजेंट या सेल्स एग्जीक्यूटिव इंश्योरेंस के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको इरडा (भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण) द्वारा संचालित एजैंट परीक्षा पास करनी होगी। कुछ सालों तक इस तरह काम करने के बाद आप इंश्योरेंस मैनेजर भी बन सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

इंश्योरेंस को करियर बनाने के लिए दो तरह की स्किल्स की आवश्यकता होती है- पहला, लोगों को आसानी से दोस्त बनाना और दूसरा, उनकी परेशानी को सही ढंग से पहचान कर उन्हें इंश्योरेंस के महत्व को समझाना। आप उन्हें समझा सकते हैं कि भविष्य में होने

वाली किसी दुर्घटना से इंश्योरेंस कैसे सुरक्षा प्रदान करता है। इंश्योरेंस कम से कम वित्तीय रूप से लोगों को सुरक्षा तो प्रदान कर ही सकता है।

इंश्योरेंस प्रोफैशनल्स के लिए रोजगार की सम्भावनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आप एक इंश्योरेंस एजैंट के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं जहां आपको लोगों को बीमा पॉलिसी बेचनी होती है। इसके लिए आपको निश्चित टार्गेट दिया जाता है जिसे आपको प्रीमियम के रूप में कम्पनी के लिए कमाकर पूरा करना होता है।

इसके बदले में आपको कमीशन दिया जाता है। इसके अलावा सेल्स मैनेजर इंश्योरेंस का पद भी महत्वपूर्ण होता है जहां आपको इंश्योरेंस एजेंटों की एक टीम को संभालना होता है। आप इंश्योरेंस अंडरराईटर के रूप में भी अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं।

एक्चुरियल साइंस में मौके

इंश्योरेंस सैक्टर में बतौर एक्चुरियल प्रोफैशनल भी करियर बनाने के अच्छे मौके हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रैजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टैटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना आवश्यक है जबकि पी.जी. डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स स्टैटिस्टिक्स, इकोनॉमैट्रिक्स सब्जैक्ट से स्नातक जरूरी है। छात्र इंस्टीच्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मैम्बर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं।

एक्चुरी प्रोफैशनल बनने के लिए छात्रों को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फैलो मैम्बर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

कार्य क्षेत्र

एक्चुरियल प्रोफैशनल मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मैथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनांस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। वे यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कम्पनी को पैंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफैशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफैशनल्स को इंश्योरैंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

योग्यता : अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर, असिस्टैंट डिवैल्पमैंट अफसर, इंश्योरेंस सर्वेयर, एक्चुरी मैनेजर, रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। इस फील्ड में भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि यहां की कम्पनियां वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रही हैं।

न बनें 'लेट-लतीफ'

क्या आपने कभी सोचा है कि देर क्यों हो जाती है? मैं तो इसका केवल एक ही कारण मानता हूं और वह यह है कि हम यह सोचते हैं कि अभी बहुत समय बाकी है। इस तरह हमारा समय कब खत्म हो जाता है, पता ही नहीं चलता।

जो इंसान यह सोचता है कि अभी बहुत समय बाकी है, उसे देर जरूर होती है। होता यूं है कि जब इंसान यह सोचता है कि अभी बहुत समय है तो वह समय को गंवाना शुरू कर देता है। इससे काम इकट्ठे होने शुरू हो जाते हैं। जब वह काम को करना शुरू करता है तो हड़बड़ाहट पैदा होती है। बीच में कोई न कोई टांग जरूर अड़ जाती है।

क्या आपको नहीं लगता कि जब आपको देर हो रही होती है तो आमतौर पर ट्रैफिक भी मिलता है ? रैड लाइट्स भी बार- बार मिलती हैं। आप जितनी जल्दी करते हैं, उतनी देर होती चली जाती है, लेकिन सच्चाई यह है कि सारी गड़बड़ हड़बड़ाहट के कारण हो रही है। समय से पहले काम कर लेना उपलब्धि है, गलत आदत नहीं है। आप उस समय का कई तरीकों से लाभ उठा सकते हैं। अगर बहुत वक्त बाकी है तो फिर आलस्य क्यों करते हैं, उस समय का सदुपयोग क्यों नहीं करते ?

'इंटरव्यू' से पहले

आप जब किसी कम्पनी में इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो आपको पहले उस कम्पनी के बारे में जानकारी होना आवश्यक है कि वह कम्पनी क्या काम करती है उसके उत्पाद, विजन, मिशन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इससे आप खुद को इंटरव्यू के लिए बेहतर ढंग से तैयरा कर सकते हैं।

आप इंटरव्यू में उपस्थित होने के लिए पहले से ही तैयारी करें। अपने दोस्तों से परामर्श करें। साथ ही साथ इंटरव्यू से संबंधित जानकारी हासिल करें। वैसे अक्सर कुछ इस तरह के सवाल पूछे जाते हैं :

अपने बारे में बताओ ? अपने सी.वी. के बारे में विस्तार

से जानकर ट्रो अपना इंट्रोडक्शन दो ?

क्या आप इस कम्पनी के बारे में कुछ जानते हैं?

आप इस कम्पनी से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

आप इस इंडस्ट्री से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

अपनी कमजोरियों और ताकत के बारे में कुछ बताएं?

हमेशा एक सकारात्मक सोच रखें, इंटरव्यू को लेकर घबराएं न, सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू हैं तो इनसे डरने की बात नहीं। आप तैयारी के साथ जाएं-सफल और असफल होने तो हर किसी के साथ होता है। बस अपना अच्छा प्रयास करें और मेहनत के साथ अपने पथ पर चलते रहे, एक न एक दिन अपनी मंजिल को पा ही लेंगें।

बिहार में 14 विषयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती

बिहार लोक सेवा आयोग ने स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के अधीन पटना और बेगूसराय स्थित राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापक पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इच्छुक उम्मीदवार 15 जुलाई से 8 अगस्त 2025 तक bpsc.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती अभियान का उद्देश्य 88 सहायक प्रोफेसर पदों को भरना है।

शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य

उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.ए.एम.एस. की डिग्री होनी चाहिए, जो भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद या भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त हो। इसके अलावा, संबंधित विषय में स्नातकोत्तर डिग्री भी अनिवार्य है। साथ ही उम्मीदवार ने इंटर्नशिप प्रशिक्षण भी पूरा किया होना चाहिए।

पंजीकरण और अन्य शर्तें

उम्मीदवार का नाम बिहार राज्य आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा परिषद, पटना में अद्यतन रूप से पंजीकृत होना चाहिए। यदि पंजीकरण नहीं है, तो चयन के बाद पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। साथ ही, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार टीचर कोड प्राप्त होना जरूरी है। ध्यान रखें, विदेशी विश्वविद्यालयों से प्राप्त डिग्री इस पद के लिए मान्य नहीं मानी जाएगी।

आयु सीमा

उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त 2025 को न्यूनतम 27 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा सामान्य वर्ग के लिए 45 वर्ष, पिछड़ा/अति पिछड़ा वर्ग के लिए 48 वर्ष, महिलाओं (सभी वर्गों) के लिए भी 48 वर्ष, और अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 50 वर्ष निर्धारित है। वहीं, जो चिकित्सक पहले से बिहार राज्य आयुष चिकित्सा सेवा में कार्यरत हैं, उनके लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष तय की गई है।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

इस भर्ती के लिए एससी/एसटी/महिला उम्मीदवारों से कोई आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग) उम्मीदवारों को 25 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। वहीं, अन्य सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले आप आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर जाएं

इसके बाद, ऑनलाइन आवेदन टैब पर जाएं

अपना पंजीकरण कराएं और आवेदन प्रक्रिया आगे बढ़ाएं

इसके बाद, फॉर्म भरकर शुल्क का भुगतान करकें और फॉर्म जमा कर दें।

अंत में भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र का एक प्रिंटआउट ले लें।

कैसे निखारें डिजिटल मार्केटिंग में अपना करियर, लाखों में मिलती है सैलरी

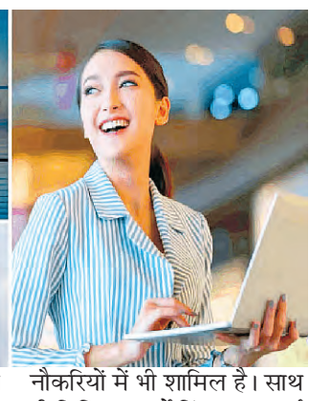

आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। 'द सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी' के अनुसार वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में कई संस्थाओं और थिंक टैंक का मानना है कि युवाओं को अब रोजगार के परंपरागत तरीकों से हटकर कुछ और भी सोचना होगा। दरअसल बेरोजगारी की समस्या से परेशान युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग तरक्की के नए रास्ते खोल रहा है। आज पूरी दुनिया डिजिटिलाइजेशन की ओर बढ़ रही हैं और कंपनियां अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए काफी संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की नौकरी अभी टॉप 10 डिमांड्स वाली नौकरियों में भी शामिल है। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। देश विदेश के बाजार में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए देश की जानी-मानी एडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम ने अब देश के युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग में दक्ष बनाने के लिए एक खास स्किल डेवलपमेंट कोर्स की शुरुआत की है। आप इस लिंक डिजिटल मार्केटिंग पर क्लिक करके इस खास कोर्स से जुड़ सकते हैं और घर बैठे इस कोर्स की सहायता से डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।

ये भी सीखें

मास्टर डिजिटल मार्केटिंग
एडवांस डिजिटल मार्केटिंग
प्रोफेशनल डिजिटल मार्केटिंग
12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए है बंपर नौकरियां
डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में उन 12वीं से लेकर ग्रेजुएट युवाओं के लिए बंपर नौकरियां हैं जिन्होंने डिजिटल स्किल हासिल की हुई है। पूरे भारत में अभी आने वाले वर्ष में 8 लाख से अधिक डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड बनी हुई है। साथ ही यह उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में भी और नौकरी इस फील्कीड में निकलेंगी। इसलिए युवा बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए सफलता के खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की सहायता ले सकते हैं। इस कोर्स की खास बात यह है कि इसमें एडमिशन लेने के लिए आपको किसी खास डिग्री की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सफलता द्वारा शुरू किए गए खास डिजिटल मार्केटिंग कोर्स में आपको डिजिटल मार्केटिंग के 20 टूल्स और 10 मॉड्यूल्स से परिचित कराया जाता है और यहां आपको गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरियंस्ड फैकल्टीज से पढ़ने का मौका मिलता है। साथ ही आपको इंटरव्यू की भी तैयारी कराई जाती है। इसके अलावा आपको एक्सपर्ट फैकल्टीज से सीखने का मौका तथा इनके मास्टर क्लास सेशन्स में भी शामिल होने का मौका मिलता है। तो देर किस बात की आज ही इस कोर्स से जुड़े और डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाएं।

सफलता के साथ करें कॅरियर प्लान

अगर आप भी ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने कॅरिअर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद आपको सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही कॅरिअर चुनने में मार्गदर्शन भी करेंगे।

एम्स पटना में सीनियर रेजिडेंट की भर्ती स्नातकोत्तर डिग्रीधारकों के लिए मौका!

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , पटना ने सीनियर रेजिडेंट के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 152 रिक्त पदों को भरा जाएगा। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार तय समय सीमा के भीतर आधिकारिक वेबसाइट allmspatna.edu.in पर जाकर 30, जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

सीनियर रेजिडेंट के पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास संबंधित विषय में स्नातकोत्तर चिकित्सा डिग्री होनी चाहिए, जैसे कि एमडी/एमएस/डीएनबी/डीएम/एम.सीएच। विशेष रूप से क्लिनिकल हेमेटोलॉजी विभाग के लिए, जनरल मेडिसिन या पीडियाट्रिक्स में एमडी डिग्रीधारी उम्मीदवार भी पात्र माने जाएंगे। सभी डिग्रियाँ मान्यता प्राप्त संस्थानों से होनी चाहिए।

उम्मीदवार की अधिकतम आयु 30 जुलाई 2025 तक 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, आरक्षित वर्गों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, PwD आदि को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। आयु सीमा की गणना के लिए निर्धारित तिथि और नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क

सामान्य (General) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए 1,500 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं, अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के आवेदकों को 1,200 रुपये शुल्क देना होगा।

कैसे करें ऑनलाइन आवेदन?

सबसे पहले एम्स पटना की आधिकारिक वेबसाइट aiimspatna.edu.in पर जाएं] अब रिक्रूटमेंट सेक्शन में जाएं और सीनियर रेजिडेंट 2025 लिंक पर क्लिक करें।

अपने ईमेल और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण करें।

आवेदन पत्र में मान्य विवरण भरें।

कॉलेज में नौकरी करना पहचान और जुनून को निखारने का मंच; इन बातों का रखें ख्याल

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में कॉलेज के छात्रों पर नौकरी पाने की होड़ इतनी हावी हो गई है कि वे अनावश्यक दबाव महसूस करने लगे हैं। इसे 'प्री-प्रोफेशनल प्रेशर' के नाम से जाना जाता है। यह एक ऐसी मानसिकता है, जिसमें छात्र महसूस करते हैं कि कॉलेज ही नौकरी पाने का एकमात्र मंच है।

पहला लक्ष्य पढ़ाई हो

बड़ी कंपनियों में नौकरी करना हर छात्र का ख्वाब होता है। इसी वजह से वे कॉलेज के पहले साल से ही विभिन्न कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रमों में शामिल होने लगते हैं। इन कार्यक्रमों की चकाचौंध और परिणामों को देखकर वे फिजूल का दबाव महसूस करने लगते हैं। बेशक आप ऐसे प्रोग्राम में शामिल हों, लेकिन महज अनुभव लेने के लिए। कॉलेज के तीसरे साल से पहले नौकरी के ख्याल और दबाव को खुद पर हावी न होने दें। शुरुआती तीन साल अपना ध्यान पढ़ाई पर ज्यादा केंद्रित करें।

रुचियों का लुत्फ उठाएं

आपको कॉलेज केवल अच्छे ग्रेड या बेहतर नौकरी पाने के उद्देश्य से नहीं जाना चाहिए, बल्कि इसका इस्तेमाल खुद को और अपने रिज्यूमे को परफेक्ट बनाने के लिए भी करना चाहिए। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट्स और वर्कशॉप्स के माध्यम से सीखने की कोशिश करें, ताकि आगे चलकर आपको नौकरी के बेहतर अवसर मिल सकें। साथ ही, अपनी रुचियों को दबाने की बजाय उनका खुलकर लुत्फ उठाएं।

आत्ममंथन करें

आपको चाहिए की कॉलेज में दाखिला लेने से पहले खुद का आत्ममंथन करें। इसके लिए अपने आप से पूछें कि कॉलेज से आप क्या पाना चाहते हैं, सिर्फ नौकरी या खुद का संपूर्ण विकास?

अभिभावकों की भूमिका

अंत में, अभिभावकों को भूमिका भी बेहद अहम हो जाती है कि वे अपने बच्चों पर नौकरी का अनावश्यक दबाव न बनने दें। उन्हें चाहिए कि वे उनकी रुचियों और खुशियों को प्राथमिकता दें, न कि केवल सुरक्षित कॅरिअर विकल्पों को।

यूनिकार्न कंपनी अमेरिका में 6, चीन में 3, भारत में 1 है, मुकेश अंबानी ने बढ़ाया तिरंगे की शान

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में स्टार्टअप्स की संख्या हाल में तेजी से बढ़ी है और इनमें से कई कंपनियां यूनिकॉर्न बन चुकी हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में करीब 122 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। यूनिकॉर्न उस कंपनी को कहते हैं जिसकी वैल्यू 1 अरब डॉलर से अधिक होती है।

क्रंचबेस के मुताबिक दुनिया में सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न अमेरिका में हैं। उसके बाद चीन और फिर भारत का नंबर है। जानिए कौन हैं दुनिया की सबसे बड़ी यूनिकॉर्न कंपनी और टॉप 10 में भारत की कितनी कंपनियां शामिल हैं। क्रंचबेस के मुताबिक अमेरिका में सबसे ज्यादा 793 यूनिकॉर्न हैं। चीन में यह संख्या 284 और भारत में 88 है। यूके में 40 और यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी में 40 यूनिकॉर्न हैं। फ्रांस और कनाडा में 30-30, सिंगापुर और इजरायल में 22-22, साउथ कोरिया में 21, ब्राजील में 20, जापान में 16, हॉन्ग कॉन्ग और ऑस्ट्रेलिया में 12-12, मेक्सिको, आयरलैंड और इंडोनेशिया में 10-10, स्विट्जरलैंड और नीदरलैंड्स में 9-9 और स्वीडन में 8 यूनिकॉर्न हैं।

कौन-कौन है टॉप 10 में

यहां तक सबसे बड़ी यूनिकॉर्न कंपनियों का सवाल है तो दुनिया को टॉप 10 कंपनियों में अमेरिका की 6, चीन की तीन और भारत की एक कंपनी है। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स 350 अरब डॉलर की वैल्यू के साथ दुनिया की सबसे बड़ी यूनिकॉर्न है। चैटजीपीटी चलाने वाली ओपनएआई 300 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर है। टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस 220 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। चीन की कंपनी एंटग्रुप 150 अरब डॉलर की वैल्यू के साथ चौथे नंबर पर है। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल 100 अरब डॉलर की वैल्यू के साथ पांचवें नंबर पर है।

यह भारत की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है। मस्क की एक और कंपनी एक्सएआई 70 अरब डॉलर के साथ छठे, चीन की शीन (66 अरब डॉलर) सातवें, अमेरिका की स्ट्राइप (65 अरब डॉलर) आठवें, डेटाब्रिक्स (62 अरब डॉलर) नौवें और एंथ्रोपिक (62 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर है।

कर्ज चुकाने के बाद पैसा जुटाने की तैयारी में अनिल अंबानी की कंपनी

एक साल में 100% चढ़ चुका है शेयर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी अब अलग-अलग तरीकों से पैसा जुटाने की तैयारी में है। इससे कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और विकास की योजनाओं को गति मिलेगी। कंपनी ने बताया है कि 16 जुलाई, 2025 को बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स की मीटिंग होगी। इस मीटिंग में पैसे जुटाने की रणनीति पर बात होगी। कंपनी ने हाल में अपना सारा कर्ज चुका दिया है।

रिलायंस इन्फ्रा का कहना है कि मीटिंग में इक्विटी शेयर/इक्विटी लिंक्ड सिक्योरिटीज जारी करके, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या किसी अन्य तरीके से और/या नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स के माध्यम से लंबी अवधि के संसाधन जुटाने पर विचार किया जाएगा। यानी कंपनी कई तरह से निवेशकों से पैसा ले सकती है। कंपनी इक्विटी शेयर जारी कर सकती है। इक्विटी से जुड़े सिक्योरिटीज भी जारी कर सकती है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए भी पैसा जुटाया जा सकता है। इसके अलावा, नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स भी जारी किए जा सकते हैं।

कैसे जुटाया जाएगा पैसा

एनसीडी एक तरह का लोन होता है, जिसे बाद में इक्विटी में नहीं बदला जा सकता। कंपनी एक या एक से ज्यादा बार में ये सब कर सकती है। बोर्ड मीटिंग में इस पर भी विचार होगा कि शेयरधारकों से मंजूरी लेनी है या नहीं। अगर ज्यादा पैसे जुटाने की जरूरत हुई, तो शेयरधारकों की स्पेशल मीटिंग बुलाई जा सकती है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट का मतलब है कि कंपनी बैंकों और बीमा कंपनियों जैसे बड़े निवेशकों को शेयर बेचेगी। इससे पता चलता है कि कंपनी को अपनी तरक्की पर भरोसा है।

यह खबर ऐसे समय में आई है जब कंपनी जल्द ही पहली तिमाही के नतीजे जारी करने वाली है। इससे निवेशकों को पता चलेगा कि कंपनी कैसा प्रदर्शन कर रही है और उसे और पैसे की जरूरत क्यों है। कंपनी के शेयर की कीमत और निवेशकों की प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि पैसे जुटाने की शर्तें कैसी हैं। अगर शर्तें अच्छी होंगी, तो निवेशक ज्यादा आकर्षित होंगे।

रेटिंग में सुधार

हाल में कंपनी के लिए एक और अच्छी खबर आई। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को तीन पायदान ऊपर कर दिया है। पहले कंपनी की रेटिंग "इंड डी" थी, जिसे अब 'आईएनडी बी/स्थिर/आईएनडी ए4' कर दिया गया है। क्रेडिट रेटिंग से पता चलता है कि कंपनी लोन चुकाने में कितनी सक्षम है। रेटिंग बढ़ने से कंपनी के लिए लोन लेना आसान हो जाएगा। रिलायंस इन्फ्रा के शेयर पिछले एक साल से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान शेयर की कीमत 97% तक बढ़ गई है। इस साल अब तक इस शेयर में करीब 18% की उछाल आई है। यह निफ्टी और सेंसेक्स जैसे बड़े इंडेक्स से कहीं ज्यादा है। निफ्टी और सेंसेक्स में इस साल 3% से थोड़ा ज्यादा ही बढ़ोतरी हुई है। पिछले पांच साल में कंपनी का शेयर 2000% से अधिक चढ़ा है। 27 जून को यह 425 रुपये पर पहुंच गया था जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है।

अंबानी-अडानी से ज्यादा पैसा लेकिन दुनिया ने आज तक नहीं देखा चेहरा, कौन हैं सतोशी नाकामोतो

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 1,18,000 डॉलर पहुंच चुकी है। इस साल इसकी कीमत में 55% से ज्यादा तेजी आई है। इसके साथ ही इसके क्रिएटर सतोशी नाकामोतो दुनिया के 12वें सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। माना जाता है कि जनवरी से जुलाई 2009 के बीच नाकामोतो ने 10 लाख से अधिक बिटकॉइन ढाले थे। मौजूदा कीमत के हिसाब से देखें तो नाकामोतो के पास 129 अरब डॉलर के बिटकॉइन हैं। इस हिसाब से देखें तो वह दुनिया के 12वें बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी (109 अरब डॉलर) और गौतम अडानी (84.2 अरब डॉलर) से भी ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनयर इंडेक्स के मुताबिक नेटवर्थ के मामले में नाकामोतो से आगे केवल एलन मस्क ($360 अरब), मार्क जकरबर्ग ($253 अरब), लैरी एलिसन ($247 अरब), जेफ बेजोस ($245 अरब), स्टीव बालमर ($173 अरब), लैरी पेज ($163 अरब), बर्नार्ड अरनॉल्ट ($160 अरब), सर्गेई ब्रिन ($153 अरब), जेंसन हुआंग ($144 अरब), वॉरेन बफे ($143 अरब) और माइकल डेल ($137 अरब) हैं। उनकी नेटवर्थ माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स ($123 अरब) से ज्यादा है। लेकिन नाकामोतो को आज तक किसी ने देखा नहीं है। नाकामोतो ने अक्टूबर 2008 में पब्लिक एमआईटी लाइसेंस के तहत बिटकॉइन वाइटपेपर जारी किया था। 3 जनवरी, 2009 को बिटकॉइन के पहले ब्लॉक की ढलाई की गई थी। इसके साथ ही बिटकॉइन नेटवर्क के लॉन्च की औपचारिक शुरुआत हुई थी। इससे क्रिप्टोकरेंसी और ब्लॉकचेन मूवमेंट शुरू हुआ। साल 2010 में जाने माने क्रिप्टोकरेंसी रिसर्चर सर्जियो डेमियन लर्नर ने सतोशी नाकामोतो की बिटकॉइन होल्डिंग के बारे में एक रिसर्च पेपर पब्लिश किया था। उनका कहना है कि नाकामोतो के पास 10 लाख बिटकॉइन हो सकते हैं। बिटकॉइन एक तरह की क्रिप्टोकरंसी है। 'क्रिप्टो' का मतलब होता है 'गुप्त'। यह एक डिजिटल करंसी है, जो क्रिप्टोग्राफी के नियमों के आधार पर काम करती है।

सही दाम न मिलने से बासमती में किसानों की रुचि नहीं, पंजाब में सरकार के प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ा रकबा

चंडीगढ़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद किसान बासमती की खेती में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। पंजाब सरकार ने इस बार सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बासमती की खेती का लक्ष्य तय किया है।

इसके बावजूद अभी तक सिर्फ 3.60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही बासमती की रोपाई हो पाई है। किसान सही दाम न मिलने को बासमती की खेती में रुचि न दिखाने का प्रमुख कारण बता रहे हैं। इस कारण बासमती निर्यातकों की चिंता भी बढ़ गई है। उनका कहना है कि इससे निर्यात पर भी असर पड़ेगा। वे बासमती की मांग पूरी नहीं कर पाएंगे। ईरान-इस्राइल युद्ध के कारण पहले ही प्रदेश के बासमती निर्यातकों को नुकसान उठाना पड़ा है।

बासमती में कम लगता है पानी

पंजाब में बासमती की खेती के लिए जून मध्य से जुलाई के पहले सप्ताह तक का समय उपयुक्त माना जाता है। इस दौरान मौसम भी फसल के लिए अनुकूल होता है, क्योंकि बारिश भी फसल के विकास में मदद करती है। हालांकि किसान जुलाई के पूरे महीने भी बासमती की खेती करते रहते हैं।

बासमती के लिए धान की अन्य किस्मों के मुकाबले कम पानी की आवश्यकता होती है। इस कारण पंजाब सरकार भी बासमती की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करती है लेकिन इसके कुछ अच्छे परिणाम नहीं मिल रहे।

निर्यातकों में डर

पंजाब में बासमती की खेती वर्ष 2015-16 में 7.63 लाख हेक्टेयर एरिया से कम होकर वर्ष 2024-25 में 6.80 लाख हेक्टेयर एरिया पर पहुंच गई है। पिछले साल सरकार वर्ष 2023 के मुकाबले बासमती का क्षेत्र बढ़ाने में सफल भी रही थी। वर्ष 2023-24 में 5.96 लाख हेक्टेयर एरिया में बासमती की खेती हुई थी। बासमती की 1121 समेत अलग-अलग किस्मों के दाम भी वर्ष 2022-23 में 4500 प्रति क्विंटल से गिरकर वर्ष 2023-24 में 3500 से 3600 प्रतिशत क्विंटल तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा अमेरिका के साथ अभी तक ट्रेड डील फाइनल न होने के कारण भी निर्यातकों में फिलहाल डर है।

10 प्रतिशत कम दाम पर फसल बेचने को मजबूर

पंजाब बासमती मिलर्स एंड एक्सपोर्ट एसोसिएशन के प्रधान बाल कृष्ण बाली ने बताया कि सरकार ने 7 लाख हेक्टेयर का लक्ष्य तो तय कर लिया है लेकिन अधिकतर किसान बासमती की खेती से मुंह मोड़ रहे हैं। किसानों को पिछले साल फसल का सही दाम नहीं मिल पाया था और किसान 10 प्रतिशत कम दाम पर फसल बेचने पर मजबूर हुए थे। इससे बासमती का निर्यात भी प्रभावित होगा। इससे वह मांग पूरी नहीं कर पाएंगे। पंजाब से बासमती का निर्यात मुख्य रूप से ईरान, सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात और यमन को होता है। इसके अलावा अमेरिका, सिंगापुर और मलयेशिया में भी पंजाब के बासमती का निर्यात होता है। वर्ष 2023 में 52 लाख टन के मुकाबले वर्ष 2024 में निर्यात 60 लाख टन तक पहुंच गया है लेकिन पंजाब इसका फायदा नहीं उठा पा रहा। ईरान-इस्राइल के बीच गुजरात पोर्ट पर बासमती का निर्यात रुक गया था। अब वो दोबारा शुरू हो गया है। बासमती का 70 प्रतिशत का निर्यात पूरा भी हो चुका है। एसोसिएशन के वित्त सचिव नरेश गोयल ने बताया कि मौजूदा हालात के हिसाब से बासमती की खेती इस बार 25 फीसदी कम होगी।

महिला बॉस बनते ही हिंदुस्तान यूनिलीवर की लगी लॉटरी! गिरते बाजार में कमा लिए 42,363.13 करोड़

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये (2,07,501.58 करोड़ रुपये) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल रहीं। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में लगभग 3.5% की गिरावट आई। इसी तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपये घटकर 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ रुपये घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपये पर आ गया। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रुपये रही। इसी तरह एसबीआई की बाजार हैसियत 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये रह गई।

इसके उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के शेयर में शुक्रवार को लगभग पांच प्रतिशत का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है। बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

अमीरी में वॉरेन बफे से आगे निकले एनवीडिया के जेंसन हुआंग

पहली बार टॉप 10 में मिली जगह

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग ने कंपनी के लगभग 3.64 करोड़ डॉलर के शेयर बेच दिए हैं। हुआंग ने यह कदम तब उठाया है, जब उनकी संपत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। अब वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में वॉरेन बफेट से आगे निकल गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक हुआंग की नेटवर्थ 144 अरब डॉलर पहुंच चुकी है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नौवें नंबर पर आ गए हैं। हुआंग की नेटवर्थ में इस साल 29.4 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह पहली बार टॉप 10 की लिस्ट में पहुंचे हैं। अमेरिका के दिग्गज इनवेस्टर वॉरेन बफे 143 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दसवें नंबर पर हैं। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार हुआंग ने एनवीडिया के 225,000 शेयर बेचे हैं। यह सब पहले से तय योजना के तहत हो रहा है। इस योजना के अनुसार हुआंग इस साल के अंत तक एनवीडिया के 60 लाख शेयर बेच सकते हैं। इससे पहले जून में भी उन्होंने इसी योजना के तहत लगभग 1.5 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। पिछले साल हुआंग ने इसी तरह की योजना के तहत लगभग 70 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। शेयरों की बिक्री के बावजूद हुआंग के पास अब भी एनवीडिया के 85.8 करोड़ से ज्यादा शेयर हैं। ये शेयर उनके पास सीधे और अलग-अलग पार्टनरशिप और ट्रस्ट के माध्यम से हैं। एनवीडिया 4 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हार्डवेयर की डिमांड में तेजी के साथ एनवीडिया के शेयरों में तेजी आई है और इसके साथ ही हुआंग की संपत्ति में भी इजाफा हुआ है। एनवीडिया के जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) बड़े लैंग्वेज मॉडल को बनाने और चलाने के लिए बहुत जरूरी हो गए हैं। जीपीयू एक तरह का प्रोसेसर होता है जो कंप्यूटर में ग्राफिक्स को प्रोसेस करने का काम करता है।

क्या 500 रुपये का नोट भी होने वाला है बंद?

लोगों में पैदा हुआ कंफ्यूजन, जानें वायरल मैसेज की सच्चाई

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। क्या रिजर्व बैंक 2000 के बाद अब 500 रुपये का भी नोट बंद करने जा रहा है? दरअसल, वॉट्सऐप पर एक मैसेज तेजी से फैल रहा है। इसमें कहा गया है कि रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे एटीएम से 500 रुपये के नोट डालना धीरे-धीरे बंद कर दें। मैसेज कहा गया है कि मार्च 2026 तक एटीएम से 500 रुपये के नोट निकलने लगभग पूरी तरह बंद हो जाएंगे। मैसेज में लिखा है, 'रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों से कहा है कि वे 30 सितंबर 2025 तक एटीएम से 500 के नोट देना बंद कर दें। लक्ष्य है कि 75% बैंकों के एटीएम और फिर 31 मार्च 2026 तक 90% एटीएम से 500 के नोट बंद हो जाएं। आगे एटीएम से केवल 200 और 100 के नोट ही निकलेंगे। इसलिए अपने पास रखे 500 के नोटों को अभी से खर्च करना शुरू कर दें।'

कितना सच है यह मैसेज?

पीआईबी फैक्ट चेक ने इस मैसेज को पूरी तरह से झूठा बताया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें लिखा है कि रिजर्व बैंक ने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है और 500 रुपये के नोट अभी भी लीगल टेंडर हैं। इसका मतलब है कि 500 रुपये के नोट अभी भी कानूनी रूप से मान्य हैं और उनका इस्तेमाल किया जा सकता है। पीआईबी ने लोगों को ऐसी गलत सूचनाओं से बचने की

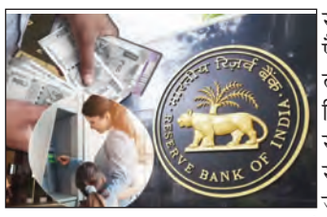

सलाह दी है। पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों से कहा है कि किसी भी खबर की सच्चाई जानने के लिए सरकारी वेबसाइट जैसी भरोसेमंद जगहों से जानकारी लें। साथ ही यह भी कहा है कि अगर आपको कोई मैसेज गलत लगे तो उसकी शिकायत करें। इससे गलत जानकारी को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के बारे में पहले भी कई अफवाहें फैली हैं। जैसे कि नोटों को बंद करने या उन्हें बदलने की अफवाहें। रिजर्व बैंक हमेशा कहता है कि अगर कोई भी नियम बदलेगा तो वह औपचारिक तरीके से बताया जाएगा। रिजर्व बैंक ने हमेशा कहा है कि कोई भी नीतिगत बदलाव औपचारिक माध्यमों से ही किया जाएगा। इसलिए अफवाहों पर ध्यान न दें और हमेशा सही जानकारी के लिए सरकारी सूत्रों पर भरोसा करें। रिजर्व बैंक की ओर से अभी तक ऐसा कोई आधिकारिक बयान या सर्कुलर जारी नहीं किया गया है जिसमें 500 रुपये के नोटों की स्थिति या चलन में किसी बदलाव का संकेत दिया गया हो। 500 रुपये का नोट अभी भी पूरे देश में सभी लेनदेन के लिए स्वीकार किया जा रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन	मिथुन	03-48 बजे
चंद्र-	कुंभ	काकी	06-01 बजे
मंगल-	सिंह	सिंह	08-12 बजे
बुध-	कर्क	कन्या	10-19 बजे
गुरु-	मिथुन	तुला	12-26 बजे
शुक्र-	वृष	वृश्चिक	14-34 बजे
शनि-	मीन	धनु	16-48 बजे
राहु-	कुंभ	मकर	18-58 बजे
केतु-	सिंह	कुंभ	20-45 बजे
		मीन	22-23 बजे
		मेष	23-59 बजे
		वृष	02-32 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 (05-53 / 18-50)
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 00-01 तक उपरान्त पंचमी
वार- श्रावण कृष्ण , सोमवार 14 July
नक्षत्र - धनिष्ठा 06-48 तक उपरान्त शतभिषा
योग - आयुष्मान 16-13 तक उप पूर्वभाद्रपद
करण- बव 12-33 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत त्यौहार - चतुर्थी व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:29 से 09:06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:53 - 07:29 शुभ	चंचल	18:53 - 20:15 शुभ
काल	07:29 - 09:06 अशुभ	रोग	20:15 -21:38 अशुभ
शुभ	09:06 - 10:44 शुभ	काल	21:38 - 22:59 अशुभ
रोग.	10:44 - 12:22 अशुभ	लाभ	22:59 - 00:22 शुभ
उत्पात	12:22 - 13:59 अशुभ	उत्पात	00:22 - 01:44 अशुभ
चंचल.	13:59 - 15:38 शुभ	शुभ	01:44 - 03:07 शुभ
लाभ	15:38 - 17:15 शुभ	अमृत	03:07 - 04:29 शुभ
अमृत	17:15 -18:50 शुभ	चंचल	04:29 - 05:51 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

कन्या (टो पा पी यू ष ण ठ पे पो)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

राजस्थान में सहायक अभियंता के 25 व कनिष्ठ अभियंता के 197 पद रिक्त

सेवानिवृत्त अधिकारियों को दिया जाएगा मौका

भीलवाड़ा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। समग्र शिक्षा के तहत राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद मुख्यालय व जिला परियोजना कार्यालयों में सहायक अभियंता के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति पर सेवानिवृत्त अधिकारियों से भरा जाएगा। इसके लिए शिक्षा परिषद एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर कनिष्ठ अभियंताओं के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। प्रदेश में सहायक अभियंता के 25 तथा कनिष्ठ अभियंता के 197 रिक्त हैं। स्कूल शिक्षा परिषद व समग्र शिक्षा की राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा

जोरवाल ने इन पदों के साक्षात्कार के लिए आवेदन 14 जुलाई सुबह 10 बजे से 4 अगस्त तक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से मांगे हैं।कनिष्ठ अभियंता के 197 पदों में सबसे अधिक जोधपुरमें 16, बाडमेर में 12, जयपुर, सीकर व उदयपुर में 9-9, चित्तौड़गढ़ व हनुमानगढ़ तथा भीलवाड़ा में 8-8, अलवर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, राजसमंद व सवाईमाधोपुर में 7-7, दौसा व प्रतापगढ़ में 6-6, बीकानेर, धोलपुर, गंगानगर व नागौर में 5-5, अजमेर, भरतपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, करौली व सिरोही में 4-4, बांसवाड़ा, चूरू, कोटा व पाली में 3-3 तथा बांरा, बूंदी तथा टोंक में 2-2 पद रिक्त हैं। इसके अलावा 2 पद आरसीएससीई मुख्यालय पर रिक्त हैं। भीलवाड़ा जिले में आठ पदों में भीलवाड़ा, बिजौलिया, हुरड़ा, मांडलगढ़, बनेड़ा, करेड़ा, बदनोर तथा रायपुर ब्लॉक शामिल हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने किया रंगीलो सावन महोत्सव का पोस्टर विमोचन

15 जुलाई को होगा आयोजन

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को रंगीलो सावन महोत्सव के पोस्टर का विमोचन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। यह भव्य कार्यक्रम 15 जुलाई को भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा जयपुर के अणुविभा केंद्र, गौरव टॉवर के सामने, मालवीय नगर में आयोजित किया जाएगा।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महोत्सव राजस्थान की महिला शक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और लोक जीवन के रंगों का उत्सव होगा। कार्यक्रम में पारंपरिक झूले, मेहंदी, लहरिया साड़ी प्रतियोगिता और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथियों में राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा और प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी शिरकत करेंगी। जयश्री गर्ग ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल पारंपरिक त्योहार तीज के सांस्कृतिक महत्व को सहेजना है, बल्कि महिलाओं को भाजपा महिला मोर्चा से जोड़कर सरकारी योजनाओं की जानकारी से उन्हें सशक्त बनाना भी है।

शेखावत का गहलोत पर हमला, बोले- चुनाव रोकने वाले अब साधु बन रहे हैं

जोधपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा भाजपा सरकार पर पंचायत, नगर निकाय और छात्र संघ चुनावों को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव रोकने का पाप करने वाले अब साधु बनने का दिखावा कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि जिनके घर कांच के होते हैं, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए।

रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान शेखावत ने कहा कि कुछ लोग जब सत्ता से बाहर होते हैं तो उन्हें संविधान और कानून खतरे में नजर आते हैं, लेकिन जब सत्ता में होते हैं तो इनकी परवाह नहीं करते, वे अपनी सुविधा के अनुसार संविधान की बात करते हैं।

शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की हाल ही में की गई सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा कि गहलोत ने लिखा था कि पंचायत और नगर निकाय चुनाव हर पांच साल में करवाने का संवैधानिक प्रावधान है, जिसे भाजपा सरकार पूरा नहीं कर रही। इस पर जवाब देते हुए शेखावत ने कहा कि यही कांग्रेस थी जिसने 13 साल तक पंचायत चुनाव नहीं करवाए। गहलोत सरकार में ही जोधपुर नगर निगम का चुनाव 2019 की जगह 2021 में कराया गया था, तब उन्हें संविधान की याद नहीं आई थी।

चुनाव की निष्पक्षता जरूरीः छात्र संघ चुनावों को लेकर शेखावत ने कहा कि 2023 में कांग्रेस को हार का डर था, इसलिए गहलोत सरकार ने छात्र संघ चुनाव नहीं करवाए, क्योंकि उन्हें लगा इससे विधानसभा चुनाव पर असर पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि छात्र संघ चुनाव रोकने का पाप किसने किया था? अब वही लोग साधु बनकर सामने आ रहे हैं, यह उचित नहीं है। शेखावत ने दोहराया कि जिनके घर कांच के होते हैं, उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनावों की निष्पक्षता जरूरी है और यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार आयोग यदि वोटर लिस्ट की समीक्षा कर रहा है, तो उस पर सवाल उठाने की कोई जरूरत नहीं है। जो लोग इस पर आपत्ति कर रहे हैं, उनकी मंशा पर सवाल उठना लाजमी है।

ड्रीम होम्स कॉलोनी में पुलिस की छापेमारी

884 फ्लैटों की जांच; 6 महिलाएं सहित 2 दो दर्जन लोग हिरासत में

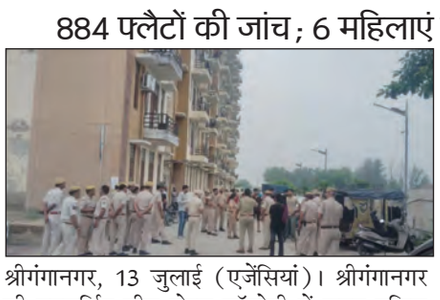

श्रीगंगानगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर की बहुचर्चित ड्रीम होम्स कॉलोनी में सुबह पुलिस छापेमारी को अंजाम दिया गया. यह कार्रवाई आईपीएस बी. आदित्य के नेतृत्व में की गई. रविवार सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक चले इस तलाशी अभियान में 884 फ्लैटों की जांच की गई, और करीब दो दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, जिनमें छह महिलाएं भी शामिल हैं. यह कार्रवाई लगातार मिल रही अवैध गतिविधियों की शिकायतों के आधार पर की गई.

कॉलोनी में अवैध गतिविधियां

ड्रीम होम्स कॉलोनी की छवि को गंभीर रूप से प्रभावित किया गया है. ड्रीम्स होम सोसाइटी साल 2021 में विकसित हुई थी. निर्माण के बाद से ही प्रबंधन की लापरवाही के चलते कॉलोनी में अवैध गतिविधियां और आपराधिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ता चला गया. ब्रोकरेज और ऊंचे किराये के लालच में फ्लैटों को अनजान लोगों को सौंप दिया गया, इसका फायदा आपराधिक तत्व उठा रहे हैं, जो इलाके की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके हैं.

बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों को किया सीज

इस सघन तलाशी अभियान में ट्रैफिक पुलिस की टीम भी मौजूद थी. कई ऐसे वाहन, जो बिना नंबर प्लेट के कॉलोनी में खड़े थे, उन्हें सीज कर अपने कब्जे में लिया गया. यह कदम कॉलोनी में आपराधिक गतिविधियों के नेटवर्क पर लगाम लगाने की दिशा में अहम माना जा रहा है. पुलिस कार्रवाई के बाद ड्रीम होम्स कॉलोनी में रहने वाले नागरिकों ने राहत की सांस ली.

पहले भी लोगों ने प्रशासन को कराया था अवगत

कई लोगों ने कहा कि अब जाकर कॉलोनी में कानून का भय दिखाई दे रहा है, डर के माहौल में जी रहे रहवासी अब चाहते हैं कि प्रशासन इस तरह की कार्रवाई हर महीने करे, जिससे अपराधियों को यहां पनाह ना मिल सके. ड्रीम होम वेलफेयर सोसाइटी के लोगों ने बताया कि उन्होंने इस विषय में पहले भी प्रशासन को अवगत कराया था. 17 जून को जिला कलेक्टर की जनसुनवाई में भी समिति ने इस मामले को गंभीरता से उठाया था. लोगों का कहना है कि अगर यूआईटी ने समय रहते कॉलोनी का नियंत्रण समिति को सौंप दिया होता, तो स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं. इस छापेमारी से कॉलोनी में रहने वाले अपराधी किस्म के लोगों में डर देखने को मिला है. कुछ संदिग्धों ने अपना पता और पहचान तक बताने से इनकार कर दिया. पुलिस अब सभी हिरासत में लिए गए लोगों की पूरी पृष्ठभूमि की जांच कर रही है.

भाजपा विधायक से हेड कॉन्स्टेबल बोला- तू कौन है?

एमएलए ने डीएसपी से कहा- हाथ जोड़ता हूं,पैर पकड़ता हूं; सीआई एजेंटों के जरिए काम कर रहे

बांसवाड़ा, 13 जुलाई (एजेंसियां)।बांसवाड़ा में भाजपा विधायक ने डीएसपी से कहा- हाथ जोड़ता हूं, पैर पकड़ लेता हूं। आप नहीं आते तो सीआई को बिना कपड़े घर जाना पड़ता। थाने में बजरी और भूमाफियाओं को बैठाए रखते हैं। मामला गढ़ी थाने का शनिवार शाम का है। इसका वीडियो रविवार को सामने आया है। दरअसल, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा युवक-युवती के सुसाइड केस और भू-माफिया पर लंबित पड़े मामले को लेकर थाने में सीआई रोहित कुमार से मिलने गए थे। थाने पहुंचने पर संतरी ने कहा- साहब घर पर है। तभी वहां एक हेड कॉन्स्टेबल महिपाल था, उसने बोला तू कौन है? इसके बाद मैं वहां सीढ़ियों पर ही बैठ गया कि अब मैं बताता हूं मैं कौन हूं? मैं सिर्फ कुछ

केस के बारे में बात करने ही थाने गया था। 31 मई को गेमन पुल के पास गढ़ी के पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शांतिलाल लबाना के पोते और एक युवती फंदे से लटके मिले थे। आरोप था कि दोनों को खुदकुशी के लिए पुलिस ने उकसाया है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से विधायक नाराज थे। बेड़वा पंचायत में साल 2022 में पटवारी निखिल गरासिया ने पवन बामनिया की दादी के नाम की जमीन धोखे से भैरा पुत्र रावजी निवासी मड़कोला के नाम कर दी। एक साल बाद भैरा ने भू-माफिया तनुज पंड्या के माध्यम से थावरचंद, पुलिसकर्मी राहुल और वीरचंद के नाम करवा दी। जबकि पवन की दादी की मौत 2020 में हो चुकी थी। 2022 में उनके नाम से अंगूठा लगवाया गया। पीड़ित के पास मृत्यु प्रमाण-पत्र भी है। कई बार थानाधिकारी से शिकायत की, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। उल्टा थावरचंद ने झूठा केस दर्ज करवा दिया और पीड़ित को दिनभर थाने में बैठाए रखा था। दोनों ही मामलों में कार्रवाई नहीं होने पर विधायक सीआई से मिलने थाने गए थे। विधायक के धरने पर बैठने की सूचना पर डीएसपी सुदर्शन पालीवाल थाने पहुंचे। वे विधायक को अंदर ले गए। विधायक कैलाश मीणा ने डीएसपी से कहा- थानाधिकारी ने दलालों के चक्कर में कार्रवाई नहीं की। थाने में बजरी और भूमाफियाओं को बैठाए रखते हैं। पैसे लेते हैं कार्रवाई नहीं होती है। गरीब आदिवासियों के केसों में थाने के एजेंटों के माध्यम पैसे लिए जा रहे हैं। बार-बार कहने पर भी थानाधिकारी एजेंटों के जरिए ही काम कर रहे हैं। विधायक की नहीं सुनी जा रही, तो आम आदमी की कौन सुनेगा? सीआई ने रोहित कुमार वासु नाम के कॉन्स्टेबल को मुंशी बना रखा है बजरी और भू-माफिया से पैसे लेकर उन्हें दलाल बना दिया है। डीएसपी के सामने सीआई से कहा- आपने थाने को धर्मशाला बना दी। ढंग से नौकरी करो, नहीं तो कपड़े उतरवा दूंगा।

जयपुर में बारिश ने खोली विकास की पोल, सड़कें धंसीं, गाड़ियां फंसीं

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीते तीन हफ्तों से लगातार हो रही बारिश ने शहर को जहां गर्मी से राहत दी है, वहीं लोगों के लिए कई परेशानियां भी खड़ी कर दी हैं. शहर की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया है और कई इलाकों में सड़कें धंसने से बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं. इन गड्ढों की वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोग घायल हो रहे हैं.

अल्बर्ट हॉल चौराहे के पास सड़क की बुरी हालत

जयपुर के सबसे खास चौराहों में गिने जाने वाले अल्बर्ट हॉल चौराहे के पास स्थित रवींद्र मंच के बाहर की सड़क पर हालात सबसे ज्यादा खराब हैं. यहां बारिश का पानी डेढ़ से दो फीट तक भर जाता है और इसी पानी के नीचे गहरे

गड्ढे छिपे हैं. कई बार दोपहिया वाहन पलट जाते हैं और लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं. कई जगहों पर तो चार पहिया गाड़ियां भी फंस जाती हैं और टायर डैमेज हो रहे हैं. यहां पर एक साइड में इतने गहरे गड्ढे हैं कि प्रशासन ने रास्ते को एक तरफ से बंद कर दिया है. दूसरी ओर की सड़क पर भी वाहन बड़ी मुश्किल से निकल पा रहे हैं. इस इलाके से रोज गुजरने वाले लोग अब फुटपाथ पर गाड़ी चलाने को मजबूर हैं क्योंकि उन्हें सड़क पर चलने से डर लगने लगा है.जयपुर का पॉश इलाका माना जाने वाला मानसरोवर भी इस बारिश से नहीं बच पाया है. डेढ़ महीने पहले ही बनी नई सड़क करीब 200 मीटर तक पानी में बह गई है और इसमें बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. यहां की हालत इतनी खराब है कि गड्ढों में कारें समा जाती हैं. प्रशासन ने इन गड्ढों को भरने के बजाय सिर्फ बैरिकेड लगाकर छोड़ दिया है.

प्राध्यापक भर्ती लीक : पेपर पढ़कर नौकरी में लगे चार शिक्षक चढ़े एसओजी के हत्थे, अब तक 14 गिरफ्तार

जयपुर , 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एसओजी ने चार शिक्षकों को गिरफ्तार किया है. इन पर लीक पेपर पढ़कर परीक्षा पास करने और नौकरी हासिल करने का आरोप है. इन चारों आरोपियों को एसओजी ने रिमांड पर लिया है. अब इनसे पेपर लीक के नेटवर्क के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है. एसओजी-एटीएस के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) भर्ती परीक्षा-2022 का अर्थशास्त्र का पेपर लीक होने की जानकारी मिलने पर एसओजी थाने में एक मुकदमा दर्ज किया गया था. इस मामले में रोशन बांगड़वा, वैदेही मीणा, ओमप्रकाश और पदमा को गिरफ्तार किया गया है.इन्हें किया गिरफ्तार : महिला शिक्षक रोशन बांगड़वा जयपुर जिले के मुंडियागढ़ की रहने वाली है. वह नागौर जिले के बासनी की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापक है. वैदेही मीणा दौसा जिले के ब्रह्मबाद की रहने वाली है. वह चित्तौड़गढ़ जिले के जाश्मा की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में अर्थशास्त्र की लेक्चरर है. इसके अलावा ओमप्रकाश जोधपुर जिले के भीमसागर का रहने वाला है. वह नागौर जिले के पांचौड़ी की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में अर्थशास्त्र का लेक्चरर है. वहीं, पदमा बाड़मेर जिले के सेड़वा की रहने वाली है. वह बाड़मेर जिले के सनावड़ा की राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापक है.परीक्षा से पहले जयपुर-जोधपुर में पढ़ा पेपर : उन्होंने बताया कि इन चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर 14 जुलाई तक रिमांड पर लिया गया है. पड़ताल में सामने आया है कि रोशन बांगड़वा और वैदेही मीणा ने जयपुर में लीक पेपर पढ़ा था, जबकि ओमप्रकाश और पदमा ने जोधपुर में परीक्षा से पहले पेपर पढ़ा और उसके बाद लिखित परीक्षा दी. इन सभी से पूछताछ और अग्रिम अनुसंधान जारी है. प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में अब तक 14 आरोपी एसओजी के हत्थे चढ़ चुके हैं.

कोटा महिला वकील शूट-सुसाइड केस

आरोपी युवक की मां बोली- मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता, पूर्वा ने टॉर्चर कर शादी तुड़वाई थी

कोटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। करण गुर्जर (मृतक) की मां और पिता जयदेव गुर्जर ने महिला वकील पूर्वा शर्मा (30) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। करण गुर्जर के पिता ने भी पुलिस को शिकायत देकर जांच की मांग की है।

11 जुलाई की रात 10.30 बजे करीब कोटा के आरकेपुरम इलाके में मुकंदरा वन विभाग के ऑफिस के पास फायरिंग हुई थी। आरोप है कि महिला वकील पूर्वा शर्मा को उसके बॉयफ्रेंड करण गुर्जर (22) ने पीछे से सिर में गोली मार दी थी।

पुलिस का कहना है कि पूर्वा को गोली मारने के बाद करण ने खुद को शूट कर लिया था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। दोनों स्कूटी से घूम रहे थे। इस दौरान झगड़ा हुआ था।

आशा देवी (करण गुर्जर की मां) ने कहा- करण का पूर्वा से अफेयर था। दोनों एक दूसरे के साथ उज्जैन, जयपुर, खाटू श्यामजी घूमने जाते थे। पूर्वा पर करण 3 लाख रुपए खर्च कर चुका था। बेटे को शादी का झांसा देकर पूर्वा उसकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करती थी।3 महीने पहले 16 अप्रैल को करण ने दूसरी लड़की से शादी कर ली थी। शादी के बाद पूर्वा उसे टॉर्चर करने लगी। करण पर शादी तोड़ने का दबाव बनाने लगी। तंग आकर करण ने भी तलाक का फैसला लिया। दोनों परिवारों की रजामंदी से 7 जुलाई को तलाक का सहमति पत्र साइन हुआ था।

पता नहीं था सहमति पत्र साइन होने के बाद भी ऐसी घटना हो जाएगी।आशा देवी ने बताया- तलाक का सहमति पत्र साइन होने के बाद करण और पूर्वा एक दिन होटल में भी रुके थे। करण के कहने पर मैंने पूर्वा से फोन पर बात की थी। उसे करण से शादी करने के लिए कहा तो बोली- मैं शादी के लिए तैयार हूं। ये बात मैंने करण को बताई थी। करण ने कहा था- मां, ये (पूर्वा) हमेशा ऐसे ही पागल बनाती है। पैसे भी ले चुकी है।

आशा देवी कहती हैं- पूर्वा अक्सर स्कूटी से घर आती थी। करण उसके साथ स्कूटी से चला जाता था। घटना वाले दिन (11 जुलाई) बेटा पिता के साथ ऑफिस से घर तक आया था। उसके पिता किसी काम से चले गए। वह घर पहुंचा ही था कि बार-बार पूर्वा का फोन आने लगा। वह करण को बुला रही थी। कुछ देर बाद वह करण को लेने स्कूटी से घर के बाहर तक आई। उस वक्त मैं, अपने जीजा जी से फोन पर बात कर रही थी। करण शाम 7.30 बजे घर से पूर्वा के साथ निकला था।

करीब 2 घंटे बाद पूर्वा का फोन आया। उसने कहा- करण मुझसे झगड़ा कर रहा है। आप जल्दी मुकंदरा वन विभाग के ऑफिस के पास आ जाओ। उसने गोली चलाने वाली बात नहीं बताई। न ही फोन काटा। उसने फोन चालू रखा। मैंने उससे कहा- फोन काटकर पुलिस व एम्बुलेंस को फोन करो, लेकिन उसने फोन नहीं काटा। वो चिल्ला रही थी।आशा देवी ने कहा- पूर्वा सुबह से ही करण को कॉल करने लगती थी। 11 जुलाई को भी दोनों के बीच घंटों बात हुई थी। वॉट्सऐप पर ऑडियो कॉल भी हुआ था।

दोनों ने चैटिंग भी की थी। पूर्वा करण को सुनसान जगह ले गई थी। करण खाली हाथ गया था। वह सुसाइड नहीं कर सकता। उसके साथ अनहोनी का शक है। पूर्वा करण से 8 साल बड़ी थी। बेटा 22 साल का था। पूर्वा की उम्र 30 साल है।

कन्हैया लाल की पत्नी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

फिल्म रिलीज करने की उठाई मांग

उदयपुर , 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैया लाल नाम के टेलर की हत्या पर बनी फिल्म उदयपुर फाइल्स विवादों में घिर गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक लगा दी। वहीं अब मृतक कन्हैया लाल की पत्नी जशोदा ने पीएम मोदी को एक पत्र लिखा है। कन्हैया लाल की पत्नी ने पीएम मोदी से इस फिल्म की रिलीज सुनिश्चित करने का आग्रह किया है ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात के लिए समय भी मांगा है। बता दें कि 28 जून 2022 को मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने कन्हैया लाल की बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह फिल्म इसी घटना पर आधारित है। पीएम मोदी को लिखे लेटर में कन्हैया लाल की पत्नी जशोदा ने आरोप लगाया कि मुस्लिम संगठनों और उनके वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से फिल्म पर रोक लगवा दी। जशोदा ने लिखा, ''मैंने खुद फिल्म देखी है। यह सिर्फ कन्हैयालाल की हत्या की कहानी है, उसमें तो कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा, ''आपसे प्रार्थना है कि इस फिल्म को रिलीज करा दीजिए ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके।'' पत्र में उन्होंने लिखा है, ''तीन साल पहले उन्हें मार दिया गया और अब ये वकील कपिल सिब्बल कह रहे हैं कि जो हुआ उसे फिल्म में दिखा भी नहीं सकते। मेरे बच्चे बता रहे हैं कि फिल्म पर अब मोदी सरकार फैसला करेगी। आपको तो पता ही है कि हमारे साथ कितना गलत हुआ और अब उल्टा वही लोग अदालत में जा रहे हैं जिन्होंने इनको मारा है।''जशोदा ने पीएम मोदी से मिलने के लिए समय भी मांगा है। उन्होंने कहा है कि वह अपने दोनों बच्चों के साथ उनसे मिलना चाहती हैं। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल में कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक लगा दी। अदालत के स्थगन आदेश के बाद कन्हैया लाल के बेटे यश तेली ने कहा, ''मेरे पिता के हत्यारों को अभी तक सजा नहीं मिली है।

खतरे में बच्चों की जान, जर्जर भवन में चल रही है आंगनबाड़ी

शिकायत के बावजूद अधिकारी बेपरवाह

झुंझुनू , 13 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के कस्बे में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-3 इन दिनों बच्चों की शिक्षा से ज्यादा उनकी जान के लिए खतरा बना हुआ है। भवन की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। मकान की दीवारों में दरारें, टपकती छत और कमजोर ढांचा देख अब अभिभावक अपने बच्चों को यहां भेजने से डरने लगे हैं। इसके बावजूद प्रशासन की तरफ से आंगनबाड़ी को शिफ्ट करने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय जानकारी के मुताबिक यह भवन करीब 20 साल पहले बना था और तब से लेकर आज तक इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता किरण देवी ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में भवन की स्थिति लगातार खराब होती गई है। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता है, जिससे कमरे पूरी तरह भीग जाते हैं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। उन्होंने बताया कि कई बार इस संबंध में मौखिक और लिखित शिकायतें संबंधित विभागीय अधिकारियों को दी जा चुकी हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिले

हैं। एक बार सुपरवाइजर मुनेश मौके पर पहुंचीं और तीन दिन में स्थानांतरण का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। किरण देवी ने बताया कि कोई प्राइवेट भवन बिना किराए के नहीं मिलता और वे निजी खर्च पर भवन का किराया देने में असमर्थ हैं। ऐसे में स्टाफ और बच्चों दोनों की जान हर दिन खतरे में रहती है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आंगनबाड़ी को किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। अन्यथा किसी हादसे के लिए पूरी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।

नशीली दवाओं से लथपथ कागज़ की पट्टियां पहुंच रही हैदराबाद

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा मादक पदार्थ नेटवर्क पर कड़ी निगरानी रखने के कारण, ये नेटवर्क शहर में अपने ग्राहकों को अवैध सामग्री उपलब्ध कराने के नए तरीके तलाश रहे हैं। शहर में उपलब्ध मादक पदार्थों की सूची में नवीनतम नाम 'ड्रग सोक्ड पेपर स्ट्रिप्स' का जुड़ गया है, जो कथित तौर पर दूर देशों से देश में तस्करी करके लाया जा रहा है।

ड्रग सोक्ड पेपर, एक ऐसा कागज़ है जो विभिन्न दवाओं के तरल मिश्रण को छिड़ककर या भिगोकर बनाया जाता है, जिसमें सिंथेटिक कैनाबिनॉइड्स, फेंटेनाइल, सबोक्सोन और अन्य दवाएं शामिल हैं। यह दवाओं को बिना पकड़े या ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किए स्थानांतरित करने का एक नया तरीका है।

एक एजेंसी से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि नशीली दवाओं से भीगी ये कागज़ की पट्टियां विदेशों में मिलती हैं और आमतौर पर जेलों में तस्करी करके पहुँचाई जाती हैं। इन पट्टियों को धूम्रपान या निगला जा सकता है। अधिकारी ने बताया, शहर में 2 सेमी x 2 सेमी की एक शीट की कीमत 1 लाख रुपये से 2 लाख रुपये के बीच है। शीट में डाली गई नशीली दवाओं के प्रकार के आधार पर कीमत अलग-अलग होती है। नशीली दवाओं के तस्करों और उपभोक्ताओं पर कड़ी निगरानी के कारण, नशीली दवाओं की ये पट्टियां शहर में पहुंच रही हैं क्योंकि इनका आसानी से पता नहीं चल पाता।

इस अवैध व्यापार के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि कागज को कारों में टिशू पेपर और विजिटिंग कार्ड बॉक्स में आसानी से छुपाया जा सकता है तथा विक्रेता से उपभोक्ता तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। व्यक्ति ने कहा, इसे एक लिफाफे में रखा जा सकता है और नियमित डाक की तरह पंजीकृत और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी भेजा जा सकता है। ऐसा पता चला है कि कुछ लोग इसे खरीदने के लिए विदेशों की यात्रा कर रहे हैं और बदले में निगरानी से बचने के लिए इसे अपने करीबी लोगों को बेच रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों में तेलंगाना का प्रदर्शन खराब

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक समय था जब तेलंगाना के कुछ शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष घोषित विभिन्न श्रेणियों के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्राप्त करते थे। हालांकि, स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के नौवें संस्करण में, ग्रेटर हैदराबाद को छोड़कर, तेलंगाना के किसी अन्य शहरी स्थानीय निकाय को पुरस्कार नहीं मिला। ग्रेटर हैदराबाद को मंत्रिस्तरीय पुरस्कार (राज्य स्तरीय) और सिकंदराबाद छावनी बोर्ड को मंत्रिस्तरीय पुरस्कार (विशेष श्रेणी) मिला। दिलचस्प बात यह है कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम को विशेष श्रेणी का मंत्री पुरस्कार और राजमंड्री को राज्य स्तर पर मंत्री पुरस्कार मिला। इसके अलावा, विजयवाड़ा, गुंटूर और तिरुपति को स्वच्छ सुपर लीग शहरों की श्रेणी में मान्यता मिली।

स्वच्छ सर्वेक्षण- 9वें संस्करण के लिए क्षेत्र मूल्यांकन का अंतिम चरण 15 फरवरी को शुरू हुआ और इस वर्ष मार्च के अंत तक समाप्त हो गया। पुरस्कार वितरण समारोह 17 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 में क्षेत्रीय पुरस्कार श्रेणी में, सिद्दीपेट, गुंडलापोचमपल्ली और निज़ामपेट को पुरस्कार मिले। इसके अलावा, 18 शहरी स्थानीय निकायों को क्षेत्रीय स्तर की श्रेणी में पुरस्कार मिले। राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकायों में से आठ को कचरा मुक्त शहर श्रेणी में 1 स्टार का दर्जा मिला है, तथा एक शहरी स्थानीय निकाय को 5 स्टार का दर्जा मिला है।

दिलचस्प बात यह है कि नगर प्रशासन और शहरी विकास विभाग के अधिकारियों ने दावा किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार के मापदंडों को बदल दिया गया है और वर्तमान संस्करण में कई श्रेणियां नहीं हैं। हालांकि, तेलंगाना का खराब प्रदर्शन राज्य सरकार के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। कुछ प्रमुख यूएलबी को छोड़कर, कई अन्य को 100-दिवसीय कार्यक्रम को लागू करने में वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था। यह कार्यक्रम 2 जून को शुरू हुआ था और 10 सितंबर तक चलेगा।

पूर्व में, पटना प्रगति कार्यक्रम के तहत, राज्य सरकार हर महीने 116 करोड़ रुपये जारी करती थी। इनमें से 61 करोड़ रुपये ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और शेष 141 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए 55 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। इन धनराशियों से यूएलबी को अपनी-अपनी सीमाओं में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने में मदद मिली थी।

लॉर्ड्स टेस्ट : भारत को इंग्लैंड ने 193 रन का टारगेट दिया

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट में भारत को जीत के लिए 193 रन का टारगेट दिया है। जवाब में भारतीय टीम ने 5 रन पर पहला विकेट गंवा दिया है। यशस्वी जायसवाल शून्य पर आउट हुए। फिलहाल, भारत का स्कोर 9/1 है। केएल राहुल और करुण नायर खेल रहे हैं।

रविवार को मैच के चौथे दिन इंग्लिश टीम ने दूसरी पारी में 2/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 192 रन पर ऑलआउट हो गई। जो रूट ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स ने 33, हैरी ब्रूक ने 23 और जैक क्रॉली ने 22 रन की पारियां खेलीं।

भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 2-2 विकेट झटके। नीतीश कुमार रेड्डी और आकाश दीप को एक-एक विकेट मिला। पहली पारी में भारत और इंग्लैंड की टीमें 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं। किसी को बढ़त नहीं मिली। मैच का स्कोरकार्ड।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर और शोएब बशीर।

(समाचार मिलने तक मैच जारी)

हैदराबाद चिड़ियाघर ने विदेशी सर्वल बिल्लियों का किया स्वागत

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित नेहरू प्राणी उद्यान (एनजेडपी) ने रविवार को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए एक जोड़ी सर्वल बिल्लियों को बाड़े में छोड़ कर अपने विदेशी जानवरों के संग्रह का विस्तार किया है। यह नई विदेशी प्रजाति अफ्रीकी महाद्वीप की मूल निवासी है और कैद में 16 साल तक जीवित रह सकती है। सर्वल बिल्लियों को बिल्लियों के बाड़े में छोड़ने के बाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एचओएफएफ) डॉ.सी. सुवर्णा ने पुनर्निर्मित जीवाश्म पार्क गार्डन का शुभारंभ किया, जिसमें तेलंगाना मानचित्र के मॉडल में विभिन्न प्रकार की पौधों की प्रजातियां लगाई गई थीं।

डॉ. सुवर्णा ने कहा कि नेहरू चिड़ियाघर पार्क अपने खुले पशु बाड़ों में समृद्ध पशु संग्रह के लिए जाना जाता है। डॉ. सुवर्णा ने कहा, एक और नई प्रजाति के

जानवर (सर्वल कैट) के आने से चिड़ियाघर में 195 प्रजातियों का संग्रह हो गया है। चिड़ियाघर का प्रजनन कार्यक्रम उल्लेखनीय है और लगभग सभी जानवरों की प्रजातियों का सफलतापूर्वक प्रजनन किया जाता है। इससे पहले, डॉ. सुवर्णा ने पीसीसीएफ (वन्यजीव) एलुसिंग मेरु और चिड़ियाघर निदेशक सुनील एस. हिरेमठ तथा अन्य वन विभाग के अधिकारियों के साथ वन महोत्सव के तहत एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने चिड़ियाघर परिसर में सरीसृप आवास क्षेत्र के पास फिकस, फलदार और छायादार वृक्षों के पौधे लगाए।

डिफेंस लैब्स स्कूल में तेंदुए का डर वन विभाग ने कैमरा ट्रैप लगाए

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन विभाग, बालपुर स्थित रक्षा प्रयोगशाला स्कूल, आरसीआई हैदराबाद में कैमरा ट्रैप लगा रहा है, क्योंकि सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा परिसर में कथित तौर पर तेंदुए देखे जाने की खबरें मिली हैं।

वन विभाग को प्रबंधन से परिसर में तेंदुओं की आवाजाही के बारे में सूचना मिली थी। अधिकारियों ने कहा, अभी हमें तेंदुओं की मौजूदगी के बारे में निश्चितता नहीं है। तेंदुए या किसी अन्य बड़ी बिल्ली की गतिविधि रिकॉर्ड करने के लिए परिसर में कैमरा ट्रैप लगाए जा रहे हैं। अगर कैमरों में तेंदुए की गतिविधि रिकॉर्ड हो जाती है, तो अधिकारी जंगली बिल्ली को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाएंगे।

स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को एक नोटिस जारी कर सतर्क रहने और अपने बच्चों की सुरक्षा करने को कहा है। नोटिस में लिखा है, हमारी प्रबंधन समिति के निर्देशों के अनुसार, आपके ध्यान में लाया गया है कि आरसीआई परिसर के पास दो तेंदुए घूमते देखे गए हैं। इसे देखते हुए, सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखें और अगली सूचना तक उन्हें किसी भी हालत में अकेले बाहर न जाने दें। हाल ही में, पहाड़ी शरीफ, शमशाबाद और ममीडपल्ली के आसपास स्थानीय लोगों ने जंगली बिल्लियां देखीं। आरजीआई हवाई अड्डा परिसर में जंगली बिल्लियां या जंगली बिल्लियां अक्सर देखी जाती हैं।

सर्जिकल पाउच वाले व्यक्ति ने मदद मांगी

नारायणपेट, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मदाराम गांव के निवासी रवि, सर्जरी के बाद बिना पैसे और पेट से बंधी थैली के साथ हैदराबाद लौटने के बाद सर्जरी के बाद के इलाज के लिए मदद मांग रहे हैं। छह महीने पहले एक निर्माण स्थल पर पेट में गंभीर चोट लगने के बाद रवि का उस्मानिया जनरल अस्पताल में इलाज हुआ और वह घर लौट आया। आगे के इलाज और दवा के लिए वह दो दिन पहले हैदराबाद वापस आया था, लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे। अजय कुमार (जिन्होंने हैदराबाद के एक बस स्टॉप पर रवि को देखा) ने रविवार को एक्स पर उसका वीडियो साझा किया, जिसमें उसकी स्थिति पर प्रकाश डाला गया और मदद की अपील की गई। वीडियो में रवि कहता है कि उसने अपने माता-पिता खो दिए हैं और अब उसके पास अपनी बुज़ुर्ग चाची के अलावा कोई सहारा नहीं है, जो मद्रास में एक झोपड़ी में रहती हैं।

वह कहता है, मैं अपनी चाची के पास वापस जाना चाहता हूं। अजय कुमार ने कहा कि रवि को आरामघर स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्होंने अधिकारियों और नारायणपेट विधायक परनिका रेड्डी से मदद करने का आग्रह किया।

जहाँ गुस्सा वहाँ नरक, जहाँ क्षमा वहाँ स्वर्ग

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी महाराज ने कहा कि क्षमा मांगना और क्षमा करना ये दुनिया के दो सबसे बड़े धर्म हैं। जो गलती होने पर क्षमा मांग लेता है और दूसरों से गलती हो जाने पर क्षमा कर देता है वह सच्चा धार्मिक कहलाता है। उन्होंने कहा कि जो गलती करके सुधर जाए उसे इंसान कहते हैं, जो गलती पर गलती करे उसे नादान कहते हैं, जो उससे ज्यादा गलतियाँ करे उसे शैतान कहते हैं, जो उससे भी ज्यादा गलतियाँ करे उसे पाकिस्तान कहते हैं, पर जो उसकी भी गलतियाँ माफ कर दे उसे ही हम अपना हिन्दुस्तान कहते हैं। उन्होंने कहा कि हम केवल उम्र से नहीं, वरन् हृदय से भी बड़े बनें और औरों की गलतियाँ माफ करने का बड़प्पन दिखाएं। अगर हम किसी की एक गलती माफ करेंगे तो भगवान हमारी सौ गलतियों को माफ कर देगा।

वे यहां लोक कल्याणकारी चातुर्मास समिति, के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित 53 दिवसीय प्रवचनमाला में आठवें दिन क्रोध को जीतने के सरल उपाय विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गुस्सा और अहंकार जीवन को नरक बनाते हैं जबकि प्रेम और क्षमा जीवन को स्वर्ग। जो गुस्सैल होते हैं, उनके घरवाले उनके घर से बाहर जाने की प्रतीक्षा करते हैं जबकि जो मीठे-मधुर स्वभाव के होते हैं उनके घरवाले उनके घर में आने की प्रतीक्षा करते हैं। अगर हमारे घर आने से घरवाले दुखी होते हैं तो समझना हमारा जीवन व्यर्थ है।

संतप्रवर ने कहा कि गुस्सा करना दियासलाई जलाने की तरह है। दियासलाई से और कोई जले न जले, पर वह खुद तो जल ही जाती है। गुस्सा औरों द्वारा की गई गलती से खुद को सजा देना है। सावधान, आपका पल भर का गुस्सा आपके पूरे भविष्य को चैपट कर सकता है। 2 मिनट का गुस्सा हमारे 20 साल के संबंधों पर पानी फेर देता है, रिश्तों को मिठास से खटास में बदल देता है और जीवन की सारी खुशियों में आग लगा देता है। छोटी-सी तो जिंदगी है जब प्यार करने के लिए भी पूरा वक्त नहीं मिलता तो हम गुस्सा करके क्यों इसे और छोटा करें।

उन्होंने कहा कि गुस्से को सहजता से लें। कोई हम पर गुस्सा करे तो हम मुस्कान से उसे टाल दें या फिर मुस्कुराकर जवाब दें। पत्नी कभी गुस्से में आकर कहे कि मैं तो पीहर जा रही हूं तब आप झट से कहना- जरूर जा, तू पीहर चली जा, मैं ससुराल चला जाऊंगा और बच्चों को ननिहाल भेज दूंगा। हर माहौल में मिठास घोल देना इसी का नाम जिंदगी है। उन्होंने कहा कि जब भी गुस्सा आए उसे तीस मिनट बाद करें। अपने आप गुस्सा ठण्डा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुस्से के बाद कभी भी बोलचाल बंद न करें। बचपन में हजार बार लड़ते थे तो भी रिश्ता खतम नहीं होता था, आज दो बार लडने की भी नौबत नहीं आती क्योंकि पहली लड़ाई में ही रिश्ता खतम हो जाता है। सदा प्रेम से भरे रहें। हम जितना बाहर के लोगों से प्रेम से पेश आते हैं उतना ही घरवालों से भी प्रेम से पेश आएं तो कभी गुस्से का माहौल बन ही नहीं पाएगा। याद रखें, कुत्ता तो अपरिचितों पर ही भौंकता है, हम ठहरे इंसान जो घरवालों पर भी भौंकना शुरू कर देते हैं।

प्रवचन से प्रभावित होकर हजारों महानुभावों ने सप्ताह में एक दिन क्रोध का उपवास करने का संकल्प लिया। रविवार को प्रवचन पंडाल का कोना कोना श्रद्धालुओं से हुआ खचाखच। बड़े बुजुर्गों के साथ युवा पीढ़ी और बच्चे भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाते हुए कहा कि हमारे ऊपर संगत का सबसे ज्यादा असर पड़ता है इसीलिए कहते हैं जैसी संगत वैसी रंगत। इंसान अच्छी संगत ना करें तो नस्लें खराब हो जाती है।

यहां आने के लिए सकल मानव समाज को निमंत्रण हैं। जो यहां आएगा उसका जीवन स्वर्ग बन जाएगा। गंगा पाप का नाश करती है चंद्रमा ताप का नाश करता है संत अभिशाप का नाश करते हैं पर राष्ट्रसंतों को सुनने के लिए जो आएगा उसके पाप ताप संताप तीनों का नाश हो जाएगा।

कार्यक्रम में संघ संरक्षक विमल नाहर, चेयरमैन मोतीलाल भलघट, वाइस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराना, कार्य अध्यक्ष अमित मुनोत सहित बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुदेव का आशीर्वाद लिया।

सिकंदराबाद उज्जैनी महांकाली बोनालू के अवसर पर मोंडा मार्केट हमाली यूनियन द्वारा निकाली गई माता की झांकी में शामिल सिकंदराबाद ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ए. गौतम जैन, हमाली यूनियन के प्रेसीडेंट एमएलए पद्मारावा, व्यापारी संघ के गोपाल बंग, हरिकिशन बंग आदि।

तेलंगाना के सड़कों की दुर्दशा

कछुए की गति से चल रहा मरम्मत कार्य

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन विभाग राज्यभर में सड़क निर्माण कार्य के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन सड़कों की स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, विपरीत तस्वीर पेश करती है। राज्यभर में कई सड़कें टूटी-फूटी और गड्ढों से भरी हैं। शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में सड़कों की हालत और भी खराब है।

हालांकि, विभाग का दावा है कि दिसंबर 2023 से 6,445 करोड़ रुपये की लागत से कई कार्यों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि स्वीकृत किए गए 230 कार्यों में से, 51 किलोमीटर को कवर करने वाले केवल पांच कार्य ही अब तक 86.2 करोड़ रुपये की लागत से पूरे हुए हैं, जो राज्य में कार्यों के निष्पादन की गति को दर्शाता है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि कई कार्य निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें अनुमान चरण, निविदा चरण, कार्य आदेश चरण, समझौता चरण और प्रगति पर कार्य शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्वीकृत 6,445 करोड़ रुपये के कार्यों में से 4,135 करोड़ रुपये की लागत से 1,339 किलोमीटर लंबे 140 कार्य प्रगति पर हैं। अधिकारी कार्यों के क्रियान्वयन की योजनाएँ बना रहे हैं, लेकिन ठेकेदार बिलों के भुगतान में देरी के डर से काम शुरू करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

ऊंची कीमतों पर यूरिया बेच रहे हैं निजी व्यापारी

करीमनगर, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजी व्यापारियों द्वारा यूरिया को ऊंचे दामों पर बेचे जाने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारियों के पास पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद, वे कृत्रिम कमी पैदा करके इसे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। हालांकि 45 किलोग्राम यूरिया बैग की मूल कीमत 266.50 रुपये है, लेकिन इसे 310 रुपये में बेचा जा रहा है। कुछ व्यापारी कृत्रिम कमी पैदा करके उर्वरक का एक बैग 330 से 350 रुपये में बेच रहे हैं।

एक कदम आगे बढ़ते हुए, कुछ व्यापारी किसानों के लिए यूरिया की बोरियां लेने पर जैविक पोटाश खरीदना अनिवार्य कर रहे हैं। अगर कोई पोटाश लेने से इनकार करता है, तो उसे चेतावनी दी गई है कि आने वाले दिनों में यूरिया उपलब्ध नहीं हो सकता। इस चेतावनी के डर से किसान पोटाश खरीदने को मजबूर हैं। 20 किलो के पोटाश के एक बैग की कीमत 1,400 रुपये है।

बरसात का मौसम शुरू होने के एक माह बाद भी बूंदाबांदी न होने से बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को व्यापारियों के रवैये से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कम वर्षा के बावजूद, जल सुविधा वाले कुछ किसानों ने खेती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसका फायदा उठाकर व्यापारी यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा करके पैसा कमाने की कोशिश कर रहे हैं। मार्कफेड और निजी डीलरों को क्रमशः 60 और 40 प्रतिशत तक उर्वरक बेचना चाहिए। लेकिन इस अनुपात का पालन नहीं किया जा रहा है।

इसके अलावा, सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रति एकड़ ज़मीन पर एक यूरिया बैग दिया जाना चाहिए और चेतावनी दी कि अगर व्यापारी नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उनकी डीलरशिप रद्द कर दी जाएगी। कृषि अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि करीमनगर ग्रामीण मंडल के एक व्यापारी ने एक ही पासबुक पर एक किसान को लगभग 50 बैग यूरिया बेच दिया। हालांकि कृषि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उर्वरक की कोई कमी नहीं है और मांग के आधार पर केंद्रों को स्टॉक की आपूर्ति की जा रही है, फिर भी किसान यूरिया के लिए विरोध प्रदर्शन करते देखे जा रहे हैं। जिले में कुल 24,493 मीट्रिक टन यूरिया आ चुका है, जबकि वनकालम सीजन के लिए 43,254 मीट्रिक टन की आवश्यकता थी।

जुआ खेलते 8 लोग गिरफ्तार, 4.54 लाख रुपये जब्त

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट पुलिस ने शनिवार रात बडंगपेट स्थित एक घर पर छापा मारकर जुआ खेलते हुए आठ लोगों को पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से 4.54 लाख रुपये नकद जब्त किए। गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस ने बडंगपेट के आरएमआर कॉलोनी स्थित एक घर पर छापा मारा और पाया कि आठ लोग ताश का खेल और जुआ खेल रहे थे। आयोजक बी. साई बाबू प्रतिभागियों को आमंत्रित कर उनसे कमीशन वसूल रहा था।

वोटर लिस्ट में बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के लोगों की भी बड़ी संख्या

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण कार्य जारी है। पिछले कुछ दिनों से सवाल उठ रहे थे कि बिहार में अवैध अप्रवासी भी यहां के मतदाता बन गए हैं।

अब इसकी पुष्टि चुनाव आयोग ने कर दी है। चुनाव आयोग ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने बिहार में चल रही मतदाता सूची की गहन समीक्षा के दौरान पाया कि इसमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों बड़ी संख्या में शामिल हैं। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर इसकी जांच की तो पता चला।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा कि अवैध प्रवासियों के नाम अंतिम निर्वाचन सूची में नहीं शामिल किए जाएंगे। यह 30 सितंबर को

प्रकाशित की जाएगी, इसके लिए ऐसे लोगों की उचित जांच एक अगस्त के बाद की जाएगी। चुनाव आयोग अंततः भारत भर में विदेशी अवैध प्रवासियों को हटाने के लिए मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा करेगा, जिसमें उनके जन्म स्थान की जांच की जाएगी। बिहार इस वर्ष चुनावों में जाएगा, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे पांच अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव 2026 में निर्धारित हैं।

243 विधानसभा क्षेत्रों में बारीकी से निगरानी की जा रही है :

चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और 963 सहायक ईआरओ (एईआरओ) सहित क्षेत्र स्तरीय टीमों की निर्वाचन अधिकारी की ओर से बारीकी से निगरानी की जा रही है। चुनाव आयोग के इन प्रयासों के साथ ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 1.5 लाख बीएलए भी घर-घर जाकर हर मौजूदा मतदाता को शामिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

मतदाता सूची वितरण का काम पूरा :

100 प्रतिशत मुद्रण पूरा होने और अपने पते पर पाए गए सभी मतदाताओं को मतदाता सूची वितरण का काम लगभग पूरा होने के बाद, आज शाम 6 बजे तक संग्रह 6,32,59,497 या 80.11 प्रतिशत पार कर गया। इसका मतलब है कि बिहार में हर 5 में से 4 मतदाताओं ने मतदाता सूची जमा कर दी है। इस गति से, अधिकांश ईएफ 25 जुलाई 2025 से काफी पहले एकत्र किए जाने की संभावना है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्राउली-गिल विवाद पर टिम साउदी ने भारतीय कप्तान पर साधा निशाना

क्या बोले केएल राहुल

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसिया)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे टेस्ट के तीसरे दिन का अंतिम ओवर काफी मनोरंजन से भरपूर रहा। दरअसल, भारत के ऑलआउट होने के बाद इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए आई और ज्यादा ओवर का खेल न हो सके, इसके लिए उसके बल्लेबाज चोट लगने का ड्रामा करने लगे। इससे भारतीय टीम नाराज हो गई थी, खासतौर पर कप्तान शुभमन गिल, जिन्होंने 'इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट' का इशारा कर क्राउली को रिप्लेस करने को कहा था और इंग्लैंड टीम पर चुटकी भी ली थी। अब यह मामला चर्चा का विषय बन चुका है और दुनिया भर के क्रिकेटर्स और फैंस इस पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

खासतौर पर स्ट्राइक पर मौजूद रहे जैक क्राउली की तरफ से खूब ड्रामा हुआ। क्राउली जसप्रीत बुमराह के रन अप के बाद स्ट्राइक से हट गए थे। बुमराह ने अंपायर से इसकी शिकायत भी की। फिर क्राउली ने अगली गेंद को सीधे बल्ले से खेलने के बावजूद अंगुली में चोट का नाटक किया। इस पर भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। कुछ खिलाड़ियों ने क्राउली की इस हरकत पर ताली बजाई, तो भारतीय कप्तान शुभमन गिल ताली बजाते हुए उनके करीब पहुंचे और इम्पैक्ट सब का इशारा करते हुए क्राउली से वापस जाने को कहा। इस पर क्राउली भी बौखला गए और कुछ-कुछ कहने लगे। फिर गिल ने क्राउली को अंगुली दिखाकर चेतावनी भी दी। इस पर बेन डकेट भी गिल के पास पहुंचे और कुछ कहते दिखाई दिए। गिल ने उनका भी मुंहतोड़ जवाब दिया। ओवर की आखिरी गेंद पर क्राउली बीट हुए तो बिना कुछ बोले पवेलियन की ओर लौट पड़े।

टिम साउदी ने इस पर बयान देते हुए कहा, 'यह अच्छा है। अंत में दोनों टीमों की तरफ से जोश देखना हमेशा रोमांचक होता है। दूसरे दिन के खेल के बीच में जब गिल मालिश करवाने के लिए बीच मैदान में लेटे हुए थे, तो पता नहीं वह किस बात की शिकायत कर रहे थे। यह स्पष्ट रूप से खेल का हिस्सा है। दिन के अंत में, यह दिन खत्म करने का एक रोमांचक तरीका है।' क्राउली की चोट के बारे में पूछे जाने पर, साउदी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'हां, क्राउली की रात भर जांच की जाएगी। उम्मीद है कि वह चौथे दिन खेलने के लिए ठीक होंगे और बल्लेबाजी के लिए आएंगे।'

राहुल ने क्या कहा?

राहुल ने कहा कि क्राउली की रणनीति उन्हें समझ में आती है क्योंकि वह खुद एक सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, 'तीसरे दिन के अंत में जो हुआ वह अब खेल का हिस्सा है। मैं एक सलामी बल्लेबाज के नजरिए से समझता हूं। मुझे ठीक-ठीक पता है कि क्या हो रहा था और सभी को ठीक-ठीक पता है। लेकिन एक सलामी बल्लेबाज पूरी तरह समझ जाएगा कि आखिरी पांच मिनट में क्या हुआ।' गिल भी जोश में थे और स्टंप माइक से आए ऑडियो में उनकी भावनाएं झलक रही थीं। राहुल ने कहा, 'मैंने उन्हें कई बार जोश में देखा है, लेकिन जाहिर है कि यहां हम दो ओवर फेंकना चाहते थे। छह मिनट बचे थे और इसमें दो ओवर कोई बड़ी बात नहीं है। कोई भी टीम छह मिनट में दो ओवर फेंक लेगी।'

राहुल ने कहा, 'अंत में मैच थोड़ा नाटकीय था। हम सभी उत्साहित थे क्योंकि हम जानते हैं कि जब आप पूरे दिन मैदान पर रहे हों तो बल्लेबाज के लिए दो ओवर बल्लेबाजी करना कितना मुश्किल होता है। हमें उम्मीद थी कि हम वहां एक विकेट ले पाएंगे और दिन के खेल के अंत में एक विकेट हमारे लिए एकदम सही होता।' इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 387 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी भी 387 रन पर समाप्त हुई। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए दो रन बना लिए हैं। मैच रोमांचक मोड़ पर है और दो दिन का खेल बाकी है। फिलहाल तीनों नतीजे संभव हैं।

पहली पारी में 225 रन पर सिमटा ऑस्ट्रेलिया कोई बल्लेबाज 50+ नहीं बना पाया

किंगस्टन (जमैका) 13 जुलाई (एजेंसियां)। शमार जोसेफ की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 225 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 16 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने एकमात्र विकेट केवलोन एंडरसन (03) का गंवाया जिन्हें अपना 100वां टेस्ट खेल रहे मिचेल स्टार्क ने बोल्ड किया।

स्टार्क 100 टेस्ट मैच की उपलब्धि हासिल करने वाले 16वें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग आठ रन, जबकि कप्तान रोस्टन चेज तीन रन बनाकर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम इससे पहले शमार जोसेफ (33 रन पर चार विकेट), जस्टिन ग्रीव्स (56 रन पर तीन विकेट) और जेडन सील्स (59 उन पर तीन विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने 70.3 ओवर में 225 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और सैम कोन्सटास (17) का विकेट गंवाकर लंच तक एक विकेट पर 50 रन बनाए। उन्हें ग्रीव्स ने पगबाधा किया।

दूसरे सत्र में भी ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (23) और कैमरन ग्रीन (46) के विकेट गंवाकर स्कोर तीन विकेट पर 138 रन तक पहुंचाया। ख्वाजा को जोसेफ ने विकेटकीपर शाई होप के हाथों कैच कराया, जबकि ग्रीन को सील्स ने बोल्ड किया। तीसरा सत्र हालांकि वेस्टइंडीज के नाम रहा और उसके गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम सात विकेट 68 रन पर चटकाए। स्टीव स्मिथ 48 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे। वहीं, हेड 20 रन, ब्यू वेबस्टर एक रन, एलेक्स कैरी 21 रन और कप्तान पैट कमिंस 24 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क खाता नहीं खोल सके, जबकि हेजलवुड चार रन बनाकर आउट हुए। बोलैंड पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

पंत का रन आउट होना निराशाजनक, इससे टीम की रनगति धीमी पड़ी : केएल राहुल

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसिया)। भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकारा है कि लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन शतक बनाने की उनकी जल्दबाजी के चलते ऋषभ पंत रन आउट हो गए। केएल राहुल मानते हैं कि यह भारत के लिए बढ़त हासिल करने की कोशिश के लिए 'आदर्श' नहीं था।

लंच से पहले आखिरी ओवर में, ऋषभ पंत 74 के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। पंत उस समय केएल राहुल को स्ट्राइक पर वापस लाने की कोशिश कर रहे थे, ताकि सलामी बल्लेबाज अपना शतक पूरा कर सके।

हालांकि, ऋषभ पंत के पवेलियन लौटने के बाद केएल राहुल ने लॉर्ड्स में अपना दूसरा शतक पूरा किया। टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 387 रन बनाए।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद केएल राहुल ने पत्रकारों से कहा, पंत के आउट होने से कुछ ओवर पहले हमारी बातचीत हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अगर हो सके तो लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा कर लूंगा। लंच से पहले बशीर के आखिरी ओवर में मुझे लगा कि मेरे पास शतक बनाने का अच्छा मौका है, लेकिन दुर्भाग्य से मेरी गेंद सीधे फील्डर के पास चली गई। यह ऐसी गेंद थी, जिस पर मैं चौका लगा सकता था।

केएल राहुल ने कहा, पंत बस स्ट्राइक रोटेट करना चाहते थे। वह मुझे वापस स्ट्राइक पर लाना चाहते थे। लेकिन, ऐसा नहीं होना चाहिए था। इस एक रन-आउट ने वास्तव में भारत के स्कोरबोर्ड की गति थाम दी। यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था। जाहिर है, कोई भी अपना विकेट इस तरह नहीं गंवाना चाहता।

केएल राहुल ने बताया कि पिछले दो वर्षों से वह एक विशेषज्ञ के साथ काम कर रहे हैं, जिसने उन्हें 'रिएक्शन-टाइम ट्रेनिंग' में मदद की। इस तरह की ट्रेनिंग फॉर्मूला 1 ड्राइवर्स करते हैं।

राहुल ने बताया, पिछले एक-दो साल में, मैंने 'मेंटल ड्रिल्स' पर काम किया है। मैंने एक विशेषज्ञ के साथ थोड़ा समय बिताया, जिसने मुझे अपना रिएक्शन टाइम सुधारने में मदद की। मुझे लगता है कि कई दूसरे खेलों में भी इस तरह की ट्रेनिंग का इस्तेमाल किया जाता है। मैंने इसे फॉर्मूला 1 में कई बार देखा है।

बीएफआई चुनावों में देरी का मामला

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने वजह पता लगाने के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली , 13 जुलाई (एजेंसिया)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनावों में हो रही देरी के कारणों का पता लगाने और निष्पक्ष तथा समय पर चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक खाके की सिफारिश करने हेतु तीन सदस्यीय 'फैक्ट फाइंडिंग' समिति का गठन किया है। शुक्रवार को गठित इस समिति की अध्यक्षता आईओए के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव करेंगे, जबकि आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा और अधिवक्ता पायल काकरा इसके सदस्य हैं।

आईओए के 11 जुलाई के कार्यालय आदेश में उषा ने कहा, 'बीएफआई की वर्तमान कार्यकारी समिति का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था और तब से नए चुनाव नहीं हुए हैं।' आदेश में कहा गया कि यह समिति बीएफआई की वर्तमान कानूनी और प्रशासनिक स्थिति की जांच करेगी और भारत में मुक्केबाजी के संचालन और कामकाज पर देरी के प्रभावों का आकलन करेगी। यह समिति विश्व मुक्केबाजी के साथ बातचीत सहित आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करेगी और निष्पक्ष एवं समय पर चुनाव कराने के लिए एक स्पष्ट खाका सुझाएगी।

समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है जिससे कि विश्व मुक्केबाजी के समक्ष तथ्यात्मक स्थिति प्रस्तुत की जा सके। इस समिति का गठन खेल मंत्रालय द्वारा पांच जुलाई को लिखे गए एक पत्र के बाद हुआ है जिसमें उषा से अनुरोध किया गया था कि विश्व मुक्केबाजी के साथ परामर्श करके एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार करें ताकि राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 और बीएफआई के उपनियमों के अनुसार जल्द से जल्द चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

उषा ने पिछले महीने लुसाने में विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट से भी मुलाकात की थी। बीएफआई के पूर्व पदाधिकारियों का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था। चुनाव शुरू में 28 मार्च के लिए निर्धारित थे लेकिन कई अपीलों और जवाबी अपीलों सहित कानूनी विवादों के कारण यह प्रक्रिया तब से स्थगित है। प्रशासनिक निरंतरता सुनिश्चित करने और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की निगरानी के लिए विश्व मुक्केबाजी ने सात अप्रैल को अजय सिंह की अध्यक्षता में 90 दिनों के कार्यकाल के साथ छह सदस्यीय अंतरिम समिति का गठन किया।

पिछले हफ्ते विश्व मुक्केबाजी ने समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया और पैनल से 31 अगस्त तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया। दिलचस्प बात यह है कि उषा ने समिति की घोषणा तो कर दी है लेकिन उन्होंने अभी तक बीएफआई अंतरिम समिति के अंतिम सदस्य का नामांकन नहीं किया है। बीएफआई के एक अधिकारी ने बताया, 'सब कुछ खुलकर सामने आ गया है, देरी

3 मिनट के वीडियो में सिमटा फाइनल का रोमांच, 114 साल में पहली बार हुआ ऐसा

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसिया)। विंबलडन महिला फाइनल का इंतजार हर एक फैन को था लेकिन जो मैच में हुआ उसकी उम्मीद किसी ने नहीं की थी. पोलैंड की इगा स्वियातेक ने फाइनल मैच में गजब ढा दिया. शनिवार को अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को ऐसे हराया जिसको अपने पूरे करियर में वो कभी याद नहीं करना चाहेंगी. इगा स्वियातेक ने अमांडा को 6-0, 6-0 से हराकर पहली बार विंबलडन और छठा ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किया. यह 114 साल में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था जिसमें विरोधी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी.

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से विंबलडन महिला सिंगल्स फाइनल में कांटे के टक्कर की उम्मीद थी लेकिन मामला एकतरफा निकला. फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीतने वाली 24 साल स्वियातेक ने 57 मिनट में मुकाबला खत्म कर दिया. 13वीं सीड अनिसिमोवा को हराकर उन्होंने आखिरकार ग्रासकोर्ट पर अपनी पहली ट्रॉफी जीत ली.

स्वियातेक विंबलडन में लगातार आठवीं बार पहली बार महिला चैंपियन बनी हैं. आठवीं वरीय स्वियातेक कुल अंक में 55-24 से आगे रहीं और इस दौरान उन्होंने महज 10 विनर लगाए. पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची 23 साल की अनिसिमोवा शुरुआत से ही लड़खड़ाती रहीं और 28 'अनफोर्स्ड' गलतियां कर बैठीं. स्वियातेक ने लंबे समय से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया. उन्होंने पिछली ट्रॉफी एक साल से भी ज्यादा समय पहले जून 2024 में रोलां गैरां में जीती थी.

पोलैंड ने डेनमार्क को हराकर महिला यूरोपीय चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज की

लुसर्ने (स्विट्जरलैंड), 13 जुलाई (एजेंसिया)। नतालिया पेडिला ने एक गोल दागा जबकि एक गोल करने में मदद की जिससे पोलैंड ने शनिवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप मैच में डेनमार्क को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज की.

पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहे पोलैंड के लिए स्पेन में जन्मीं पेडिला ने 13वें मिनट में प्रतियोगिता का पहला गोल दागा जबकि पांच मिनट बाद कप्तान पर्निले हार्डर ने स्कोर 2-0 कर

दिया.

डेनमार्क के लिए जेनी थॉमसेन ने पहले हाफ में गोल दागा, लेकिन पोलैंड की टीम मध्यांतर तक 2-1 से आगे थी. मार्टिना वियानकोवस्का ने 76वें मिनट में स्कोर 3-1 किया.

सिग्ने ब्रून ने इसके बाद 83वें मिनट में डेनमार्क की ओर से एक और गोल दागा, लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाईं.

दोनों ही टीम पहले ही ग्रुप सी से नॉकआउट में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुकीं थी, स्वीडन ने ग्रुप के एक अन्य मैच में जर्मनी को 4-1 से हराया.

लॉर्ड्स टेस्ट में मुश्किल में इंग्लैंड, 4 विकेट गंवाए : लंच ब्रेक तक स्कोर 98/4

लॉर्ड्स, 13 जुलाई (एजेंसिया)। । खबर लिखे जाने तक पहले सत्र में इंग्लैंड ने चार विकेट खो दिए। बेन डकेट (12), ओली पोप (4), जैक क्राउली (22) और हैरी ब्रूक (23) पवेलियन लौट गए। फिलहाल क्रीज पर जो रूट 17 और बेन स्टोक्स 2 रन बनाकर मौजूद हैं। लंच तक इंग्लैंड ने 98 रन 4 विकेट गवाने के बाद बढ़त हासिल कर ली है।

लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रन बनाए थे। भारतीय टीम की पहली पारी भी 387 रन पर ही समाप्त हुई। भारत को इस स्कोर तक पहुंचाने में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 72 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, तीसरे दिन की समाप्ति के समय इंग्लैंड ने बिना कोई विकेट गंवाए दूसरी पारी में 2 रन बनाए।

भारत ने तीसरे दिन के खेल की शुरुआत 3 विकेट पर 145 रनों से की थी। केएल राहुल और ऋषभ पंत ने पहले सेशन में शानदार बैटिंग की। हालांकि अच्छे लय में दिख रहे पंत लंच से ठीक पहले पंत 74 रन बनाकर रनआउट हो गए। राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए उन्होंने 141 रन जोड़े। पहले सेशन में भारत ने पंत के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया।

दूसरे सेशन की शुरुआत में केएल राहुल ने टेस्ट में अपना 10वां शतक जड़ा। 100 रन बनाने के बाद उन्होंने शोएब बशीर को अपना विकेट दे दिया। राहुल पांचवें विकेट के रूप में 254 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद रवींद्र जडेजा और नितीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। रेड्डी 30 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े और 376 रन तक टीम का स्कोर पहुंचाया।

इस स्कोर पर जडेजा सातवें विकेट के रूप में आउट हुए। जडेजा ने 131 गेंद पर 72 रन की शानदार पारी खेली। जडेजा के आउट होते ही भारतीय पारी 387 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए क्रिस वोक्स ने 3, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने 2-2, और ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर ने 1-1 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने पांचवें मैच में अपना तीसरा सबसे बड़ा रन चेज किया

भारत ने 3-2 से जीती टी20 सीरीज

बर्मिंघम, 13 जुलाई (एजेंसिया)। इंग्लैंड की महिला टीम ने भारत को पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में पांच विकेट से हरा दिया। हालांकि, टीम इंडिया पहले ही यह सीरीज जीत चुकी है, इसलिए आखिरी मैच में जीत इंग्लैंड के लिए औपचारिकता मात्र रहा। बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 167 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इंग्लैंड की महिला टीम द्वारा तीसरा सबसे बड़ा रन चेज

यह इंग्लैंड की महिला टीम द्वारा टी20 में उनका तीसरा सबसे बड़े रन चेज रहा। इससे पहले 2018 में इस टीम ने भारतीय टीम के खिलाफ ही 199 रन और 2017 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ 179 रन चेज किए थे। भारतीय टीम ने 3-2 से मौजूदा टी20 सीरीज अपने नाम की। भारत ने पहला टी20 97 रन से और दूसरा टी20 24 रन से अपने नाम किया था। तीसरे टी20 में इंग्लिश टीम ने पांच रन से जीत हासिल की थी। फिर चौथे टी20 में छह विकेट से जीत ने टीम इंडिया को अजेय बढ़त दिला दी थी। चार्लोट डीन प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। वहीं, पांच मैचों में 10 विकेट लेने वाली श्री चरणी को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। मैच के बाद नेट शीवर ब्रंट को इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा प्लेयर ऑफ द समर के अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

श्री चरणी ने बनाया रिकॉर्ड

श्री चरणी ने रिकॉर्ड भी बनाया। यह उनका डेब्यू सीरीज है। 10 विकेट किसी भी भारतीय महिला द्वारा अपनी पहली टी20 सीरीज में लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं। इतना ही नहीं, वह किसी एक महिला टी20 सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी हैं। इस मामले में उन्होंने राधा यादव की बारबरी भी की। राधा ने 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में 10 विकेट झटके थे।

भारत की पारी, शेफाली का अर्धशतक

इंग्लैंड की कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही थी। 19 के स्कोर तक भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना और जेमिमा रॉड्रिग्स के विकेट गंवा दिए थे। मंधाना आठ रन और जेमिमा एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी निभाई। कप्तान हरमनप्रीत 18 गेंद में दो चौके की मदद से 15 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, हरलीन देओल भी कुछ खास नहीं कर सकीं और चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। शेफाली वर्मा ने अर्धशतक जमाया और 41 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 75 रन की तूफानी पारी खेली। ऋचा घोष ने 16 गेंद में तीन चौके की मदद से 24 रन बनाए, जबकि दीप्ति शर्मा सात रन बनाकर आउट हुईं। राधा यादव 14 गेंद में 14 रन और अरुंधति रेड्डी पांच गेंद में नौ रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने तीन विकेट औ सोफी एक्लेस्टोन ने दो विकेट लिए। एम आर्लोट और लिंसे स्मिथ को एक-एक विकेट मिला।

आखिरी गेंद पर जीती इंग्लैंड की टीम

जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी रही। सोफिया डंकले और डेनिएल्ला वायट ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। 101 के स्कोर पर इंग्लैंड को पहला झटका लगा। सोफिया 30 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुईं। डेनिएल्ला ने अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके बाद वह आउट हो गईं। उन्होंने 37 गेंद में नौ चौके की मदद से 56 रन की पारी खेली। माइया बाउचियर ने 16 रन बनाए। आखिरी ओवर में इंग्लैंड को जीत के लिए छह रन की जरूरत थी। तब कप्तान टैमी ब्यूमोंट और एमी जोंस के रूप में इंग्लैंड की दो मुख्य बल्लेबाज क्रीज पर थीं। अरुंधति रेड्डी को छह रन बचाने का जिम्मा मिली। उन्होंने पहली ही गेंद पर ब्यूमोंट को क्लीन बोल्ड किया। ब्यूमोंट ने 20 गेंद में पांच चौके की मदद से 30 रन बनाए। इसके बाद दूसरे गेंद पर नई बल्लेबाज पेज स्कोलफील्ड ने एक रन लिया और एमी जोंस को स्ट्राइक दिया। तीसरी गेंद पर अरुंधति ने एमी जोंस को राधा यादव के हाथों कैच कराया। एमी ने 10 रन बनाए।

बाकी बची तीन गेंदों पर इंग्लैंड को जीत के लिए पांच रन चाहिए थे। चौथी गेंद पर नई बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन ने तीन रन लिए। पांचवीं गेंद पर पेज ने एक रन लिया। आखिरी गेंद पर इंग्लिश टीम को एक रन की जरूरत थी। सोफी ने एक रन लेकर इंग्लैंड की टीम को जीत दिलाई।

सचिन और द्रविड़ के पीछे पड़े जो रूट, 'द वॉल' के बैटिंग-फील्डिंग के 2 रिकॉर्ड एक दिन में ही तोड़े

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसिया)। जो रूट तो जैसे राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड्स के पीछे ही पड़ गए हैं. इंग्लैंड के इस बैटर ने लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान एक ही दिन में राहुल द्रविड़ के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ डाले. उन्होंने इस मैच के दूसरे दिन शतक बनाया. रूट ने इसके साथ ही द्रविड़ के सबसे ज्यादा टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. जो रूट ने इसके कुछ घंटे बाद टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. जो रूट से पहले यह रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ के नाम था.क्रिकेट के रिकॉर्डबुक के लिए 11 जुलाई 2025 अहम तारीख साबित हुई. यह भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट का दूसरा दिन था. जो रूट ने इस दिन शतक बनाया. यह उनका 37वां टेस्ट शतक है. इस शतक के साथ उन्होंने राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ (36-36 टेस्ट शतक) को पीछे छोड़ दिया. रूट इसके साथ ही सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पांचवें नंबर पर आ गए हैं. द्रविड़ ने अपने 164 टेस्ट मैचों के करियर में 36 शतक बनाए थे. रूट ने 156वें टेस्ट में इस पड़ाव को पार कर लिया है. सबसे अधिक 51 टेस्ट शतक का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है.

सबसे ज्यादा कैच का रिकॉर्ड

रूट ने लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन (11 जुलाई) को करुण नायर का शानदार कैच लपका. इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ डाला. द्रविड़ ने 164 टेस्ट में 210 कैच लिए थे.

रूट ने अपने 156वें टेस्ट में 211वां कैच लपका. अब जो रूट से ज्यादा कैच सिर्फ विकेटकीपर्स ने ही लपके हैं. किसी फील्डर को यह रुतबा हासिल नहीं है.पूरी संभावना है कि जो रूट सबसे ज्यादा टेस्ट रन के मामले में भी राहुल द्रविड़ को जल्दी ही पीछे छोड़ देंगे. रविड़ के टेस्ट मैचों 13,288 रन दर्ज हैं.

ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर में उमड़ी भीड़

मुख्यमंत्री रेवंत ने उज्जैनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुँचे

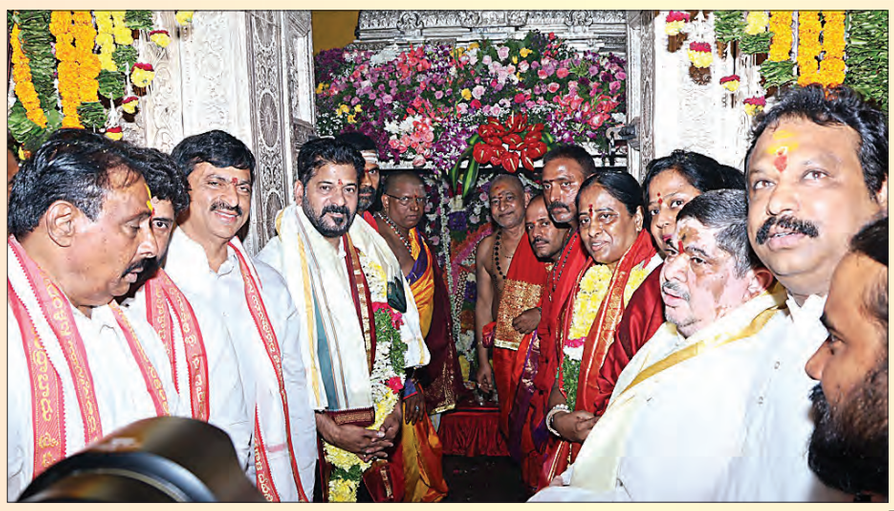

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को सिकंदराबाद स्थित ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर में बोनालु उत्सव के उपलक्ष्य में देवी की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों कोंडा सुरेखा, पोन्नम प्रभाकर और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद अनिल कुमार यादव और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ देवी उज्जैनी महाकाली को रेशमी वस्त्र भेंट किए और बोनम चढ़ाया। मंदिर में अनुष्ठान सुबह 4 बजे शुरू हुए, जिसमें परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उद्घाटन पूजा की और सरकार की ओर से बोनम चढ़ाया। इसके बाद, नियमित भक्तों को देवी के दर्शन करने की अनुमति दी गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सुबह 11 बजे मंदिर पहुँचे, जहाँ देवी को रेशमी वस्त्र भेंट किए गए और अतिरिक्त विशेष पूजाएँ की गईं। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र, बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी विशेष पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुँचे। इस बीच, हज़ारों श्रद्धालु, जिनमें मुख्यतः महिलाएँ थीं, बोनालु समारोह में भाग लेने के लिए उज्जैनी महाकाली मंदिर में एकत्रित हुईं। भारी भीड़ और वीवीआईपी के आगमन के कारण हुई देरी के बावजूद, मंदिर सुबह से ही जीवंत उत्सवों से गुलज़ार था। अपने बेहतरीन परिधानों में सजी और सिर पर 'बोनम' लिए, सिकंदराबाद भर से महिलाएँ लश्कर बोनालु समारोहों के लिए ऐतिहासिक उज्जैनी महाकाली मंदिर में उमड़ पड़ीं। सिकंदराबाद की सड़कें, खासकर

जनरल बाज़ार और सोमवार के बाज़ार के आसपास, बोनालु उत्सव के जीवंत रंगों और ध्वनियों से सराबोर थीं। पारंपरिक ढोल (दप्पुलु) की लयबद्ध थाप हवा में गूंज रही थी, जो पोथाराजुओं के उत्साहपूर्ण आंदोलनों के साथ मेल खा रही थी क्योंकि हर कोई पवित्र मंदिर की ओर बढ़ रहा था। रविवार सुबह 3 बजे से ही सैकड़ों महिलाएँ देवी को बोनम चढ़ाने और अपने परिवार की समृद्धि के लिए आशीर्वाद लेने मंदिर पहुँचने लगीं। आयोजकों ने महिला श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में अलग-अलग और कई कतारें लगाईं, ताकि उन्हें देवी को अपनी भेंट चढ़ाने में आसानी हो। दूसरी ओर, अधिकारियों ने मंदिर में बोनालु उत्सव के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था की। बोनालु चढ़ाने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से दो कतारें लगाई गई थीं। शिव सत्तू भक्तों को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक आरपी रोड और बाटा शोरूम से प्रवेश की अनुमति दी गई थी। श्रद्धालुओं के मंदिर पहुँचने के लिए विभिन्न मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी। सिकंदराबाद बोनालु उत्सव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस ने बोनालु के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। लगभग 2,500 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। कानून-व्यवस्था, पुलिस विभाग की टीमें और टास्क फोर्स ने सुरक्षा में भाग लिया। बोनालू उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मंदिर के चारों ओर विशेष रूप से 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

सीपी आनंद ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देवी उज्जैनी महाकाली की पूजा-अर्चना की

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर में बोनालु उत्सव के पावन अवसर पर, हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक एवं आयुक्त सी.वी. आनंद ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देवी की पूजा अर्चना की। दर्शन के बाद, आयुक्त ने मंदिर परिसर का गहन निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कतारों की बारीकी से जांच की। बाद में, आयुक्त सी.वी. आनंद ने लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना पर प्रकाश डाला, जिनके बोनालु उत्सव के दौरान मंदिर में दर्शन करने और विशेष पूजा-अर्चना करने की उम्मीद है। उन्होंने पुष्टि की कि सभी आगंतुकों के लिए एक सुचारू और परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एहतियाती उपाय किए गए हैं। आयुक्त ने मजबूत सुरक्षा ढांचे पर जोर देते हुए कहा कि चेन स्नैचरों, जेबकतरों और छेड़छाड़ करने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे, समर्पित अपराध दस्ते और शी टीमें रणनीतिक रूप से तैनात की गई हैं। इस अवसर पर डी. जोएल डेविस, आईपीएस, (संयुक्त सीपी ट्रैफिक), एस. रश्मि पेरुमल, आईपीएस, (डीसीपी उत्तर क्षेत्र), के. अपूर्व राव, आईपीएस, (डीसीपी विशेष शाखा), श्वेता, आईपीएस, (डीसीपी डीडी), राहुल हेज, आईपीएस, (डीसीपी ट्रैफिक), रक्षिति कृष्ण मूर्ति, आईपीएस, (डीसीपी मुख्यालय), शिल्पा वैली, आईपीएस, (डीसीपी मध्य क्षेत्र), बी. बालास्वामी, आईपीएस, (डीसीपी पूर्वी क्षेत्र), एस. चैतन्य कुमार, (डीसीपी दक्षिण पूर्व क्षेत्र), वाई.वी.एस. सुधींद्र (डीसीपी टास्क फोर्स) और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नशे में गाड़ी चलाते समय 528 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने सप्ताहांत में विशेष नशे में गाड़ी चलाते समय 528 लोगों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों का वाहनवार विवरण इस प्रकार है : पकड़े गए लोगों में दोपहिया वाहन 391, तिपहिया वाहन 22, चार पहिया वाहन 113 और भारी वाहन 2 शामिल हैं।

अपराधियों को उनके रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के स्तर के आधार पर वर्गीकृत किया गया था। 484 अपराधियों का बीएसी स्तर 35 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 200 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तक था, 27 अपराधियों का बीएसी स्तर 201 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तक था, 17 अपराधियों का बीएसी स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 500 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तक था। सभी अपराधियों को अदालत में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया है कि शराब पीकर गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है।

अगर कोई नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है और किसी जानलेवा दुर्घटना का कारण बनता है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 (सदोषपूर्ण हत्या) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के तहत अधिकतम सजा 10 साल की कैद और जुर्माने की है। साइबराबाद यातायात पुलिस सभी नागरिकों से ज़िम्मेदारी से गाड़ी चलाने और सभी के लिए सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करती है।

दिग्गज अभिनेता कोटा के निधन पर नेताओं ने शोक व्यक्त किया

तेलुगु भाषी समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति बताया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके कैबिनेट मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, भाजपा तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन रामचंदर राव, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, राज्यपाल अब्दुल नज़ीर और वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने दिग्गज तेलुगु अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर शोक व्यक्त किया और सिनेमा और राजनीति में उनकी विरासत को तेलुगु भाषी समुदाय के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने फिल्म और समाज दोनों पर अभिनेता के महत्वपूर्ण प्रभाव को याद किया और कहा कि उनका निधन तेलुगु राज्यों के लोगों के लिए एक बड़ी क्षति है। एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कोटा श्रीनिवास राव का निधन एक सदमा है और फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "भले ही कोटा अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी विविध भूमिकाओं के कारण वे तेलुगु लोगों के दिलों में हमेशा रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।" पूर्व मंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दिग्गज अभिनेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें एक विशिष्ट कलाकार बताया जिन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि कोटा श्रीनिवास राव ने यादगार अभिनय से तेलुगु दर्शकों के दिलों में अपनी जगह पक्की कर ली। केसीआर ने कहा, "उनका निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति है।" उन्होंने श्रीनिवास राव की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कोटा श्रीनिवास राव को एक असाधारण अभिनेता के रूप में याद किया जिन्होंने तेलुगु सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा, "उनकी भूमिकाएँ खलनायकी से लेकर हास्य और भावनात्मक गहराई तक फैली हुई हैं, जो बेजोड़ है। चार दशकों में 750 से ज़्यादा फ़िल्मों में उनका योगदान तेलुगु सिनेमा में किसी स्मारक से कम नहीं है।" केटीआर ने कहा कि अभिनेता ने न केवल पद्मश्री, नौ नंदी पुरस्कार और कई अन्य सहित कई पुरस्कार जीते, बल्कि तेलुगु राज्यों के लोगों का दिल भी जीता। इसी तरह, पूर्व मंत्री टी हरीश राव और तलसानी श्रीनिवास यादव ने भी दिग्गज अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने श्रद्धांजलि अर्पित की और तेलुगु सिनेमा पर कोटा श्रीनिवास राव के उल्लेखनीय प्रभाव और 1999 में विजयवाड़ा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक के रूप में उनकी भूमिका पर विचार किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मैं पद्मश्री पुरस्कार विजेता कोटा श्रीनिवास राव को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने अपने असाधारण अभिनय कौशल से सभी उम्र के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।"

राज्यपाल ने वरिष्ठ अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने वरिष्ठ तेलुगु अभिनेता और राजनेता, पद्मश्री पुरस्कार विजेता, कोटा श्रीनिवास राव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। रविवार को यहाँ एक बयान में, राज्यपाल ने कहा कि कोटा श्रीनिवास राव का निधन तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, "वह एक महान अभिनेता थे जिन्होंने अपनी विशिष्ट शैली और उल्लेखनीय अभिनय कौशल से भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी।" तेलुगु सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान की प्रशंसा करते हुए, राज्यपाल ने कोटा श्रीनिवास राव की विरासत को अविस्मरणीय और चिरस्थायी बताया। जिष्णु देव वर्मा ने शोक संतप्त परिवार और प्रशंसित अभिनेता के अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

मुखरा (के) सरपंच ने प्रदान की नई माताओं को केसीआर किट

आदिलाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरपंच गाडगे मीनाक्षी ने रविवार को इकोडा मंडल के आदर्श गांव मुखरा (के) में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'मुस्कान का उपहार' के तहत 24 नई माताओं को केसीआर किट वितरित करके दूसरों के लिए एक उदाहरण पेश किया।

मीनाक्षी ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने इस

नई योजना की शुरूआत की थी और मानवीय आधार पर इस चरण को ध्यान में रखते हुए नई माताओं को किट प्रदान की थी।

उन्होंने कहा कि इन किटों में महिलाओं के लिए ज़रूरी सभी सामग्रियां होती थीं।

लेकिन, मौजूदा मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस पहल को रद्द करके महिलाओं के साथ धोखा किया है। सरपंच ने आगे बताया कि मुखरा (के) में पिछले 18 महीनों के कांग्रेस शासन में 24 प्रसव हुए। उन्होंने बताया कि वे इस योजना की महानता को याद दिलाने और महिलाओं को आवश्यक सामग्री प्राप्त करने में मदद करने के लिए किट वितरित करने के लिए आगे आईं। उन्होंने आगे भी इस पहल को जारी रखने का संकल्प लिया।

रजनी महा नंदी विशिष्ट पुरस्कार-2025 से सम्मानित

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध उपन्यासकार रजनी रेड्डी को साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार "महा नंदी विशिष्ट पुरस्कार- 2025" से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार की घोषणा राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवी संगठन तेलुगु वेलुगु साहित्य वेदिका और कालोजी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। यह पुरस्कार समारोहपूर्वक हैदराबाद में त्यागराय गण सभा में प्रख्यात अंकशास्त्री, ज्योतिषी और सरस्वती भक्त श्री दैवज्ञ शर्मा, तेलुगु वेलुगु साहित्य वेदिका के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पोलोजू राजकुमार आचार्य और वंगाला शांतिकृष्ण आचार्य द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर, रजनी रेड्डी ने कहा, इस पुरस्कार ने मेरी ज़िम्मेदारी की भावना को और बढ़ा दिया है। आगे भी, मैं समाज के लिए लाभकारी साहित्य लिखती रहूंगी और सेवा कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लूंगी। समाज की भलाई मेरा व्यक्तिगत मिशन है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी अपील की कि वे बच्चों को फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कुछ हद तक दूर रखें और उन्हें हमारे नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा और पालन-पोषण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब प्रत्येक परिवार सही रास्ते पर चलता है, तो पूरे समाज को लाभ होता है। रजनी रेड्डी ने अब तक कई उपन्यास, कहानियां और कविताएं लिखी हैं और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। उनकी रचनाएं, जो अक्सर महिला-केंद्रित विषयों पर केंद्रित होती हैं, अब तक दो मिलियन से अधिक पाठकों को आकर्षित कर चुकी हैं। रंगिशेट्टी रमेश, संगम श्रीधर और अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इसकी सफलता में योगदान दिया।

केसीआर को राज्य सरकार के बारे में गलत सूचना फैलाना बंद करना चाहिए : नायक

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद रवींद्र नायक ने आज कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर राज्य में कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही कांग्रेस सरकार के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केसीआर गलत सूचना फैलाना बंद नहीं करते हैं, तो जनता उन्हें करारा सबक सिखाएगी। अखिल भारत बंजारा महा सेवा संघ के अध्यक्ष जगन नायक की अध्यक्षता में रविवार को हैदरगुडा स्थित एनएसएस में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद रवींद्र नायक ने सवाल उठाया कि कविता और केटीआर के बीच विवाद का जनता से क्या लेना-देना है। उन्होंने कहा कि केसीआर विधानसभा में नहीं आते, बल्कि विपक्ष के नेता के तौर पर वेतन और भत्ते ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता गंवाने के बाद भी केसीआर का अहंकार कम नहीं हुआ है और अगर राज्य सरकार में कोई कमी है, तो उसे उजागर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस सुविधा, द्वारका महिलाओं के ऋण माफी, किसानों के लिए दो लाख तक के फसल ऋण माफी, उत्तम किस्म का चावल, आंगनबाड़ियों के लिए मानदेय और बेरोजगारों के लिए 60,000 नौकरियां जैसी कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि वह पिछड़ी जातियों के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए उन्हें 42 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बधाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि केसीआर भले ही यह कह रहे हों कि वे फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन लोग उन पर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने तेलंगाना को कर्ज और अराजकता में डुबो दिया है। इस कार्यक्रम में बंजारा संघ के नेता जंगैया और दुर्गैया शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.